आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	24°C	9°C

इनसाइड न्यूज

पुश्तैनी जमीन पर कब्ज़ा: दबंगई, धमकी और पुलिस की मिलीभगत...

उत्तर प्रदेश पेज: 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

गुरुवार 04 दिसंबर, 2025 / पेज: 12 / मूल्य: ₹ 3.00/- लखनऊ वर्ष: 17, अंक: 54 www.janexpresslive.com/epaper

चुनाव से पहले ममता बनर्जी का 'वक्फ'... 12

2017 के पहले दिव्यांगों से बाबू कट मांगते थे

लखनऊ में योगी बोले: अब सीधे अकाउंट में पैसा जाता है, बच्ची को ऑटोग्राफ दिया

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

विश्व दिव्यांग दिवस पर राजधानी लखनऊ में बुधवार को राज्यस्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह 10:30 बजे इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचे। उन्होंने सम्मान समारोह का उद्घाटन किया। 500 दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण मशीन, वॉकर और अन्य आवश्यक सहायक उपकरण बांटा। दिव्यांग बच्चों को पढ़ाई में मदद के लिए पाठ्य सामग्री भी दी। सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारियों को राज्यस्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दिव्य कला प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। कला प्रदर्शनी का अवलोकन किया। दिव्यांग बच्ची द्वारा बनाई गई अपनी पेंटिंग पर ऑटोग्राफ दिया। दिव्यांग कलाकारों की बेहतरीन कला, हस्तशिल्प और पेंटिंग्स की सराहना की। उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा- 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में 8 लाख के आसपास दिव्यांगजनों को पेंशन मिलती थी। वह भी ?300 महीना। उसमें भी बहुत सारी जगह बाबू लोग कट भी मांगते थे। आज 11 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को हम पेंशन दे रहे हैं। पेंशन राशि 300 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 1000 रुपए कर दी गई है। यह राशि सीधे उनके खाते में जा रही है। इसमें किसी प्रकार की कोई कट और घूसखोरी नहीं है।

'शारीरिक बनावट व्यक्ति की क्षमता का निर्धारण नहीं करती है'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- भारत के ऋषि परंपरा ने हमेशा हमें इस बात के लिए प्रेरित किया है कि व्यक्ति की शारीरिक बनावट उसकी क्षमता का निर्धारण नहीं करती है। वास्तविक शक्ति संकल्प और आत्म बल में है। भारत ही नहीं पूरी दुनिया ने उसे संकल्प शक्ति को आत्म बल को वास्तविक जीवन में व्यावहारिक जीवन में दिव्यांगजन की सामर्थ्य से उद्घाटित होते हुए देखा है। उन्होंने कहा- अक्सर होता क्या है? एक परिवार यह मानता है कि अगर उनके परिवार में जाने-अनजाने में किन्ही गलतियों के कारण कोई बच्चा दिव्यांगता का शिकार होता है, तो परिवार और समाज उसे अपेक्षित सा कर देता है । परिवार और समाज का संबल न मिलने के कारण वह अपेक्षा जीवन भर उसके मन को कुंठित करती है। अगर हम थोड़ा सा संबल दे दें, तो बहुत अच्छे परिणाम आ सकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में ही खेल और युवा कल्याण विभाग के सचिव ओलंपिक में मेडल जीते हैं। ओलंपिक और पैरालंपिक के जिस टीम ने देश के लिए पैरालंपिक में सर्वाधिक मेडल जीते हैं वह उस टीम के हिस्सा रहे हैं। आपको अगर देखना है तो चित्रकूट में हमारे जो मंडल आयुक्त हैं वह दृष्टिबाधित हैं, लेकिन मंडल आयुक्त के रूप में वहां कार्य कर रहे हैं। एक आईएएस के रूप में भी काम कर रहे हैं।

'दिव्यांग दंपती को 35000 देते हैं'

नरेंद्र कश्यप ने कहा, दिव्यांग दंपती को 35000 की धनराशि भी हमारे विभाग की तरफ से दी जाती है, जिससे उनके परिवार में खुशहाली आए। दुकान निर्माण और संचालन के लिए 20000 की धनराशि विभाग के द्वारा दी जाती है, जिससे हजारों लाखों दिव्यांग रोजगार से जुड़कर अपनी यात्रा को सुगम बनाने में कामयाब हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 80 प्रतिशत से ज्यादा दिव्यंगाता रखने वाले को मोटर बाइसिकल भी दी जा रही है। पहले छात्रवृत्ति मार्च के महीने में वितरित होते थे, लेकिन इस बार हमने सितंबर के महीने से छात्रवृत्ति को भेजने का काम प्रारंभ किया है। आज भी सीएम योगी के द्वारा 5 लाख 35285 छात्र-छात्राओं को 134 करोड़ की धनराशि से धन छात्रवृत्ति आज वितरित करने वाले हैं। अभी तक हमने उत्तर प्रदेश में 12 लाख 76000 से भी अधिक छात्र छात्राओं को 323 करोड़ की धनराशि छात्रवृत्ति वितरित कर दी है।

योगी आदित्यनाथ ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया

सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने दिव्यांगों द्वारा बनाए गए पेंटिंग, हस्तशिल्प आदि को देखा। दिव्यांगों की बेहतरीन कला की तारीफ की। सम्मान समारोह स्थल पर दिव्य कला प्रदर्शनी लगी है। इसमें दिव्यांग कलाकारों की कला, हस्तशिल्प और पेंटिंग्स को प्रदर्शित हो रही है। प्रदर्शनी आम जनता के लिए भी खोली जाएगी, ताकि दिव्यांग कलाकारों की प्रतिभा को अधिक पहचान मिल सके। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। सम्मान समारोह में दिव्यांग बच्चों को पाठ्य सामग्री दी गई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सम्मान समारोह का उद्घाटन किया। उसके बाद 500 दिव्यांगों को सहायक उपकरण बांटा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचे। उन्होंने दिव्यांगजन सम्मान समारोह का उद्घाटन किया।

18 मंडलों में डीडीआरसी बनेगा

दिव्यांगजन विभाग के मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा- दिव्यांगजन लंबे समय से मंडल स्तरीय डीडीआरसी की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल ही सभी 18 मंडलों में इसे बनाने का फैसला लिया है। इसके लिए मैं योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा- 2017 तक दिव्यांगों को पेंशन के रूप में मात्र 300 रुपए मिलते थे। अब वह राशि 1000 प्रति माह कर दिया गया है। आज 500 से अधिक दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा- हमने दिव्यांगजन विभाग में बहुत सारे महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं, जिसमें खास तौर पर कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण योजना के अंतर्गत जो 10000 तक की सीमा राशि होती थी, उसको विभाग ने बढ़ाकर 15000 कर दिया।

बेटा 2 साल का हुआ तो पता चला दिव्यांग है: श्रीकांत

दिव्यांग अर्पित तिवारी के भाई गौरव ने बताया- अभी इनका रजिस्ट्रेशन कराया है। कहा गया है कि इंतजार करें बाइसिकल दी जाएगी। अर्पित के पिता श्रीकांत तिवारी ने बताया- अर्पित जब 2 साल के थे, तो पता चला कि वह बैठ नहीं सकते हैं। अपने से कुछ नहीं कर सकते हैं। ऐसे में हम लोग को ही इनका सब कुछ करना है। सरकार जो मदद कर रही है, उसी से हम लोग कर भी पा रहे हैं। अमेठी के महमूदाबाद के रहने वाले अरविंद को आज ट्राइसाइकिल मिली है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने उनसे बात की। कहा कि भविष्य में और भी योजनाएं हैं जो लाई जाएंगी।

इंडिगो ने क्रू की कमी के चलते 70 से ज्यादा उड़ानें रद्द कीं, कहा, तकनीकी खामियों के कारण हुई परेशानी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को 70 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। इनमें बेंगलुरु और मुंबई हवाईअड्डों से जाने वाली उड़ानें भी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्य रूप से चालक दल की कमी के कारण विमानों को रद्द करना पड़ा। इंडिगो की कई उड़ानें विभिन्न हवाई अड्डों पर लेट रहीं, क्योंकि कंपनी को अपनी उड़ानों के संचालन के लिए चालक दल जुटाने में परेशानी हुई। इंडिगो ने भी स्वीकार किया है कि उड़ानें रद्द की गई हैं और देरी हुई है।

तकनीकी खामियों के कारण परेशानी: इंडिगो प्रवक्ता

एयरलाइन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, पिछले कुछ दिनों में प्रौद्योगिकी संबंधी समस्याओं, हवाईअड्डे पर भीड़भाड़ और परिचालन संबंधी आवश्यकताओं सहित विभिन्न कारणों से कई उड़ानों में अपरिहार्य देरी हुई है और कुछ उड़ानें रद्द हुई हैं। पीटीआई ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि एफडीटीएल मानदंडों के दूसरे चरण के कार्यान्वयन के बाद से इंडिगो को चालक दल की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द हो रही हैं और परिचालन में भारी देरी हो रही है। सूत्र ने कहा, एयरलाइन के लिए मंगलवार को स्थिति खराब हो गई और बुधवार को यह कमी और भी बदतर हो गई, जब देश के विभिन्न हवाई अड्डों से कई उड़ानें रद्द कर दी गईं और देरी से उड़ान भरी गईं। एयरलाइन ने कहा, छोटी-मोटी तकनीकी गड़बड़ियों, सर्दियों के मौसम के कारण शेड्यूल में बदलाव, खराब मौसम, विमानन प्रणाली में भीड़भाड़ बढ़ने और नए क्रू रोस्टरिंग नियमों (फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन) के कार्यान्वयन के कारण परिचालन के स्तर पर अप्रत्याशित चुनौतियां आईं। इन चुनौतियों का पहले से अनुमान लगाना संभव नहीं था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, छह प्रमुख घरेलू हवाई अड्डों पर समय से चलने के मामले में इंडिगो का प्रदर्शन मंगलवार को घटकर 35 प्रतिशत रह गया। इस मापदंड पर एयर इंडिया का 67.2 प्रतिशत, एयर इंडिया एक्सप्रेस का 79.5 प्रतिशत, स्पाइसजेट का 82.50 प्रतिशत और अकासा एयर का 73.20 प्रतिशत प्रदर्शन रहा। शुरुआत में इंडिगो, टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया और अन्य घरेलू एयरलाइनों ने इन मानदंडों का विरोध किया गया था।

एयरलाइन ने यात्रियों की असुविधा के लिए खेद जताया

परिचालन संबंधी महत्वपूर्ण व्यवधानों का सामना कर रही देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को कहा कि उसने परिचालन को सामान्य करने के लिए अगले 48 घंटों के लिए अपने समय-सारिणी में सुनियोजित तरीके से बदलाव किया है। सूत्रों के अनुसार, अगले 48 घंटों के लिए एयरलाइन समायोजन के तहत उड़ानों को रद्द करेगी या उनके समय में बदलाव करेगी। बुधवार को अपने दूसरे बयान में इंडिगो के प्रवक्ता ने स्वीकार किया कि पिछले दो दिनों से पूरे नेटवर्क में उसका परिचालन काफी बाधित रहा है, और उन्होंने यात्रियों से असुविधा के लिए खेद जताया।

संचार साथी एप की अनिवार्यता हटी

- सरकार ने संचार साथी एप के प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता हटाई, कहा, इसकी स्वीकार्यता बढ़ रही

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

संचार साथी एप कर केंद्र सरकार का बड़ा बयान सामने आया है। सरकार ने फोन में इस एप के प्री-इंस्टॉलेशन को जरूरी नहीं बताया है। दूरसंचार मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट जारी कर इस एप की प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता को हटाने की जानकारी दी है। मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा, सभी नागरिकों को साइबर सुरक्षा का लाभ देने के उद्देश्य से सरकार ने सभी स्मार्टफोन्स में संचार साथी एप को प्री-इंस्टॉल करना अनिवार्य किया था। यह एप पूरी तरह सुरक्षित है और इसका मकसद सिर्फ नागरिकों को साइबर दुनिया के अपराधियों से बचाना है... संचार साथी की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, सरकार ने मोबाइल निर्माताओं के लिए अनिवार्य प्री-इंस्टॉलेशन को हटाने का फैसला लिया है। बता दें कि केंद्र सरकार के इस कदम को एपल के फैसले से भी जोड़कर देखा जा रहा है। 28 नवंबर को सरकार से आदेश मिलने के बाद स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी एपल ने इसका पालन करने से इंकार कर दिया था। कंपनी ने कहा था कि यह कदम iPhone यूजर्स के निजी डेटा को खतरे में डाल सकता है। एपल ने रॉयटर्स के हवाले से कहा था कि कंपनी अपनी चिंताएं सरकार के सामने रखेगी।

सरकार ने कहा, जन भागीदारी बढ़ाना था उद्देश्य

मंत्रायल के मुताबिक यह एप जन भागीदारी को बढ़ावा देता है, क्योंकि नागरिक किसी भी संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि की रिपोर्ट कर सकते हैं और खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस एप का कोई अन्य उद्देश्य नहीं है और यदि उपयोगकर्ता चाहें तो वे इसे कभी भी अनइंस्टॉल कर सकते हैं।

एप पर बढ़ रहा था राजनीतिक घमासान

बता दें कि स्मार्टफोन में एप के प्री-इंस्टॉलेशन को 90 दिनों के भीतर अनिवार्य बनाने के आदेश के बाद विपक्ष ने संसद में कड़ा विरोध दर्ज कराया था। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने दूरसंचार विभाग के निर्देश पर कड़ी प्रतिक्रिया दर्ज कराते हुए इसे तानाशाही करार दिया था। विपक्ष के कई नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार फ्रॉड को रोकने के नाम पर नागरिकों की जासूसी करना चाहती है। वहीं, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी आरोप लगाते हुए कहा था कि मोदी सरकार का फोन में संचार सारथी एप इंस्टॉल करने का आदेश लोगों की निजता और आजादी पर खुला हमला है।

एप को फोन से डिलीट किया जा सकता है: सिंधिया

विपक्ष के सभी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि संचार साथी एप के जरिए जासूसी बिल्कुल भी संभव नहीं है। यह एप लोगों की सुरक्षा और मदद के लिए बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस एप से लोगों की गतिविधियों पर नजर रखने की सरकार की कोई मंशा नहीं है। बता दें नोटिफिकेशन के मुताबिक पहले सरकार ने कहा था कि एप फोन में अनिवार्य होगा और इसे डिलीट नहीं किया जा सकेगा। हालांकि, विवाद बढ़ने पर दूरसंचार मंत्री ने ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया को बताया था कि जरूरत न होने पर एप को फोन से डिलीट किया जा सकता है।

अब तक 1.4 करोड़ डाउनलोड

सरकार द्वारा एक्स पर जारी बयान के मुताबिक, अब तक 1.4 करोड़ लोग यह एप डाउनलोड कर चुके हैं और रोजाना लगभग 2000 ऑनलाइन फॉड मामलों की जानकारी भेज रहे हैं। बयान में कहा गया, 卐एप डाउनलोड करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। एप को अनिवार्य बनाने का उद्देश्य अधिक से अधिक जागरूकता फैलाना था, ताकि कम तकनीक-जानकार लोग भी इसे आसानी से इस्तेमाल कर सकें। केवल पिछले एक दिन में ही 6 लाख लोगों ने एप डाउनलोड करने के लिए रजिस्ट्रेशन किया है, जो कि सामान्य से 10 गुना अधिक है। यह दर्शाता है कि लोग अपनी सुरक्षा के लिए इस ऐप पर भरोसा कर रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर डीएम ने किया बचपन डे केयर सेंटर का निरीक्षण

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर बुधवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में बचपन डे केयर सेंटर शिवरामपुर में दिव्यांग बच्चों के खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी ने दिव्यांग बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए सम्मानित किया गया। इस दौरान डीएम ने श्रवण दिव्यांग, दृष्टि दिव्यांग, बौद्धिक दिव्यांग कक्ष, प्रसाधन व रसोई कक्ष आदि का निरीक्षण भी किया गया। कार्यक्रम में दृष्टि, बौद्धिक व श्रवण दिव्यांग बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। डीएम ने दिव्यांग बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए सम्मानित किया। इस दौरान डीएम ने बचपन डे केयर सेंटर का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि सेंटर में कुल सात अध्यापक-अध्यापिकाएं, एक कोऑर्डिनेटर एवं 64 बच्चों का नामांकन है। डीएम ने श्रवण, बौद्धिक व दृष्टि दिव्यांग विशेषज्ञ अध्यापक-अध्यापिकाओं से बच्चों को पढ़ाए जाने के बारे में जानकारी ली। जिस पर अध्यापक-अध्यापिकाओं ने दिव्यांग बच्चों को पढ़ाए जाने की विधि के बारे में जानकारी दी। डीएम ने भौतिक गतिविधियों के सम्बन्ध में भी जानकारी। डीएम ने दिव्यांग बच्चों से पढ़ाई के सम्बन्धित प्रश्न भी पूछें। कहा कि दिव्यांग बच्चों के लिए आवश्यक सहयोग के लिए प्रशासन को अवगत कराएं। जिला दिव्यांग अधिकारी से विभाग द्वारा दी जाने वाली सहायता की जानकारी ली तथा आवश्यकता के लिए पत्र प्रेषित करने को कहा। जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी ने बताया कि बचपन डे केयर सेंटर में लोक निर्माण विभाग द्वारा शौचालय का निर्माण कराया जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने शौचालय का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराकर वस्तु स्थिति से अवगत कराने को कहा। सेंटर की बाउंड्री वॉल समस्या से अवगत कराने पर डीएम ने शीघ्र ही निर्माण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएम ने दिव्यांग विद्यार्थी प्रियांशु को ब्रेल लिपि किट एवं अवनीश को एएमआर प्रदान की। इसके बाद जिलाधिकारी ने राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉ राजेश कुमार उपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने ओपीडी रजिस्टर का भी अवलोकन किया। जिसमें 15 मरीजों का नाम अंकित पाया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि दवा का रखरखाव साफ-सफाई के साथ तथा सुरक्षित होना चाहिए। कहा कि परिसर में बने आवास के आवंटन की जानकारी सूची बनाकर प्रेषित करें।

टीकाकरण उत्सव के प्रति आम जनता को करें जागरूक : सीएमओ

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

जनपद में शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण कराने से उद्देश्य से माह दिसम्बर में शुरु होने वाले टीकाकरण उत्सव का शुभारंभ बुधवार को शहरी क्षेत्र के अन्तर्गत बल्दाऊ गंज वार्ड में संचालित ऑगनबाडी केन्द्र में सत्र आयोजित कर किया गया।

टीकाकरण उत्सव के शुभारंभ अवसर पर आयोजित सत्र में ड्यूलिस्ट के अनुसार चिन्हित किए गए 20 बच्चों में से सात का टीकाकरण एएनएम जयकुमारी द्वारा किया गया। इस मौके पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ जीआा रतमेले, रूपनरायण यादव, नरोत्तम सिंह, गर्वतिवारी, डॉ श्याम, दिलीप द्विवेदी, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, पुष्पराज, एएनएम, आशा, आगनबाडी कार्यकत्री सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

टीकाकरण उत्सव के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि इस अभियान के दौरान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में टीकाकरण से छूटे हुए सभी 0-5 वर्ष तक के बच्चों का टीकाकरण किया जाएगा।

इसके लिए क्षेत्रवार व ब्लॉकवार सूची व कार्ययोजना तैयारकर पूरे माह में टीकाकरण कराया जायेगा ताकि कोई भी लक्षित आयुवर्ग का बच्चा टीकाकरण से वंचित न रह जाये तथा माह दिसम्बर के अंत तक खसरा रूबेला टीकाकरण की उपलब्धि 95 प्रतिशत प्राप्त हो सके। शत-प्रतिशत टीकाकरण के लिए अभियान की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है कि माह दिसम्बर में चलने वाले टीका उत्सव में बच्चों को जन्म के समय, एक वर्ष के भीतर एवं पांच वर्ष आयु की सभी वैक्सीन की बूस्टर खुरॉक दिलवाएं ताकि बच्चों को घातक बीमारियों से बचाया जा सके।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने टीका उत्सव का किया शुभारंभ

जन एक्सप्रेस । बांदा

बुधवार को माह दिसम्बर 2025 में मनाये जाने वाले टीका उत्सव का शुभारम्भ डा. अभय कुमार सिंह, संयुक्त निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चित्रकूट धाम मण्डल द्वारा पीपीसी में किया गया।

डा. विजेन्द्र सिंह मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुसार माह दिसम्बर 2025 को टीका उत्सव के रूप में मनाया जायेगा। जिसमें प्रत्येक बुद्धवार एवं शनिवार को आयोजित होने वाले नियमित टीकाकरण सत्रों पर टीकाकरण हेतु छोटे बच्चों के साथ-साथ टीकाकरण से छूटे हुये सभी बच्चों का टीकाकरण किया जायेगा। जिसमें पेंटा-1, एमआर0-1 एवं एमआर -2 के साथ-साथ अन्य टीकों से छूटे बच्चों को चिन्हित कर टीकाकरण कराया जायेगा। जिसमें ब्लाकवार लक्ष्य निर्धारित कर लिया गया है।डा. विजय शंकर केसरवानी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी द्वारा बताया गया कि टीकाकरण उत्सव के दौरान जनपद में माह दिसम्बर 2025 तक पेंटा-1 का लक्ष्य 43673 है जिसमें 19330 बच्चे टीकाकरण से छूटे है, एम0आर0-1 का लक्ष्य 43673 है जिसमें 15050 बच्चे टीकाकरण से छूटे हैं। इसी प्रकार एम0आर0-2 का लक्ष्य 41672 है जिसमें 18610 बच्चे टीकाकरण से छूटे हैं। सभी छूटे हुये बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। सभी आशा एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में ऐसे बच्चों की विशेष सूची बनाकर टीकाकरण करायेंगी। सत्र से एक दिन पहले आशा व आंगनवाडी कार्यकर्ता बुलावा पर्ची भेजेंगी और सत्र स्थल पर लाकर छूटे हुये बच्चों का टीकाकरण कराएंगी। इसके साथ ही साथ आशा और आंगनवाडी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में महिला आरोग्य समिति की बैठक आयोजित कर उन माताओं और अभिभावकों को बुलाएंगी जिनके बच्चे किसी न किसी टीके से वंचित हैं। इस बैठक में अभिभावकों को पूर्ण टीकाकरण के लाभसे अवगत कराया जाएगा और अपने बच्चों को टीकाकरण कराने के लिये प्रेरित किया जायेगा।

इस मौके पर डा. अजय कुमार, डा. आरएन प्रसाद, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा. मुकेश पहाडी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा. विजय शंकर केसरवानी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, डा. वर्षा नायर, एसएमओ डब्लूएचओ, डा. चारू गौतम, चिकित्सा अधिकारी, महिला चिकित्सालय, डा. नीरज गौतम, चिकित्सा अधिकारी, राधा शर्मा एआरओ (आरआई), रोहित कुमार सिंह, वीसीसीएम यूएनडीपी, संदीप पराशर जिला समन्वयक जेएसआई अन्य विभागीय अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित रहे।

समस्याओं को लेकर दिव्यागों ने मंत्री को सौंपा ज्ञापन

जन एक्सप्रेस । बांदा

विश्व दिव्यांग दिवस के मौके पर दिव्यांगजनों ने अपनी विभिन्न नौ सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जलशक्ति राज्य मंत्री को सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की है। वहीं मंत्री ने दिव्यांगों को समस्याओं के जल्द से जल्द समाधान कराये जाने का आश्वासन दिया है।अटल भारतीय हिंदू फाउंडेशन के बैनर तले दिव्यांग प्रकोष्ठ के बुन्देलखण्ड अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार शुक्ला ने जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद को दिये ज्ञापन में बताया है कि आजादी के सात दशक बीतने के बाद भी दिव्यांगों की स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने मंत्री से मांग की कि प्रदेश के सभी दिव्यांगों को 5 हजार रूपये मासिक पेंशन दी जाये। सभी दिव्यांगों को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्रदान किये जायें। दिव्यांगों को सरकारी बस स्टैण्ड सार्वजनिक स्थलों, रेलवे स्टेशन,तहसील कम्पाण्डों आदि में बनी सरकारी कैण्टीनों को आवंटित की जायें। दिव्यांगों को सरकारी राशन कोटे की दुकान में चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाये। जिला परिषद व नगर पालिका की दुकानों में भी चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया ।

पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ घूम रहे युवक को किया गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस/बांदा

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा अवैध शस्त्रों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना नरैनी पुलिस द्वारा अवैध तमंचे के साथ भ्रमण कर रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है।गौरतलब हो कि दिनांक 03दिसम्बर को थाना नरैनी पुलिस द्वारा गश्त एवं चेकिंग के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति अतर्रा रोड वशीर भवन कस्बा नरैनी के पास संदिग्ध रुप से भ्रमण कर रहा है ।

सूचना पर तत्काल पुलिस द्वारा मौके पर जाकर व्यक्ति को पकड़कर तलाशी ली गई तो उसके कब्जे से अवैध तमंचा व कारतूस बरामद हुए । बरामद-01 अवैध तमंचा 315 बोर,02 जिन्दा कारतूस 315 बोर

गिरफ्तार अभियुक्त-सौरभ पुत्र नरेन्द्र निवासी मोतियारी थाना नरैनी।

गिरफ्तार करने वाली टीम-संदीप कुमार तिवारी प्रभारी निरीक्षक थाना नरैनी,उप निरीक्षक कल्बे अब्बास खाँ,हेड कांस्टेबल नागेश कुमार, कांस्टेबल सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को साइबर जागरूकता के बताए गए टिप्स

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

साइबर थाना टीम द्वारा बुधवार को खोह स्थित श्री जी इंटरनेशनल स्कूल में साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचने के उपाय व साइबर ठगी का शिकार होने पर की जाने वाली कार्यवाही की जानकारी दी गई। जागरूकता कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी मऊ फहद अली व साइबर थाना टीम के निरीक्षक नरेश कुमार प्रजापति, आरक्षी रामविलास यादव व शिवम द्विवेदी द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचाव के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना अकाउंट विवरण, एटीएम कार्ड नम्बर, पिन नम्बर, सीवीवी, ओटीवी नम्बर व एसएमएस न बताये। साथ ही एटीएम का प्रयोग अकेले करने के लिए कहा गया। बताया गया कि व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति को फोन, ई-मेल, एसएमएस फेसबुक, व्हाट्सएप पर कभी भी न दें। साथ ही आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड व नयी सिम लेने के लिए कई बार फिंगर स्कैन न करें। बोनस प्वाइंट, रिवार्ड प्वाइंट, कैशबैक, केबीसी आदि लुभावने ऑफर के लालच में बैंक डिटेल फोन पर शेयर न करने के प्रति जागरूक किया गया तथा फोन में रिमोट एप्स जैसे टीमविवर, ऐनी डेक्स आदि इनस्टॉल न करने को कहा गया। इसके अलावा ऑनलाइन प्लेटफार्म सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर अपनी निजी जानकारी, वर्तमान लोकेशन शेयर न करने के लिए प्रेरित किया गया। बताया गया कि पुलिस व साइबर अधिकारी के नाम की काल से झूठे आरोप लगाकर पैसों की मांग करने पर घबराएं नहीं और न हीं पैसे भेजें। यदि साइबर अपराध की घटना हो जाए, तो टोल फ्री नं 1930 पर तुरन्त कॉल करें तथा अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन और साइबर पोर्टल पर भी रिपोर्ट दर्ज करें।

अज्ञात बदमाशों ने मोरम ट्रक चालक पर झोंका फायर

जन एक्सप्रेस । बांदा

जनपद कुशीनगर के ट्रक चालक ने पैलानी थाने में तहरीर देकर अज्ञात बदमाशों द्वारा मारे-पीटे जाने की बात कही है। वाहन चालक के अनुसार वह बीती रात कस्बा जसपुरा स्थित डंप से बालू भरकर सिंधनकला के तुर्रा नाले के करीब जैसे ही पहुंचा तो उसके वाहन के सामने एक शराबी व्यक्ति आ गया। जिससे उसको ट्रक रोकना पड़ा। इतनें में वहां पर मौजूद लगभग आठ से दस बदमाशों ने उस पर फायर झोंक दिया। आनन-फानन में डाइवर वहां से फरार हो गया। उसने मामले की जानकारी पुलिस को देते हुए कार्यवाही की मांग की है।पैलानी थाने में दी तहरीर में भगवानपुरा जनपद कुशीनगर निवासी वासुदेव पुत्र जगन्नाथ ने बताया है कि वह ट्रक ड्राईवर है। वह बीती रात करीब 12 बजे जसपुरा में स्थित भण्डारण से बालू भरकर सिंधनकला होता हुआ जा रहा था। तभी तुर्रा नाले के पास एक शराबी व्यक्ति आ गया वह ट्रक को रोकने लगा। जिससे ड्राइवर ने ट्रक को रोक दिया। इसके बाद वहां पर आठ-दस बदमाश पहुंच गये। जिन्होंने उसके उपर फायर झोंक दिया। जिससे ट्रक के शीशे टूट गये। इसके अलावा फरसे से भी हमला कर दिया। वह जान बचाकर खिड़की खोल भागा। भागते समय उसकी जेब से चार हजार रूपये कहीं गिर गये। पीड़ित ने पूरी जानकारी नजदीक के जिला परिषद के बैरियर के कर्मचारी को दी। तभी खदान के कर्मचारी भी वहां पहुंच गये। जब तक सारे हमलावर मौके से फरार हो गये। पीड़ित पुलिस से मामले की जांच कर कार्यवाही की मांग की है। वहीं अपर एसपी शिवराज ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। हमलावरों का पता लगाया जा रहा है।

चेकिंग के दौरान सूखे गांजे के साथ अन्तर्राज्यीय तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

जन एक्सप्रेस । बांदा

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में थाना नरैनी पुलिस द्वारा अवैध सूखे गांजे के साथ अन्तर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया है।गौरतलब हो कि थाना नरैनी पुलिस द्वारा देर रात्रि गश्त एवं चेकिंग के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना दी गई कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति नरैनी-कालिंजर रोड पेट्रोल पम्प के पास खड़े है ।सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर जाकर अभियुक्तों को पकड़कर पूछताछ करते हुए तलाशी ली गई तो अभियुक्तों के पास से अवैध तमंचा, जिन्दा कारतूस व चार पहिया वाहन की डिग्गी में अवैध सूखा गांजा बरामद हुआ।पुलिस द्वारा अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए थाना नरैनी में अभियोग पंजीकृत कर न्यायालय भेजा गया। बरामद-10 किलो 400 ग्राम अवैध सूखा गांजा,01 अवैध तमंचा 315 बोर,01 जिन्दा कारतूस 315 बोर,01 चार पहिया वाहन घटना में प्रयुक्त ,01 मोटरसाइकिल घटना में प्रयुक्त

गिरफ्तार-दीपक पुत्र रजनीश निवासी ग्राम उजरौधा थाना रैगाँव जनपद सतना (म0 प्र0),शैलेन्द्र पुत्र सुरेन्द्र निवासी पन्ना रोड उमरी हनुमान मंदिर थाना कोतवाली नगर जनपद सतना (म0प्र0),बुध्दविलास पुत्र बोधन निवासी ग्राम गढ़ाव थाना बिसन्ड़ा,महिपत पुत्र मूलचन्द्र निवासी ग्राम बड़ेहा थाना कोतवाली देहात,अभिलाष पुत्र बीरेन्द्र निवासी ग्राम खरौली थाना कमासिन

गिरफ्तार करने वाली टीम-संदीप कुमार तिवारी प्रभारी निरीक्षक थाना नरैनी,उप निरीक्षक कल्बे अब्बास खाँ,हेड कांस्टेबल ललित कुमार,हेड कांस्टेबल नागेश कुमार, कांस्टेबल सुनील कुमार, कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार, कांस्टेबल अंकित कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

दो सौ अठत्तर बीएलओ के सुपुर्द नगर के 4 लाख 28 हजार 883 वोटरों को एस0 आई0 आर0 फार्म पहुंचाने की जिम्मेदारी

हमीरपुर, जन एक्सप्रेस। इलैक्शन कमीशन आफ इण्डिया के निर्देश पर एस0 आई0 आर0 यानि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानि विशेष गहन पुनिर्क्षण का काम जिले में तेजी से चल रहा है, एसडीएम सदर के0डी0शर्मा ने जन एक्स्प्रेस से खास बात चीत में बताया कि इस काम में 278 बी0एल0ओ0 नगर के 4 लाख 28 हजार 883 वोटरों के घर- घर जाकर उनको फार्म देने के साथ ही उसे वक्त के अन्दर भरकर उनके पास जमा करने का अनुरोध कर रहे हैं, जबकि इस काम में करीब सत्तर पर्सेंट फार्म जमा करने के साथ ही उनकी फीडिंग का काम भी पूरा किया जा चुका है। बाकी तीस पर्सेंट फार्म भी जल्द ही जमा कर उनकी फीडिंग पूरी करली जायेगी। वही कई स्मार्ट बीएलओ को वक्त से पहले इस जरुरी काम को पूरा करने के लिये जिलाधिकारी घनश्याम मीणा की तरफ से सम्मानित भी किया जा चुका है।

मोरम, गिट्टी के पन्द्रह ट्रक अवैध परिवहन करते दबोचे गये, जबकि दो ट्रकों के खिलाफ आनलाईन चालान किया गया

जन एक्सप्रेस । हमीरपुर

परिवहन और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने 1 दिसम्बर से 2 दिसम्बर 2025 तक मोरम, गिट्टी के 17 ट्रक अवैध परिवहन करते पकड़े, एआरटीओ अमिताभ राय ने बताया कि पकड़े गये ट्रकों की जांच के दौरान पाया गया कि 14 ट्रक दूसरे जिलों से बिना एम0 एम0-11के गिट्टी का अवैध परिवहन कर रहे थे, जबकि एक ट्रक मोरम का अवैध परिवहन करते पकड़ा गया, वही बिना एम0 एम0-11के अवैध परिवहन करते पकड़े गये गिट्टी के चौदह सहित मोरम के एक ट्रक को कुछेछा चौकी के सुपुर्द कर दिया गया है। जब दो ट्रकों का आनलाईन चालान किया गया। पकड़े गये ट्रकों से करीब आठ लाख पचास हजार का जुर्माना वसूल किया जायेगा। वही टीम ने जांच के दौरान रात में छापा मारकर कुछेछा चौकी के सिड़रा गाँव से मोरम के अवैध खनन की लोडिंग कर अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर को दबोचकर कुछेछा चौकी के हवाले किया। एआरटीओ अमिताभ राय ने बताया कि 2 दिसम्बर 2025 के बाद मोरम, गिट्टी का परिवहन करने वाले जिन ट्रकों में वीटीएस डिवाइस नहीं लगी होगी, उस ट्रक के नम्बर पर एम0 एम0-11 रीलिज़ नहीं होगी, जबकि जांच के दौरान एसे ट्रकों के खिलाफ सख्ती के साथ अवैध परिवहन की कार्यवाही की जायेगी। टीम में सदर कोतवाली पुलिस के तेज तर्रार एस आई हर्षवीर सिंह शामिल रहे।

पांच फरवरी को आयोजित होगा सामूहिक विवाह सम्मेलन

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

बुंदेलखंड किसान सेवा समिति के अध्यक्ष आदर्श चतुर्वेदी एवम सयोंजक गोपाल सोनी सहित समिति के सभी सदस्यों की एक बैठक मुख्यालय रोड़ डिग्री कॉलेज अतर्रा के सामने स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई जिसमें आगामी फरवरी माह की 05 तारीख को 51 बहिन-बेटियो के विवाह सम्मेलन को सफल बनाने हेतु आवश्यक बिचार विमर्श करने के उपरांत यह सुनिश्चित किया गया कि सम्पूर्ण जनपद के सर्व समाज की निर्धन असहाय एवम आर्थिक रूप से कमजोर परिजनों की बहिन बेटियो के विवाह हेतु एक भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जिसमें जनपद की 51 बहिनो की शादी एक ही पण्डाल मैं सम्पन कराई जा सके एवम खुशी खुशी बेटियो को विदा किया जा सके। समिति द्वारा दी गयी जानकारी के द्वारा सामूहिक विवाह का आयोजन फरवरी माह में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी सफल बनाने के दिशा में बैठक की गई थी जिसमे यह तय किया गया है कि आगामी 05 फरवरी को सामूहिक विवाह अतर्रा में एवम 24 अप्रैल 2026 को जगत जननी माँ विंध्यवासिनी माता मंदिर के प्रांगण में होगा सामूहिक विवाह समिति एवम बुंदेलखंड किसान सेवा समिति की बैठक में यह तय किया गया है कि आगामी फरवरी माह में आयोजित विवाह महायज्ञ में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि होंगे वही कार्यक्रम की अध्यक्षता में महामंडलेश्वर स्वामी श्री श्री 1008 श्री नरहरी दास एवम हनुमान गढ़ी श्री धाम आयोध्या के महंत राजू दास की पावन उपस्थिति में नवयुगल वर कन्याओ के विवाह सम्पन होना सुनिश्चित हुआ इस अवसर पर, पूर्व विधायक राजकुमार कुशवाहा, पूर्व पालिकाध्यक्ष अतर्रा भरत लाल,राजेश गिरी, प्रमोद आजाद,मौसमी कोटार्य,अजय वर्मा ,पूर्व लोकसभा प्रत्याशी गुलाब चंद वर्मा ,रामकृपाल यादव ,बृजेश पाल ,जयपाल सेन वीरेंद्र रायकवार सहित अन्य समिति के सदस्य उपस्थित रहे वही सामूहिक विवाह ।

लखनऊ एक्सप्रेस

हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस | @janexpressnews | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper | janexpresslive | लखनऊ, गुरुवार, 04 दिसंबर, 2025

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला...

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने अपने द्वारा पूछे गए जाति जनगणना से जुड़े सवाल के जवाब को आधार बनाकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। राहुल ने इसे सीधे तौर पर 'विश्वासघात' करार दिया... ▸ पढ़ें पेज 12 पर...

पुश्तैनी जमीन पर कब्ज़ा: दबंगई, धमकी और पुलिस की मिलीभगत के आरोप, उमा देवी फिर पहुँची डीजीपी दफ्तर

- राजधानी में इंसाफ का रास्ता इतना दुश्वार क्यों? पीड़िता की पुकार, जमीन भी बचाओ, जान भी बचाओ

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

नरौना गांव की एक और दर्दनाक कहानी–जहाँ जमीन पर कब्ज़ा रोकने की जगह पुलिस पर ही पक्षपात के सवाल उठे कहते हैं राजधानी में कानून की पकड़ सबसे मजबूत होती है, लेकिन नरौना गांव का यह मामला इस दावे पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है। अपने ही परिवार के लोगों से ज़मीन बचाने के लिए जूझ रही उमा देवी की लड़ाई अब सिर्फ जमीन की नहीं, बल्कि सिस्टम की संवेदनहीनता के खिलाफ जंग बन चुकी है।

वैध जमीन पर कब्ज़ा

उमा देवी का आरोप है कि उनकी जेठानी बीना देवी, उनके पुत्र हिमांशु साहू और दामाद लल्लू एवं दीपू ने गाटा संख्या 436 पर जबरन कब्ज़ा कर लिया है। यह वही जमीन है, जिसकी रजिस्ट्री उनके पति के नाम है और जिसकी खातेदारी/खारिज-खिलाफत उपजिलाधिकारी न्यायालय से अनुमोदित भी हो चुकी है। इसके बावजूद, जमीन पर लगातार तेज़ी से अवैध निर्माण जारी है–मानो कोई कानून हो ही नहीं। पीड़िता ने बताया कि उन्होंने अवैध निर्माण रोकने के लिए 112 नंबर पर फोन किया तो उन्हें सुरक्षा और रोकथाम मिलनी चाहिए थी लेकिन चौकी समदा के इंचार्ज शैलेन्द्र गुप्ता पर आरोप है की वे विपक्षियों के साथ मिलकर उल्टा हम पर ही समझौते का दबाव बनाने लगे हैं। राजधानी की पुलिस पर ऐसा आरोप न सिर्फ चौंकाता है, बल्कि ग्रामीणों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गहरी चोट करता है।

पीड़िता की मांगें

- अवैध निर्माण तत्काल रोका जाए
- कब्जाधारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई हो
- उमा देवी और उनके परिवार को सुरक्षा दी जाए

शिकायत करोगी तो जान से मार देंगे, पीड़िता दहशत में

उमा देवी के अनुसार, कब्जाधारी खुलेआम धमकी दे रहे हैं अगर कहीं शिकायत की तो जान से हाथ धो बैठोगे। पीड़िता और उनका परिवार दहशत में है। गांव में तनाव बढ़ता जा रहा है और किसी भी वक्त अप्रिय घटना होने की आशंका बनी हुई है।

डीजीपी कार्यालय में दूसरी बार फिर गुहार, तीन दिन से जारी अवैध निर्माण, कोई कार्रवाई नहीं

01 दिसंबर को पीड़िता ने डीजीपी शिकायत प्रकोष्ठ में लिखित शिकायत दी थी। लेकिन तीन दिन बीत गए, ना निर्माण रुका, ना कोई अधिकारी मौके पर पहुँचा। थक-हारकर उमा देवी आज फिर डीजीपी साहब के पास पहुँचीं–न्याय की उम्मीद लिए।

क्या राजधानी में भी पीड़ित को इंसाफ के लिए भटकना पड़ेगा?

यह सवाल सिर्फ उमा देवी का नहीं है–यह उस हर आमजन का सवाल है जो सोचता है कि राजधानी में कानून सबसे निष्पक्ष है। लेकिन नरौना गांव के हालात बताते हैं की दबंगों का हौसला बुलंद है और पीड़ित की आवाज़ दबाई जा रही है।

निष्कर्ष: नरौना सिर्फ एक गांव नहीं–यह प्रशासन और पुलिस की परीक्षा की जमीन बन चुका है उमा देवी की पुकार आज पूरे सिस्टम से एक ही सवाल पूछ रही है जब राजधानी में ही पीड़ित को न्याय नहीं मिलता, तो प्रदेश के बाकी जिलों से क्या उम्मीद की जाए? यह मामला सिर्फ जमीन कब्जे का नहीं, जन-विश्वास की रक्षा का भी है।

महिला ऑटो पर बैग भूली, इटौंजा पुलिस ने बैग ढूंढकर सकुशल लौटाया

- महिला ने पुलिस को बताया कि ऑटो चालक ने मेरा बैग लेकर आटो भागा ले गया है

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ कमिश्नरेट उत्तरी जोन इटौंजा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सिधौली से लखनऊ जा रही महिला से इटौंजा चौराहे पर ऑटो चालक ने बैग लेकर मौके से भागने की बात महिला ने इटौंजा पुलिस से बताई। इस सूचना पर इटौंजा अतिरिक्त थाना प्रभारी विनोद यादव ने हल्का दरोगा संजय गुप्ता को तुरंत हेड कांस्टेबल इमरान खान को भेजा, इसी दौरान दरोगा ने छानबीन के दौरान मानपुर टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से ऑटो का पता लगाया और ऑटो चालक बेलवा गांव का रहने वाला हैं। ऑटो चालक ने दरोगा से बताया कि महिला ने किराए के पैसे दे दिए गाड़ी से उतर गई, लेकिन बैग लेना भूल गई। आटो चालक ने बताया कि मैं ने पिछे नहीं देखा की बैग नहीं लिया है और मैं गाड़ी लेकर घर चला गया। दरोगा ने ऑटो चालक को आटो पर बैठ कर थाने पहुंचे और ऑटो चालक ने महिला का बैग पुलिस को दिया। इसी दौरान अतिरिक्त थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद यादव ने वह बैग महिला शबनम को सकुशल वापस किया। इस दौरान अतिरिक्त थाना प्रभारी विनोद यादव ने महिला से कहा कि आप अपनें बैग व सामान की देखभाल अच्छे से करें, जिससे कि दोबारा ऐसी घटना ना घटे। महिला शबनम ने भुला बैग पाकर खुश हुई और खोलकर देखा तो उसके सारे जेवरात पायल बिछिया अंगूठी चैन रुपए बैग में ही रखे थे। महिला ने पुलिस को धन्यवाद दिया। वहीं इटौंजा पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए तुरंत घटना की जानकारी कर ऑटो चालक का पता लगाया और महिला को बैग वापस करवाया। इस घटना से क्षेत्र में लोगों ने पुलिस की प्रशंसा की है।

इटौंजा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का हुआ उद्घाटन

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

राजधानी लखनऊ के इटौंजा क्षेत्र में स्थित अधीक्षक डा0 किसलय बाजपेई एवं स्टाफ की उपस्थिति में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र इटौंजा परिसर में प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र का उद्घाटन फीता काटकर एवं हवन पूजन के साथ हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र सामु0 केन्द्र इटौंजा के संचालक कौशलेंद्र सिंह पुत्र अजीत सिंह एवं अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

चोरों ने बीकेटी में तीन मोबाइल दुकानों को बनाया निशाना

- दुकान में रखा कीमती सामान और रुपए लेकर हुए फरार, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी
- भारत कम्युनिकेशन के बाहर लगी कैमरे में ग्रिल तोड़ते चोरो की फुटेज पुलिस को मिली हैं

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ कमिश्नरेट उत्तरी जोन बख्शी का तालाब (बीकेटी) कस्बे में मंगलवार की देर रात अज्ञात चोरों ने बीकेटी कस्बे हाइवे पर तीन दुकानों को निशाना बनाया है। वहीं तीनों दुकानें मोबाइल शॉप की हैं, जिनमें दो दुकानों का शटर उठाकर वहां से नकदी और महंगे मोबाइल चार्जर चुरा ले गए। वहीं एक दुकान के बाहर लगा लोहे का ग्रिल तोड़ने में चोर कमियाब नही हो सकें। वहीं लखनऊ सीतापुर हाइवे से सटी तीन दुकानों पर चोरी की वारदात से व्यापारियों में आक्रोश है और पुलिस की सुस्त गस्त और चोरों की दस्तक ने शर्राफा व्यापारियों को परेशान कर दिया और शर्राफा बाजार की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए है। वही चोरो ने शुभ इंटरप्राइजेज मोबाइल शॉप में घटना को अंजाम देने के बाद वहां का सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी निकाल लें गयें, वहीं आदर्श मोबाइल शॉप में सीसीटीवी कैमरा बंद बताया और भारत कम्युनिकेशन के बाहर लगी कैमरे में ग्रिल तोड़ते चोरो की फुटेज पुलिस को मिली हैं, जिसमें दो युवक घटना को अंजाम देने का प्रयास कर रहे है। वहीं शुभ इंटरप्राइजेज मोबाइल शॉप और आदर्श मोबाइल शॉप के बीच एक पुलिस बूथ है, इस बूथ से दोनो मोबाइल दुकानों की दूरी लगभग 50 मीटर व्यापारी बता रहे है कि यह सब लखनऊ दिल्ली हाइवे 30 के किनारे है, लेकिन सुरछित नही है?। वहीं इससे व्यापारी नाराज है। वहीं घटना की सूचना पाकर एसीपी बीकेटी ज्ञानेन्द्र सिंह घटना स्थल पर जा पहुंचे, वहां पर उन्होने तीनों दुकानों का पुलिस टीम के साथ निरीक्षण किया। मौके पर एफएसएल टीम ने भी नमूने एकत्र किए है। वहीं व्यापारियों ने उनसे गस्त बढ़ाने की मांग उठाई है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से छान-बीन कर रही है।

एस एस विद्या मंदिर में खेल महोत्सव का समापन विजेताओं को दिया गया पुरस्कार

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

मलिहाबाद। लखनऊ खेलो इंडिया के क्रम में एस एस विद्या मन्दिर जालामऊ रहीमाबाद में चल रहे खेल महोत्सव का धूमधाम से समापन हुआ जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। बताते चले की रहीमाबाद के आर एस क्रिकेट एकेडमी जालामऊ के ग्राउंड में खेलो इंडिया जीतो इंडिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सभी विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और अपने खेल कौशल का परिचय दिया जिसमें आजाद हाउस विजेता रहा। सुभाष हाउस उपविजेता रहा।इस खेल महोत्सव में दौड़ प्रतियोगिता का फाइनल भी कराया गया जिसमें प्रथम स्थान आकाश पाल, द्वितीय स्थान प्रदीप पाल तथा तृतीय स्थान एस एस विद्या मन्दिर के करन गौतम ने प्राप्त किया।विजेताओं को क्रमशः ?2100 , ?1100 तथा 500 रुपए देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाड़ी हारून अखगर, आई. टी. आई. मलिहाबाद की प्रधानाचार्या श्रीमती सुमन यादव व फोरमैन आनद अवस्थी, विद्युत सहायक अभियंता लवकुश जयसवाल विद्युत केन्द्र रहीमाबाद सहित क्षेत्र के तमाम गणमान्य प्रतिनिधि मौजूद रहे।

उत्कृष्ट विधिक सेवाओं के लिए अधिवक्ताओं का सम्मान मैक्स हॉस्पिटल द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित

- सदस्य विधान परिषद ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

विनायक ग्रामोद्योग संस्थान एवं अधिवक्ता सहायता प्रकोष्ठ उ0 प्र0 के संयुक्त तत्वावधान में अधिवक्ता दिवस के अवसर पर मैक्स हॉस्पिटल द्वारा एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर एवं अधिवक्ता सम्मान समारोह का सफल आयोजन किया गया इस अवसर पर हॉस्पिटल द्वारा डिस्काउंट कार्ड भी जारी किए गए। यह कार्यक्रम लखनऊ के अधिवक्ता प्रेरणा स्थल, ग्लोब पार्क कैसरबाग में आयोजित हुआ जिसमें शहर के वरिष्ठ अधिवक्ताओं को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में उन अधिवक्ताओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया जिनकी विधिक सेवाओं, समाज सेवा, कर्तव्य निष्ठा और देश प्रेम के प्रति समर्पण भावना अतुलनीय रही है।कार्यक्रम के आयोजक और विनायक ग्रामोद्योग संस्थान के अध्यक्ष शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने लखनऊ बार एसोसिएशन और सेंट्रल बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों का भी सम्मान कर संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर सहयोगी संस्था श्री गोपेश्वर गौशाला मलिहाबाद के प्रमुख उमाकांत गुप्ता ने सभी सम्मानित अधिवक्ताओं को स्मृति चिन्ह के रूप में पेन और डायरी भेंट की जो उनके लेखन और कार्य में सहायक सिद्ध होगी।यह आयोजन एक ओर जहां समाज को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने का माध्यम बना, वहीं दूसरी ओर न्याय के स्तंभ अधिवक्ताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक मंच भी साबित हुआ।इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान,अखिलेश जायसवाल, अध्यक्ष, सेंट्रल बार एसोसिएशन,रमेश प्रसाद तिवारी, अध्यक्ष लखनऊ बार एसोसिएशन, ब्रज भान सिंह भानु, महामंत्री लखनऊ बार एसोसिएशन, डॉक्टर प्रवीण ,सुनील वर्मा एडवोकेट सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

प्रदेश में 48 घंटे के अंदर तेजी से बदलेगा मौसम

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में ठंडी पछुआ हवाओं से साथ सर्द मौसम ने पांव पसारने शुरू कर दिया है। बुधवार को पश्चिमी और पूर्वी संभागों के कई शहरों में रात का तापमान सामान्य से नीचे रिकार्ड किया गया। दिन में गुनगुनी धूप खिली और 25 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी पछुआ हवाओं से मौसम में नर्मी बनी रही। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटों में प्रदेश में दिन व रात का पारा 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक और लुढ़क सकता है। आशंका जताई जा रही है कि इस सीजन में सर्दी के ज्यादा तेज रहने के आसार हैं। तापमान ऐसे ही लुढ़कता रहा तो जल्द ही प्रदेश के कोल्ड वेव यानी शीतलहर का असर दिखाई देगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सुबह के समय प्रदेश के अलग-अलग जिलों में हल्का से मध्यम कोहरा नजर आ सकता है। हालांकि पछुआ हवाओं की वजह से घने कोहरे की संभावना अभी नहीं है।

अज्ञात चोरों ने की मोटरसाइकिल चोरी

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट उत्तरी जोन इटौंजा थाना क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव के निवासिनी रजनी पत्नी रामलखन की मोटरसाइकिल युपी 32 जीवी 6376 घर के बाहर खड़ी थी रात में अज्ञात चोर मोटरसाइकिल चोरी कर चलते बने। प्राथिनी द्वारा इटौंजा थाने में आजा चोरों के विरुद्ध फिर दर्ज कराई गई है पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है जल्द ही चोरों को पकड़कर मोटरसाइकिल बरामद कर ली जायेगी।

कृषि मंत्री ने की रबी सीजन के लिए उर्वरक आपूर्ति की समीक्षा

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में आज विधान सभा स्थित कक्ष सं.-8 में प्रदेश में उर्वरक क्रय-विक्रय तथा आपूर्ति के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश के किसानों को रबी सीजन 2025-26 हेतु फसलों की बुवाई ,रोपाई के उपरान्त फसल संस्तुति के अनुसार पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता हेतु ठोस निर्णय लिए गए। जिन जनपदों में यूरिया उर्वरक का बफर स्टाक 3,000 मीटन से कम है, उन जनपदों को मै इफको एवं मै कृभको की रैक प्राथमिकता के आधार पर भेजी जाएगी। पीसीएफ को परिवहन व्यवस्था की सघन मॉनिटरिंग करने तथा सभी जनपदों के प्रत्येक समितियों पर कम से कम 25 मीटन यूरिया की उपलब्धता का निर्देश दिया गया है। प्रदेश सरकार लगातार भारत सरकार के सम्पर्क में है ताकि यह पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से गतिशील बनी रहे। बैठक में जेपीएस राठौर सहकारिता मंत्री रविन्द्र, प्रमुख सचिव कृषि सौरभ बाबू, प्रमुख सचिव सहकारिता योगेश कुमार, आयुक्त एवं निबन्धक, सहकारी समितियाँ निदेशक जैसे वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा में होने वाली मायावती की रैली हुई रद्द, 6 दिसंबर को होनी थी बड़ी जनसभा, पार्टी ने बताई वजह

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती आगामी 6 दिसंबर को संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर नोएडा में प्रस्तावित रैली को संबोधित नहीं करेंगी। वह अपने आवास पर ही डॉ. आंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगी। बसपा सुप्रीमो का कहना है कि ऐसे आयोजनों में उनकी सुरक्षा व्यवस्था की वजह से कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को होने वाली असुविधा की वजह से यह फैसला लिया है। बसपा सुप्रीमो ने जारी अपने बयान में कहा कि महापुरुषों की जयंती व पुण्यतिथि के मौकों पर बहुजन समाज के संतों, गुरुओं व महापुरुषों स्मारक स्थलों पर भीड़ उमड़ती है। इस दौरान मेरा अनुभव रहा है कि मेरे जाने पर मेरी सुरक्षा प्रबंध के नाम पर जो सरकारी व्यवस्था की जाती है, जो जरूरी भी है, उससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर की पुण्यतिथि पर पार्टी के लोग व उनके अनुयायी लखनऊ के डॉ. भीमराव आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर तथा पश्चिमी यूपी, दिल्ली व उत्तराखंड के लोग नोएडा में स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर अपने परिवार सहित पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

उद्यान विभाग की स्वर्ण जयंती पर गोरखपुर बस्ती मंडल में औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

प्रदेश सरकार के उद्यान विभाग के प्रगति के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में गोरखपुर एवं बस्ती मंडल से संबंधित मंडलीय औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह रहे। गोष्ठी का उद्देश्य क्षेत्र के किसानों, बागवानी उत्पादकों, कृषि उद्यमियों और निर्यातकों को आधुनिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करना था। इस अवसर पर मंडल के उद्यान विभाग द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई थी जिसका उद्यान मंत्री जी ने अवलोकन भी किया। इस दौरान उद्यान मंत्री ने विभाग द्वारा परियोजनाओं का लोकार्पण,शिलान्यास किया। इसमें राजकीय पौधशाला और क्षेत्र में विभिन्न संपर्क मार्गों से संबंधित कार्य शामिल थे। गोष्ठी के दौरान मंत्री ने उद्यानिक खेती में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने कृषकों तथा कृषि उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया। गोष्ठी में मंत्री ने आज से प्रदेश में रूफटॉप गार्डेनिंग की शुरुआत की। मंत्री ने कहा कि उद्यान विभाग के स्थापना के आज 50 वर्ष पूर्ण हुए है, विभाग के कर्मचारियों तथा अधिकारियों ने औद्यानिक खेती में लगे किसानों के हित में सेवा करते हुए विभाग को ऊंचाइयों पर पहुंचाने कार्य किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उद्यान विभाग उत्तरोतर प्रगति कर रहा है। औद्यानिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाओं एवं सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश के सभी जनपदों में हाईटेक नर्सरी में पैदा हुए गुणवत्तापरक पौध किसानों को दिए जा रहे हैं। 2022 से पहले प्रदेश में प्रतिवर्ष केवल 74 लाख नर्सरी पौधे वितरित किए जाते थे, किंतु वर्तमान में यह संख्या 29 करोड़ प्रतिवर्ष पहुंच गई है। प्रदेश सरकार द्वारा औद्यानिक खेती हेतु 1 एकड़ के पॉलीहाउस जिसकी लागत 27 लाख होती है, के निर्माण हेतु 13.5 लाख रुपए के सहायता दी जा रही है। एक एकड़ में अनाज की खेती के तुलना में उद्यानिक खेती में ज्यादा मुनाफा प्राप्त होता है। औद्यानिक खेती को निराश्रित गोवंशों से बचाव हेतु बाड़ लगाने हेतु विभाग द्वारा प्रति किसान को 1.5 लाख रूपये तक दिए जा रहे हैं। औद्यानिक खेती को बढ़ावा देने हेतु विभाग द्वारा ओडीओपी योजना के तर्ज पर 'पर ब्लॉक वन क्रॉप' अभियान चलाया जा रहा है। इसमें प्रत्येक ब्लॉक में एक उद्यान फसल को चिन्हित कर उसके उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस दौरान मंत्री जी ने विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक ब्लॉक में वहां की भौगोलिक स्थिति एवं अन्य स्थितियों के अनुसार ही फसल चिन्हित करने का निर्देश दिया। सरकार द्वारा औद्यानिक खेती में माइक्रो इरिगेशन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों को अनुदान भी दिया जा रहा है। इस दौरान मंत्री जी ने कहा कि औद्यानिक खेती में बहुत ज्यादा स्कोप तथा मुनाफा है। इसमें उच्च शिक्षित बेरोजगार युवाओं को भी आगे आना चाहिए। वे तकनीक तथा वैज्ञानिक पद्धति से कार्य करके इसमें काफी मुनाफा कमा सकते हैं। आज औद्यानिक खेती के माध्यम से एक एकड़ की खेती में 15 लाख तक मुनाफा कमाया जा रहा है। केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार इसके लिए कई प्रकार की सहायता भी कर रही है।

कफ सिरप के मामले में ईडी ने दर्ज किया मनी लांड्रिंग का केस, शुभम सहित आठ को भेजा गया समन

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रदेश में सक्रिय नशीले कफ सिरप के सिंडीकेट के खिलाफ मंगलवार को मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया। ईडी, लखनऊ के जोनल कार्यालय द्वारा इसकी जांच की जाएगी। केस दर्ज करने के बाद ईडी ने मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के वाराणसी स्थित आवास पर समन चस्पा कर दिया। दुबई फरार हो चुके शुभम से ईडी ने उसकी फर्मों और संपत्तियों से जुड़ी तमाम जानकारियों के साथ 8 दिसंबर को तलब होने को कहा है। सूत्रों की मानें तो अगले दो दिन के अंदर इस मामले के अन्य आरोपियों अमित सिंह टाटा, आलोक सिंह, भोला जायसवाल, गौरव, वरुण, विकास, आसिफ, वासिफ, विकास सिंह नरवे समेत 30 से ज्यादा आरोपियों को समन भेजा जाएगा। वहीं जेल में बंद आरोपियों से अदालत से अनुमति लेकर पूछताछ की जाएगी। ईडी ने गाजियाबाद, सोनभद्र, वाराणसी, जौनपुर, लखनऊ आदि जिलों में दर्ज 30 से ज्यादा एफआईआर के आधार पर मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया है और मध्य प्रदेश तथा झारखंड में दर्ज केस के बारे में भी जानकारी जुटा रही है। वहीं इससे पहले ईडी ने लखनऊ में बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह और वाराणसी में शुभम जायसवाल के ठिकानों पर रेकी भी की थी। जांच के दौरान शुभम जायसवाल द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली फॉर्च्यूनर गाड़ी यूपी 32 एफए 1111 के बारे में भी जानकारियां जुटाई गई हैं।

बीते 10 साल की कमाई, फर्मों का मांगा ब्योरा

ईडी ने शुभम जायवाल से बीते 10 वर्षों का आयकर विवरण और खरीदी और बेची गईं संपत्तियों का ब्योरा मांगा है। इसी तरह बैंक खातों, कंपनियों, फर्मों, पार्टनरशिप फर्मों, उनके निदेशक, प्रमोटर, गारंटर, स्टेकहोल्डर के नाम भी बताने को कहा है। इसमें बंद की जा चुकी कंपनियां और फर्में भी शामिल हैं। ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर प्रवीन कुमार की ओर से भेजे गए समन में शुभम के पेश नहीं होने पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

अब 10 दिसंबर तक किसान खरीद सकेंगे अनुदानित बीज

जन एक्सप्रेस। लखनऊ। प्रदेश के किसानों को रबी सीजन 2025-26 के लिए अनुदान पर दिए जा रहे बीजों को खरीदने की तिथि को 30 नवंबर से बढ़ाकर 10 दिसंबर कर दिया गया है। पिछले दिनों मौसमी बदलाव के कारण खरीफ फसलों की कटाई में हुई देरी के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है ताकि सभी किसान बिना किसी परेशानी के बुवाई के लिए बीज खरीद सकें। मंत्री की अध्यक्षता में आज कार्यालय कक्ष में बुन्देलखण्ड क्षेत्र में संचालित प्राकृतिक एवं जैविक खेती की योजनाओं की भी गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रदेश के किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता और जैविक उत्पादों के विपणन तथा प्रमाणीकरण को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। मंत्री ने प्रदेश के प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए राज्य स्तरीय ब्रांड विकसित करने का निर्देश दिया। योजनाधिकारी ने बैठक में बताया कि बुन्देलखण्ड में प्राकृतिक एवं जैविक खेती वर्तमान में 1073 क्लस्टरों में 42,250 हेक्टेयर क्षेत्र में सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है, जिससे इस क्षेत्र के 65,790 कृषक सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। इस योजना के लिए स्वीकृत 105.22 करोड़ रुपये की कार्ययोजना धनराशि के सापेक्ष पिछले चार वर्षों में 77.6286 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं।

महिला ने कथित मौलाना को हंटर से पीटा, नाबालिग से दुराचार का आरोप, वीडियो वायरल, पुलिस कर रही जांच

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जामो थाना क्षेत्र का बताया जा रहा एक कथित वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है,जिसमें लाल रंग के कपड़े पहने एक महिला एक व्यक्ति पर, जिसे मौलाना बताया जा रहा है, हंटर से प्रहार करती दिखाई देती है। महिला वीडियो में उस व्यक्ति पर अपनी 15 वर्षीय बेटी के साथ गलत हरकत और दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए मारपीट करती दिख रही है।इस बीच आरोपी रहम की गुहार लगाता नजर आता है।सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।पुलिस मामले की जांच कर रही है।वायरल हुए दो वीडियो 1 मिनट 3 सेकंड और 59 सेकंड के बताए जा रहे हैं। फुटेज में महिला आरोपी पर लगाते हुए कहती है कि ÷पांच महीने से तूने मेरा जीना हराम कर रखा हैज ÷तूने मेरी बेटी के मुंह में कपड़ा भरकर गलत काम किया है÷। महिला लगातार हंटर से वार करते हुए आरोपी से ÷जुर्म कबूलने÷ की मांग करती है।इसी दौरान वीडियो में दिख रहा व्यक्ति हाथ जोड़कर कहता है कि हमार कोई कसूर नहींज मत मारो,गलती हो गई।÷वीडियो में मौजूद एक अन्य महिला यह सवाल उठाते हुए सुनाई देती है कि यदि आरोपी निर्दोष था तो इतनी रात में यहां आने की जरूरत क्या थी।पूरे घटनाक्रम के दौरान आरोपी बार- बार 'हाय अल्लाह,हाय तौबा' कहकर रहम मांगते हुए दिखाई देता है।यह वीडियो सबसे पहले राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी के प्रदेश प्रभारी द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किया गया।इसके साथ मुख्यमंत्री डीजीपी सहित कई अधिकारियों को टैग करते हुए शिकायत पत्र भी पोस्ट किया गया। शिकायत में दावा किया गया है,कि संबंधित व्यक्ति एक मदरसे में सूत्रों के अनुसार अनुसार शिक्षक है,और उस पर पूर्व में भी दुष्कर्म और छेड़छाड़ जैसी शिकायतें दर्ज की जा चुकी हैं।शिकायतकर्ता ने जिले के सभी मदरसों और शिक्षकों की चरित्र जांच की भी मांग की है।जनपद पुलिस ने कहा है कि वीडियो की सत्यता, इसमें दिख रहे व्यक्तियों की पहचान और घटना की वास्तविक लोकेशन का पता लगाया जा रहा है।पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने से पहले इस वायरल वीडियो और उसके आरोपों की पुष्टि नहीं की जा सकती।

विश्व दिव्यांग दिवस पर 201 दिव्यांग लाभार्थियों को 341 सहायक उपकरण वितरित

जन एक्सप्रेस । अमेठी

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर बुधवार को विकास भवन परिसर गौरीगंज में सामाजिक अधिकारिता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान भारत सरकार की एडिप योजना के तहत जनपद के दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए गए।कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह और मुख्य विकास अधिकारी सचिन कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।शिविर में चिन्हित किए गए 201 दिव्यांग लाभार्थियों को कुल 341 सहायक उपकरण वितरित किए गए।इनमें 107 ट्राईसाइकिल,60 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल,21फोल्डिंग व्हीलचेयर 1व्हील चेयर,6 छोटी बैसाखी,92 मध्यम बैसाखी,8 बड़ी बैसाखी,4 एल्बो बैसाखी,2 फोल्डिंग वॉकर,34 समायोजक छड़ी,2 सुगम्य केन,2 कान की मशीन तथा 2 रोलैटर शामिल रहे। इस अवसर पर संबोधित करते हुए विधायक राकेश सिंह ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के पुनर्वास और सुविधा के लिए लगातार प्रयासरत है।एल्मिको के सहयोग से जनपद में जरूरतमंद दिव्यांगजन को उपयुक्त उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं।उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि जिन पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण नहीं हो पाया है,उनका उसी दिन पंजीकरण कर उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। कार्यक्रम में पीडी डीआरडीए ऐश्वर्य यादव, जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी विकास मौर्या,एल्मिको के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी व लाभार्थी उपस्थित रहे।

एसआईआर को लेकर भ्रम फैला रहा विपक्ष: भूपेंद्र चौधरी

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बुधवार को भाजपा कार्यालय अटल भवन में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की समीक्षा बैठक की। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखती है।उन्होंने विपक्ष पर विदेश-प्रभावित विचारधाराओं से देश को अस्थिर करने का आरोप लगाया। कहा किहमारा संकल्प है कि पात्र मतदाता का नाम कटने ना पाए और अपात्र का नाम जुड़ने ना पाए व उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओंव पदाधिकारियों से मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग देने और सभी पात्र मतदाताओं को सूची मेंशामिल करने में पूरी सहायता करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को भी मतदाता सूची को शुद्ध और सटीक बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र को मजबूतबनाता है। हालांकि, विपक्ष इस महत्वपूर्ण अभियान के बारे में जनता के बीच अनावश्यक भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहाहै।क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने एसआईआर से संबंधित सभी पदाधिकारियों से विस्तृत चर्चा किया और एक एक पदाधिकारी से एसआइआर पर किये गए कार्यो का जायजा लिया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बुद्धीलाल पासी ने किया।इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी,सलोन विधायक अशोक कोरी,पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह,कॉपरेटिव बैंक के अध्यक्ष विवेक विक्रम सिंह सहित कई भाजपा नेता मौजूद रहे।

अनियंत्रित होकर खेत में पलटा ट्रैक्टर, दबने से राजस्थान के चालक की गई जान

रायबरेली। यूपी के रायबरेली जनपद में मिलएरिया थाना क्षेत्र के एक गांव में आज दोपहर पुवाल काटने जा रहा एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खेतों में ही पलट गया. घटना में ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर के नीचे ही दब गया. और उसकी दर्दनाक मौत हो गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम में भेज दिया है. मूल रूप से राजस्थान प्रांत के भरतपुर का निवासी हेमराज रायबरेली में रहकर ट्रैक्टर से लोगों के फसलों की कटाई मड़ाई का काम करता था. बुधवार की दोपहर 11 बजे हेमराज (30 वर्ष) ट्रैक्टर लेकर पुवाल की कटाई के लिए मिलएरिया थाना क्षेत्र के पूरे छेदी गांव की ओर जा रहा था. तभी खेत के ऊबड़ खाबड़ रास्तों के बीच ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया. और चालक हेमराज ट्रैक्टर के नीचे ही दब गया. जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई. आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम में भेज दिया है. इस संबंध में मिलएरिया इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने बताया शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम।

संगीतमय श्री राम कथा के सातवें दिन पूर्व सांसद हुए शामिल

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

बलरामपुर । जनपद बलरामपुर के ग्राम रछौढ़ा देवरिया में शिव लोक कुंज भोलानंद आश्रम पर चल रही संगीतमय श्री राम कथा के सप्तम दिवस पर श्री अयोध्या धाम से पधारे संत सर्वेश जी महाराज ने राम केवट चरित्र का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि केवट ने राम जी के कहने पर नाव इस लिए नहीं लाए क्योंकि वो प्रभू का चरण पखारना चाहते थे। तुलसी दास जी ने श्री राम चरित्र मानस में लिखते हैं कि मांगी नाव न केवट आना कहई तुम्हार मर्म मै जाना छुअत सिला भई नारी सुहाई पाहन ते न काठ कटीनाई । कथा का शुभारंभ पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। कथा ब्यास संत सर्वेश ने कहा कि पूर्व जन्म में यही केवट कछुआ था। चार सागर का और जब प्रभु विष्णु जी के चरण छूना चाहता था तो शेष जी अपने फानो से उसको अलग कर देते थे। आज वहीं शेष नाग रूपी लक्ष्मण जी और भगवान विष्णु राम के रूप में गंगा के तट पर खड़े हैं। और वही कछुआ केवट बना है और प्रभु के चरण को धुलना और स्पर्श कर प्रणाम करना चाहता है। कहते है केवट आशीर्वाद लेता है तब नाव पर बिठाकर और प्रभू को पार पर कराता है। जानकी जी को पता चला की देने के लिए राम जी के पास कुछ नहीं है तो उन्होंने अपनी अंगूठी को निकाल कर और राम जी को दिया। केवट को जब राम जी उतराई देने लगें तो वो मना कर दिए।गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज ने लिखा है कि फिरती बार मोहि जो देबा सोई प्रसाद मैं सिर धरि लेबा बहुत काल मै किन्हीं मजूरी आज दिनह बहु भल भूरी। कथा का श्रवण कर श्रोता मंत्र मुग्ध दिखे। कथा में आए लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने कहा की कलयुग राम से बड़ा राम का नाम है। श्रीराम कथा श्रवण मात्र से ही सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। इस दौरान दौरान सदर विधायक पलटू राम, भाजपा जिला अध्यक्ष रवि कुमार मिश्रा, मनीष शुक्ला, ऋषि राज मिश्रा, पप्पू शुक्ला, अरुण शुक्ला, विश्वनाथ शुक्ला, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जनपद न्यायालय में 116 रिक्त पदों के लिए करें आवेदन

जन एक्सप्रेस । रायबरेली

जनपद न्यायाधीश अमित पाल सिंह ने बताया है कि मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के अनुपालन में जनपद न्यायालय से सेवानिवृत्त कर्मचारीगण में से जनपद न्यायालय में रिक्त पदों के सापेक्ष पुनर्नियुक्ति किये जाने का निर्देश प्राप्त हुआ है। उक्त के अनुक्रम में रायबरेली जजशिप में समूख के प्रोन्नति के माध्यम से भरे जाने वाले रिक्त पदों पर जनपद न्यायालय से सेवानिवृत्त कर्मचारीगण को एक वर्ष तक अथवा पदोन्नति अथवा सीधी भर्ती के माध्यम से पर्याप्त रिक्ति के भरे जाने तक अथवा 65 वर्ष की आयु प्राप्त होने तक, जो पहले हो, पुनर्नियुक्ति किये जाने हेतु निर्देश निर्गत किया जाता है। अधोलिखित तालिकानुसार रिक्त पदों का विवरण 31.12.2025 के अनुसार मुख्य प्रशासनिक अधिकारी का 01 व प्रधान सहायक के 02 रिक्त पद है। इसी प्रकार वरिष्ठ सहायक के 73, कनिष्ठ सहायक 01, आशुलिपिक ग्रेड-। के 05, आशुलिपिक ग्रेड-।। का 01, आशुलिपिक ग्रेड-।।। का 01, ड्राइवर ग्रेड-।।। का 01, ट्यूबेल आपरेटर 01, दफ्तरी/बण्डल लिफ्टर 03, आदेशिका निर्वाहक 10 एवं अर्दली/प्यून/आफिस प्यून/फर्राश के 17 कुल 116 पदों हेतु विज्ञप्ति प्रकाशित की जा रही है। जनपद न्यायालय, रायबरेली में कर्मचारियों की अत्यधिक कमी तथा न्यायिक कार्य के प्रभावी सम्पादन में आ रही कठिनाई के दृष्टिगत माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के परिपत्र संख्या 14/एडमिन ×स39;डी×स39; सेक्शन दिनांकित 15.10.2022 के अनुपालन में तालिका में उल्लिखित श्रेणी में रिक्त पदों के सापेक्ष जनपद न्यायालय से सेवानिवृत्त ऐसे कर्मचारी जिनकी आयु 65 वर्ष पूर्ण न हुई हो, से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, आशुलिपिक, लिपिक व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारीगण के पदों पर पुनर्नियुक्ति हेतु निर्धारित प्रारूप पर आवेदक अपना आवेदन-पत्र, आयु प्रमाण-पत्र, व स्वस्थता प्रमाण-पत्र तथा जनपद न्यायालय में पूर्व नियुक्ति एवं सेवानिवृत्ति से सम्बन्धित प्रपत्रों के साथ 09 दिसम्बर 2025 को सायं 05.00 बजे तक, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के पास प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय एवं तिथि के पश्चात प्राप्त हुए आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। उन्होंने बताया है कि पुनर्नियुक्ति हेतु साक्षात्कार की प्रक्रिया अपनायी जायेगी। अभ्यर्थी 17 दिसम्बर 2025 को साक्षात्कार हेतु प्रातः 10 बजे जनपद न्यायालय परिसर में स्थित प्रशासनिक कार्यालय में उपस्थित होंगे। साक्षात्कार हेतु उपस्थित अभ्यर्थी को किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा। उक्त पदों का वेतनमान आवेदक द्वारा सेवानिवृत्ति के ठीक पूर्व अंतिम धारित पद पर मिलने वाले अंतिम आहरित वेतन जिसमें से पेंशन की राशि घटाकर मानदेय के रूप में देय होगा। अन्य भत्ते उत्तर प्रदेश शासन के यथा संशोधित आदेशों के अधीन प्रदान किये जायेंगे। यह पुनर्नियुक्ति माननीय उच्च न्यायालय के आदेश-निर्देश के अधीन होगी।

राशन घोटाले का आरोप: ग्रामीणों का फूटा गुस्सा,कोटेदार पर कार्रवाई की उठी मांग

अमेठी। जनपद में विकासखंड सिंहपुर क्षेत्र में बीते कई दिनों से सब्र कर रही नाराज़गी आखिरकार फूट पड़ी,जब ग्रामीणों ने कोटेदार पर गंभीर आरोप लगाते हुए तहसील तिलोई पहुँचकर एसडीएम अमित कुमार सिंह को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। यह मामला न केवल ग्रामीणों की परेशानियों को उजागर करता है, बल्कि सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कोटेदार पार्वती पत्नी राम सुमिरन और उनका पुत्र मोहित नवंबर माह का राशन अब तक वितरित नहीं कर रहे हैं।ग्रामीणों के अनुसार कोटेदार द्वारा पहले अंगूठा लगवा लिया जाता है,लेकिन उसके बाद उनके हिस्से का राशन नदारद हो जाता है।ग्रामीणों का कहना है, कि यह कोई पहली बार नहीं है,बल्कि लंबे समय से राशन व्यवस्था में गड़बड़ी की शिकायतें उठती रही हैं।

सहकारी समिति के सचिव के विरुद्ध डीएम ने दिए एफआईआर के निर्देश, उर्वरक की कालाबाजारी पर हुई कार्रवाई

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

बलरामपुर। उर्वरक की कालाबाजारी को लेकर डीएम विपिन कुमार जैन का सख्त रुख देखने को मिला है। उन्होंने उर्वरक वितरण में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर बी पैक्स सेखुईकला सहकारी समिति के सचिव राम उजागर यादव के विरुद्ध आवश्यक वस्तुं अधिनियम - 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत तत्काल एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने स्पष्ट कहा कि उर्वरक वितरण में किसी भी स्तर पर कालाबाजारी, अवैध बिक्री या नियम-विरुद्ध वितरण पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बताते चले कि जिलाधिकारी के निर्देश पर तहसीलवार उर्वरक वितरण की निगरानी हेतु तहसील बलरामपुर में गठित निगरानी टीम ने निरीक्षण के दौरान दो व्यक्तियों को यूरिया उर्वरक परिवहन करते हुए पकड़ा, जिनके पास कोई खरीद रसीद आदि नहीं मिली। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उर्वरक बी पैक्स सेखुईकला समिति से लेकर जा रहे थे।

जांच में यह भी सामने आया कि जिस वाहन से उर्वरक ले जाया जा रहा था, वह सिद्धार्थनगर जिले में पंजीकृत था तथा उनका गांव नेपाल सीमा से मात्र 200 मीटर की दूरी पर है , जिससे जिससे परिवहन और वितरण प्रक्रिया संदिग्ध पाई गई। आगे की जांच में समिति पर उर्वरक वितरण का अभिलेख अद्यतन नहीं पाया गया तथा सचिव एवं संचालक द्वारा बिना ई-केवाईसी और बिना अंगूठा सत्यापन के उर्वरक वितरण किया गया। पीओएस मशीन एवं भौतिक स्टॉक के मिलान में 25 बोरी यूरिया और 01 बोरी डीएपी का अंतर पाया गया, जिस पर सचिव द्वारा कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा सका। डीएम ने निर्देश दिया कि समिति का संचालन पूर्ववत जारी रहेगा और समिति पर खाद वितरण किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होगा। दोषियों पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसी भी स्तर पर खाद की कालाबाजारी, अवैध बिक्री या नियम-विरुद्ध वितरण पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और संबंधित अधिकारी/कर्मचारी को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा।

टीकाकरण उत्सव अभियान में सीएमओ ने दिया जागरूकता का संदेश

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

बलरामपुर । जनपद बलरामपुर में टीकाकरण सेवाओं को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से टीकाकरण उत्सव अभियान का शुभारंभ बुधवार को विकास खंड बलरामपुर सदर के ग्राम मिश्रौलिया में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने किया। जानकारी के अनुसार 3 दिसंबर को सीएमओ ने कहा कि टीकाकरण बच्चों के स्वस्थ भविष्य की पहली और सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा है। सरकार द्वारा संचालित अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रह जाए। उन्होंने ग्रामवासियों से अपील की कि सभी निर्धारित टीकों को समय पर अवश्य लगवाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में एएनएम प्रियंका श्रीवास्तव, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. जावेद अख्तर, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. अजय कुमार शुक्ला, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्र, डीएमसी शिखा श्रीवास्तव, विनोद त्रिपाठी, श्याम मिश्र, आरिफ सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग की टीम टीकाकरण सत्र स्थल पर बच्चों के टीकाकरण के साथ माताओं को टीकाकरण की समय-सारणी, बीमारी से बचाव तथा पोषण संबंधी जानकारी भी प्रदान की। ग्राम मिश्रौलिया में टीकाकरण उत्सव अभियान के शुभारंभ के साथ ही जनपद में आगामी दिनों तक विशेष टीकाकरण गतिविधियां संचालित की जाएंगी, जिससे अधिक से अधिक लाभार्थियों को टीकाकरण उत्सव अभियान जोड़ा जा सके।

स्नातक छात्र-छात्राओं के लिए एनर्जी मूल्यांकन परीक्षा कल

जन एक्सप्रेस । संवाददाता

बलरामपुर । जनपद बलरामपुर के एमएलके पीजी कॉलेज में अध्ययनरत स्नातक कक्षाओं के छात्र-छात्राओं की श्वठ्ठह्लद्ग4 मूल्याकंन परीक्षा 05 दिसम्बर से होगी । परीक्षा तीन पालियों में होगी। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय प्राचार्य प्रो0 जे पी पाण्डेय ने 3 दिसंबर को बताया कि छात्र-छात्राओं के अंदर रचनात्मक लेखन व सुधार लाने एवं छात्रों को उनकी शक्तियों और कमजोरियों को समझने में मदद करने के उद्देश्य से यह आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जाती है। आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत स्नातक कक्षाओं बीए, बीएससी, बीकॉम, बीवीए व बीसीए प्रथम, तृतीय व पंचम सेमेस्टर के छात्र- छात्राओं की परीक्षा 05 से 08 दिसंबर तक संचालित की जायेगी। सभी कक्षाओं के छात्र छात्राओं के लिए सेमेस्टर व विषयवार आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा कार्यक्रम पहले ही घोषित किया जा चुका है। परीक्षा तीन पालियों में होगा। प्रथम पाली 09꞉30 से 11꞉00 बजे, द्वितीय पाली 12꞉00 से 01꞉30 तक तथा तृतीय पाली 02꞉30 से 04꞉00 बजे तक होगी।

साइबर ठगों पर रायबरेली पुलिस ने कसा शिकंजा! 14 पीड़ितों को वापस मिले 4.28 लाख, स्क्रने कहा इन बातों का रखें ध्यान

रायबरेली । उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने एक बार फिर साइबर अपराधियों पर तगड़ा शिकंजा कसते हुए पीड़ितों की मेहनत की कमाई को सुरक्षित बचाया है. पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह के निर्देशन में टीम ने त्वरित कार्रवाई कर ठगों की चाल को नाकाम कर दिया. साइबर थाना ने शानदार कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के शिकार पीड़ितों को 4.28 लाख की रकम वापस दिलाई है। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने पीड़ितों को धनराशि लौटाते हुए मौजूद लोगों से अपील की कि वे अपने आस-पास के लोगों को साइबर जागरूक करें. - चंदर (रायबरेली)- 1,57,689, अनुज कुमार (रायबरेली)- 35,000, संतकुमार (रायबरेली)- 31,500, संतोष मिश्रा (रायबरेली)- 29,501, दिलीप कुमार (रायबरेली)- 21,800 इसके अलावा कई अन्य लोगों को मिलाकर कुल 04.28 लाख की राशि रिकवर कराई गई. धनराशि की वापसी।

कृषि विभाग की छापेमारी,बीज की दुकानों से 13 नमूने लिए

अमेठी। कृषि विभाग की टीम ने बुधवार को जगदीशपुर,महोना और शुकुल बाजार क्षेत्र में बीज दुकानों पर छापेमारी की।जांच के दौरान अधिकारियों ने कई दुकानों से कुल 13 नमूने गृहीत किए।नमूनों को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।जिला कृषि अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि जगदीशपुर क्षेत्र में किसान बीज भंडार से एक,देशराज बीज भंडार से दो,न्यू तेज बहादुर बीज भंडार से दो, राम बहादुर बीज भंडार से दो और खेती-बाड़ी भंडार से एक नमूना लिया गया।वहीं शुकुल बाजार स्थित मौर्य बीज भंडार से दो और न्यू मौर्य बीज भंडार से दो नमूने लिए गए।अधिकारी ने कहा कि प्रयोगशाला से रिपोर्ट प्राप्त होते ही मानक के विपरीत बीज पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने बताया कि बीजों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जा रही है,ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की हानि न हो।इधर किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए ।

ज्योति बधिर स्कूल बिठूर में आयोजित क्रीड़ा प्रतियोगिता में राउण्ड टेबल गया प्रसाद माध्यमिक विद्यालय रहा चैंपियन

- 125 के सौजन्य से ज्योति बधिर विद्यालय, बिठूर की मेजवानी में दो दिवसीय अन्तर विद्यालयी खेलकूद

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर कानपुर हेरिटेज लेडीज सर्किल-88 एवं कानपुर हेरिटेज राउण्ड टेबल-125 के सौजन्य से ज्योति बधिर विद्यालय, बिठूर की मेजवानी में दो दिवसीय अन्तर विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता का बीते दिन समापन हो गया। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर आयोजित इस कीड़ा प्रतियोगिता में ज्योति बधिर माध्यमिक विद्यालय, बिठूर, कानपुर, राउण्ड टेबल गया प्रसाद माध्यमिक विद्यालय, बिठूर, कानपुर, राउण्ड टेबल सर्वेसद्गुरू माध्यमिक विद्यालय, गाजीपुर (विठूर, कानपुर) तथा राउण्ड टेबल फूलसिंह मेमोरियल माध्यमिक विद्यालय, किशुनपुर (बिठूर, कानपुर) से कुल 195 बच्चो ने प्रतिभाग किया। राउण्ड टेबल गया प्रसाद माध्यमिक विद्यालय, बिठूर, कानपुर, 23 स्वर्ण, 19 रजत और 16 कांस्य पदक अर्जित कर कीड़ा प्रतियोगिता का चैम्पियन रहा। 11 स्वर्ण, 16 रजत और 13 कांस्य पदकों के साथ राउण्ड टेबल फूलसिंह मेमोरियल माध्यमिक विद्यालय, किशुनपुर (विठूर, कानपुर) दूसरे स्थान पर रहा। 15 स्वर्ण, 12 रजत और 9 कांस्य पदकों के साथ ज्योति बधिर विद्यालय, विठूर, कानपुर तीसरे स्थान पर रहा।

दिनांक 02.12.2025 को प्रतियोगिता का शुभारम्भ समारोह के मुख्य अतिथि रतन राठौर (संगीतकार) द्वारा किया गया। दिनांक 03.12.2025 को समापन समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती अपर्णा जैन, चेयर पर्सन (राउण्ड टेबल लेडीज सर्किल-88), श्रीमती शिल्पी कनोडिया जी, सचिव (राउण्ड टेबल लेडीज सर्किल-88) एवं रिषी बंसल, सचिव (राउण्ड टेबल-125) ने विजेता बच्चों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उक्त अवसर पर ज्योति बधिर विद्यालय के प्रबन्धक रमेश चन्द्र दीक्षित, सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

जेबी दारूका पेपर मिल के कर्मचारियों ने जारी किया विशाल धरना प्रदर्शन

- लगभग ढाई सौ श्रमिक/ कर्मचारियों का भविष्य हुआ अंधकारमय भुगतान न मिलने से आर्थिक संकट से जूझ रहे परिवार

जन एक्सप्रेस। सीतापुर

शासन के द्वारा जहां एक तरफ निजी फैक्ट्रियों व कार्यदाई संस्थओं में कार्य कर रहे मजदूरों को राहत देने के लिये श्रमिक एक्ट गठन किया गया है जिससे फैक्ट्री संचालक व कार्यदाई संस्थाएं श्रमिको का शोषण न कर सके उन्हे समय पर मजदूरी/ वेतन उपलब्ध करा सके जिससे श्रमिको/ कर्मचारियों का परिवार का भरण पोषण समय हो सके। श्रमिक/ कर्मचारी अपने बच्चों को उचित सुविधाओं के साथ बेहतर सुविध मुहैया करा सके। शासन के यह प्रयास के बाद भी जनपद सीतापुर में जारी आदेशों को दरकिनार कर मनमानी कार्यशैली को लेकर जिला मुख्यालय से चन्द किलोमीटर की दूरी पर स्थित जेबी दारूका पेपर मिल अड़बेनियाग्रण्ट थाना रामकोट तहसील सीतापुर के प्रबन्धक समिति के द्वारा श्रमिको को बिना सूचना के मिल बन्द व दो महीने से लगभग ढाई सौ श्रमिको/ कर्मचारियों का वेतन/ मजदूरी न दिये जाने को लेकर मिल गेट पर श्रमिक/ कर्मचारियों के द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन जारी किया गया। श्रमिक/ कर्मचारी के द्वारा अवगत कराया गया कि दिनांक 6 नवम्बर 2025 को एक मांगपत्र/ ऐजण्डा प्रतिष्ठा के प्रशासक व महा प्रबन्धक को दिया गया जिसमें कार्यरत समस्त कर्मचारियों को दो माह अक्टूबर व नवम्बर का बकाया वेतन ग्रेज्युएटी व छः माह का मुआवजा वेतन का भुगतान करने हेतु धरना प्रदर्शन आज से प्रारम्भ किया गया है। श्रमिको ने यह भी अवगत कराया कि मिल प्रशासन के द्वारा पारिवारिक विवाद के चलते बिना नोटिस के मिल बंद किया गया है जिस सम्बन्ध में पूर्व में श्रमिको के द्वारा मिल गेट पर धरना प्रदर्शन के साथ ही मिल के मालिको के आवास पर जाकर बकाया भुगतान की मांग की गई थी जिस सम्बन्ध में एक माह का भुगतान दिया गया था। नई प्रबन्धक कमेटी के गठन के बाद पुनः दो माह बीत चुके है लेकिन श्रमिको / कर्मचारियों को अभी तक वेतन भुगतान नही दिया गया है न ही मिल समिति के द्वारा कोई स्थाई दिशा निर्देश दिये जा रहे है जिससे जहां एक तरफ हमारा भविष्य अंधकार मय है वही दूसरी तरफ हमारे परिवार में आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो रही है जिससे बच्चों के शिक्षा पर प्रभाव पड़ र हा है। बुजुर्गो के दवाईयों आदि में दिक्कत आ रही है । आ रही समस्याओं को ध्यान मे रखकर यह विशाल धरना प्रदर्शन जारी किया गया है जो कि अनवरत चैबिसों घण्टे चलता रहेगा। अगर जल्द समस्याओं का निराकरण नही किया गया तो समस्त कर्मचारी/ श्रमिको के द्वारा मिल गेट धरना स्थल से पैदल मार्च कर जिला प्रशासन को एक निर्धारित समय पर मांग पत्र सौंपा जायेगा उक्त अवसर पर धीरज श्रीवास्तव, अशोक सिंह, लल्लन सिंह, रामदीन, अरूण यादव, अखिलेश श्रीवास्तव, शत्रोहन लाल अनुज श्रीवास्तव आदि लगभग ढाई सौ श्रमिक/ कर्मचारी मौजूद रहे।

कोर्ट की निगरानी में हर पेपर मिल: सहायक श्रमआयुक्त

जेबी दारूका मिल में कर्मचारी/ श्रमिको द्वारा दिये जा रहे विशाल धरने के सम्बन्ध में जब सहायक श्रम आयुक्त सीतापुर उमेश कुमार से जानकारी ली गई तो उन्होने बताया कि अभी हम अवकाश पर है जहां तक पूर्व में हमे जानकारी है कि कोर्ट के आदेशानुसार सेवानिवृत्त जज की निगरानी में मिल की देख रेख की जा रही है। सितम्बर माह में श्रमिकों/ कर्मचारियों के वेतन को लेकर प्रदर्शन किया गया था उस समय भुगतान दिला दिया गया था अक्टूबर नवम्बर का अगर भुगतान बकाया है सम्बन्धित अधिकारी को भेजकर प्रकरण की जानकारी ली जायेगी।

... तो उपचार के नाम पर पैसा कमा रहा रेउसा का बालाजी जच्चा बच्चा केन्द्र

जांच हुआ खुलासा प्रसूता की मौत के पीछे डाक्टरों की गम्भीर लापरवाही

जन एक्सप्रेस। सीतापुर

रेउसा का बालाजी जच्चा बच्चा केन्द्र ही नही बल्कि जिले के अन्य निजी अस्पतालों द्वारा केवल मरीजों और उनके तीमारदारों की जेब पर डाला जा रहा है। उपचार के नाम पर मरीज के जीवन के साथ खिलवाड़ की जा रही है। शायद यही कारण है कि एक मामला शांत नही हो पाता है दूसरा मामला प्राइवेट अस्पतालों से उभरकर सामने आ रहा है। जांच के दौरान यह पता चला कि उक्त निजी अस्पताल का रजिस्ट्रेशन था पर बात का खुलासा नही किया गया कि रजिस्ट्रेशन के आवेदन में कही अस्पताल के ऑनर ने खेल तो नही किया है क्योकि सीसीटीवी कैमरों के बंद होने की स्थित में संकेत तो यही मिल रहे है कि जो डाक्टर आवेदन में दर्ज है हकीकत में वह डाक्टर अस्पताल में बैठते ही न हो। गौरतलब हो कि रेउसा के बालाजी जच्चा बच्चा केंद्र पर रविवार को प्रसूता की मौत के बाद तीन सदस्यीय टीम अस्पताल पहुंचकर मामले की जांच की। इसमें सामने आया कि रात में जब प्रसूता की हालत बिगड़ी थी तो उस समय अस्पताल में कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं था। इसी लापरवाही के कारण समय पर उचित इलाज न मिल पाने से महिला की मौत हो गई। थानगांव इलाके के चिरैया गांव निवासी गायत्री देवी (35) को प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रसव के बाद रात में हालात बिगडने पर परिजन उन्हें लखनऊ ले जा रहे थे। इसी दौरान रविवार सुबह प्रसूता की मौत हो गई थी। परिजनों ने अस्पताल के बाहर शव रखकर प्रदर्शन करते हुए चिकित्सकों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया था। जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर ने मामले की गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच के लिए एसडीएम बिसवां की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय टीम गठित की थी।गठित टीम ने सोमवार को अस्पताल पहुंचकर गहनता से जांच की। इस जांच में उजागर हुआ कि रात में प्रसव के बाद जब महिला की हालत बिगड़ी तो उस समय इलाज करने वाला कोई डॉक्टर नहीं था। अस्पताल पंजीकृत था। अस्पताल में सीसीटीवी कैमरे भी क्रियाशील नहीं थे। टीम ने जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी है। आगे की कार्रवाई डीएम की संस्तुति के आधार पर तय होगी। निजी अस्पतालो रस्ट्रिेशन व बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे है। निजी अस्पतालों में मरीजों की एक के बाद मौत हो रही है कहीं झोला छाप डाक्टरों द्वारा आपरेशन करने का माला जाचं के दौरान सामने आया तो कही अस्पताल में पैसो पर देता रहा मरीज के उपचार पर लापरवाही बरतता रहा जिससे मरीज की मौत हो गई तो कहीं मरीज की मौत होने के बाद भी उसका उपचार जारी रखा गया है। ऐसी घटनाओं के बीच क्या सीएम सीतापुर कही कोई जवाब देही नही बनती हैं। क्या उनको सार्वजनिक नही करना चाहिए कि रेवड़ी तरह अस्पतालों के लाइसेन्स क्यो बांटे जा रहे है? क्या पचास हजार रूपये वाली बात सही मान ली जाये? यहां पर जिन घटनाओं का जिक्र किया जा रहा है उनमें से अधिकांश घटनाओं को स्वयं सीएमओ सीतापुर तक नही झुठला सकते है क्योकि डाक्टरों और अस्पताल संचालकों की लापरवाही से हो रही मरीजों की मौतों के कहीं न कहीं साक्षी स्वयं जिलाधिकारी है और घटनाएं उनके संज्ञान में होने के साथ ही उन्ही के आदेश कार्य सख्त कार्यवाही सम्पन्न हो सकी है।

लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए बिल्हौर में व्यापक जागरूकता अभियान

एसआईआर फॉर्म भरने की अपील तेज़

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बिल्हौर क्षेत्र में एक व्यापक जन जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान क्षेत्रवासियों से समय पर अपना एसआईआर (सामाजिक सूचना रजिस्टर) फॉर्म भरने की विशेष अपील की गई, ताकि पात्र नागरिक योजनाओं और अधिकारों से वंचित न रह सकें।यह अभियान शशिकांत पाल और ऋषभ यादव के नेतृत्व में गांव-गांव और गली-गली संचालित किया जा रहा है। अभियान में स्थानीय टीमें नागरिकों को फॉर्म की प्रक्रिया, पात्रता और आवश्यक दस्तावेज़ों की जानकारी भी दे रही हैं।अभियान को संबोधित करते हुए शशिकांत पाल ने भावनात्मक और आत्मीय अपील की मैं नेता नहींज आपका भाई, बेटा और साथी हूँ। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हर पात्र नागरिक को एसआईआर फॉर्म अवश्य भरना चाहिए।÷वहीं, ऋषभ यादव ने स्वयं को 'पीडीए प्रहरी' के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस मुहिम का लक्ष्य लोगों की मदद को हर घर तक पहुँचाना और सही पात्रों तक अधिकार व योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना है। यादव ने कहा– पीडीए प्रहरी का मूल मंत्र है– अपनों की मदद, हर द्वार तक पहुँच। गलत तत्वों पर कड़ी नज़र और सतर्क निगरानी के माध्यम से ही योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पहुँचाया जा सकता है।÷दोनों नेताओं ने खासतौर पर युवाओं और ग्रामीण नागरिकों से अपने लोकतांत्रिक दायित्व को गंभीरता से निभाने तथा अपने परिवार, पड़ोसियों और मित्रों को भी फॉर्म भरने हेतु प्रेरित करने की अपील की।

ताजमहल फिल्म के को-प्रोड्यूसर को प्रयागराज से किया गया अरेस्ट

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

ताजमहल फिल्म के को-प्रोड्यूसर इरशाद आलम को कानपुर पुलिस ने बुधवार तड़के प्रयागराज से अरेस्ट कर लिया। आरोप है की चार दिन पहले इरशाद ने कानपुर के बेकनगंज निवासी कारोबारी से मोहम्मद शोएब को जमीन दिलाने के नाम पर 3.30 करोड़ रुपए ठगे थे। पीड़ित ने ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर अपराध और मुख्यालय विनोद कुमार सिंह से शिकायत की थी। इसके बाद 29 नवंबर को बेकनगंज पुलिस ने दो नामजद समेत 8 पर रिपोर्ट दर्ज की। बुधवार दोपहर पुलिस आरोपी इरशाद आलम और अनवर शेख उर्फ रेहान को प्रयागराज से लेकर कानपुर पहुंची। इरशाद पर कई थानों में 10 से ज्यादा मुकदमे

ताजमहल फिल्म के सह-निर्माता इरशाद आलम पर प्रवर्तन निदेशालय ईडी, सीबीआई के साथ ही जाजमऊ, चकेरी, बाबूपुरवा और बेकनगंज आदि थानों में 10 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। जिसमें जांच चल रही है।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत, जिसकी जाँच क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा की गई

जन एक्सप्रेस। उन्नाव

उन्नाव जनपद के विकास खण्ड हसनगंज की ग्राम पंचायत सिंघनापुर ग्राम के अंदर से लोक निर्माण विभाग खण्ड-एक द्वारा अजगैन मुंशीगंज मार्ग से करसेमऊ ग्राम तक चार किमी. पक्की सड़क बनी हुई है ग्राम सिंघनापुर निवासी देशपाल रावत पुत्र रतनू ने अपने घर के सामने से लेकर लगभग सौ मीटर पक्की सड़क की कच्ची पटरी पर बैरीकेडिग करके कटीले तारों से पटरी का अतिक्रमण कर पटरी के ऊपर यू के लिप्टस के पेड़ लगा दिए है जिससे आम जन मानस को आवागमन में असुविधा हो रही है और कभी भी कोई दुर्घटना होने की संभावना हो सकती है।

जिसकी सामूहिक शिकायत सिंहनापुर निवासी उदन रावत परमेश्वर बौवा रीना आदि ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर की थी जिसकी जाँच क्षेत्रीय लेखपाल सुमित साहू ने की और जाँच में पाया कि शिकायत सही है देशपाल रावत ने पटरी पर यू के लिप्टस के पेड़ लगाकर कटीले तारों से घेर रखा है और जाँच रिपोर्ट लेखपाल ने लोक निर्माण विभाग को उप जिलाधिकारी हसनगंज के माध्यम से प्रेषित की क्षेत्रीय लेखपाल की जाँच आख्या के आधार पर सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड-एक देशपाल रावत के विरुद्ध नोटिस जारी करके निर्देशित किया है कि सरकारी संपत्ति पर से अवैध अतिक्रमण जो आपके द्वारा किया गया है।

उसको तत्काल हटा ले अन्यथा देशपाल के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

इसी के साथ सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड-एक ने उपजिलाधिकारी हसनगंज पुलिस क्षेत्राधिकारी हसनगंज कोतवाली इंचार्ज अजगैन सहित क्षेत्रीय लोक निर्माण विभाग के क्षेत्रीय अभियन्ता प्रवीण कुमार कटियार को भी पत्र जारी कर अतिक्रमण हटवाने हेतु अनुरोध किया है और नोटिस की एक प्रति शिकायत कर्ताओं को भी भेजी है शिकायत कर्ता उदन रावत रीना रावत परमेस्वर बौवा और पूनम पाल ने प्रशासन से माँग की है कि अवैध अतिक्रमण को अविलम्ब हटवाया जाये।

एक्सप्रेस खबरें...

डिप्टी आरएमओ ने सुनी किसानों की समस्याएं

जन एक्सप्रेस। सीतापुर। शहर के नवीन गल्ला मंडी स्थित धान क्रय केंद्रों का आज डिप्टी आरएमओ उदय प्रताप सिंह सिसोदिया ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद किसानों की समस्याएं भी सुनी, साथ ही धान उठान को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ज्ञात हो कि विगत दो माह से जिले में विभिन्न एजेंसियों के क्रय केंद्रों पर धान खरीद चल रही है, जिसमें अभी तक कुल 8738 किसानों से 55007 एमटी धान क्रय किया जा चुका है। जिसमे आरएफसी द्वारा 2781 किसानों से 16756.58 एमटी, पीसीएफ द्वारा 2782 किसानों से 17470.33 एमटी, पीसीयू द्वारा 2496 किसानों से 16605.74 एमटी, यूपीएसएस द्वारा 511 किसानों से 3145.22 एमटी, मंडी परिषद द्वारा 135 किसानों से 926.72 एमटी व एफसीआई द्वारा मात्र 33 किसानों से 103.32 एमटी धान क्रय किया गया है। वहीं अभी भी केंद्रों पर धान खरीद शुरु है परंतु बीच बीच में उठान न होने से खरीद प्रभावी हो जाती है। इसी क्रम में आज डिप्टी आरएमओ उदय प्रताप सिंह सिसोदिया ने नवीन गल्ला मंडी के केंद्रों का निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने केंद्रों पर मौजूद किसानों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनी साथ ही केंद्र प्रभारी को निर्देश दिए की केंद्रों पर आने वाले छोटे किसानों को प्रथम वरीयता दी जाए जिससे उनको कोई भी समस्या न होने पाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए की जो किसान पहले तौल कर चुके है और उनका धान बचा है तो वह समय लेकर आए। जिससे धान खरीद में समस्या न होने पाए।

उदघाटन के दौरान पुस्तक कॉपी का वितरण

जन एक्सप्रेस। सीतापुर। सेवा भारती के द्वारा शहर के घूरामऊ बंगला में जिला अध्यक्ष विश्ववीर गुप्ता के प्रयास से सीमा जैन एवं सरिता जैन द्वारा सामूहिक रूप से संस्कार केंद्र का फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत 30 बच्चों को पुस्तक कॉपी पेंसिल रबर आदि वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पालक एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष सुभाष गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, जिला महामंत्री रत्नेश द्विवेदी, जिला मीडिया प्रमुख आकाश राय, जिला सचिव रवि अग्रवाल उर्फ बबलू एवं संस्कार केंद्र की प्रभारी शीलू सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सम्मानित किये गये बूथ लेबल अधिकारी

जन एक्सप्रेस। सीतापुर। कलेक्ट्रेट सभागार में 150-सेवता विधानसभा क्षेत्र के एक बूथ लेवल अधिकारी कुलदीप सिंह (शिक्षा मित्र) को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अन्तर्गत इनके द्वारा शतप्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य निर्धारित समय से पूर्व ही पूर्ण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट जर्नादन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रा.वि. मनिकापुर में वितरिक की गई स्पार्टस ड्रेस

जन एक्सप्रेस। सीतापुर। विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय मनिकापुर में स्पोर्ट्स ड्रेस वितरण कार्यक्रम ने विद्यालय का माहौल उत्साह और उमंग से भर दिया। नई ड्रेस पाकर बच्चों के साथ -साथ अभिभावकों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी।

यह ड्रेस सहित निर्धारित दिनों में छात्रों को स्कूल से पहनने के लिए दी जाती है। इस संबंध में प्रधानाध्यापिका सुषमा चैधरी ने बताया कि ड्रेस मिलने के बाद बच्चे हर शनिवार लंच के बाद होने वाले कबड्डी व खो-खो जैसे खेलों में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं, जिससे उनकी उपस्थिति, ऊर्जा व आत्मविश्वास में सकारात्मक वृद्धि हुई है।

वहीं अभिभावक देवेंद्र प्रकाश, जस्सो सिंह, हरिप्रसाद, जहीद, अफसरुन निशा, भानु प्रताप, अजीज, योगेंद्र सिंह, नंदकिशोर आदि प्रदेश सरकार व विद्यालय स्टाफ की सराहना करते नहीं थक रहे हैं।

मानकों को ताक पर रखकर कराए जा रहे ग्राम पंचायत में कार्य

जन एक्सप्रेस। सीतापुर

जन्हा एक तरफ जिलाधिकारी राजा गणपति आर के द्वारा विकास कार्यो में गुडवत्ता को लेकर स्थलिय जांच औचक निरीक्षण के माध्यम से की जा रही है जिससे जनपद में हो रखे विकास कार्य गुडवत्ता पूर्ण हो सके व शासन से जारी महत्वकांक्षी योजनाए धरातल पर अंतिम पायदान तक भ्रष्टाचार मुक्त होकर पहुच सके वही दूसरी तरफ जनपद के विकास खण्ड ऐलिया में खण्ड विकास अधिकारी ऐलिया की उदासीनता की चलते विकास खण्ड क्षेत्र में कार्यरत ग्राम पंचायत सचिव की मनमानी कार्यशैली के चलते आदेशो को ताखपर रखकर विकास कार्यो में जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है और ग्राम प्रधान सचिव मिलकर आपस मे सरकारी धन का बंदरबाँट कर रहे है उदहारण के तौर पर विकास खण्ड ऐलिया की ग्राम पंचायत अर्थलियागग्रंट में तैनात सचिव प्राची आर्या के द्वारा विकास कार्यो कराये जाने से पूर्व ही पोर्टल पर दिनाक 22 नवंबर को सादा पेपर अपलोड करअर्थलपुर मैन रोड से सफीक के मकान तक नाली व इंटरलाकिंग निर्माण कार्य पर 20500 रूपये और सफीक के मकान से हामिद के मकान तक नाली व इंटरलाकिंग निर्माण कार्य पर 209300 रूपये का अग्रिम भुगतान कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया,प्रकरण चर्चा में आने के बाद सचिव के द्वारा भुगतान होने के 10 दिन बाद विकास कार्य प्रारम्भ कराया गया कराये जा रहे विकास कार्य की गुडवत्ता को लेकर ग्राम पंचायत ने चर्चा का विषय बना हुआ है क्योंकि जन्हा एक तरफ जिलाधिकारी के द्वारा गुडवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है वही दूसरी तरफ सचिव के द्वारा जिलाधिकारी के आदेशों को ताख पर रखकर मानकविहीन विकास कार्य कराये जा रहे है सचिव प्राची आर्या की पूर्व की तैनाती वाली ग्राम पंचायतों में भी सरकारी धन के बंदरबाँट को लेकर शिकायत उठाई जा चुकी है लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते कार्यवाही मात्र कागजपूर्ती तक ही सीमित रह गयी जिससे सचिव के हौसले बढ़ते जा रहे है इसी प्रकार विकास खंड क्षेत्र में तैनात ग्राम पंचायत सचिव दीपाली यादव की कार्यरत ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार की चर्चाएं आम जनता में चर्चा का विषय बनी हुई है। जब इस सम्बंध में सचिव प्राची आर्या से जानकारी ली गयी तो उन्होंने बताया कि अग्रिम भुगतान किया गया है गुडवत्ता के सम्बंध में जानकारी ली गयी तो कोई भी स्पष्ट जानकारी नही दे सकी।

जांचोउपरांत होगी कार्यवाही- मनोज सिंह

प्रकरण के सम्बंध में जब सहायक विकास अधिकारी पंचायत मनोज सिंह से जानकारी ली गयी तो उन्होने बताया कि प्रकरण संज्ञान में आया है जांच कर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

आरोग्य मंदिर शाहपुर में गिरी डीएम की कार्यवाही की गाज

एएनएम, आंगनबाड़ी की सेवा समाप्त का नोटिस, सीएचओ की वार्षिक वृद्धि में कटौती, बीपीएम, बीसीपीएम व बैम का पन्द्रह दिनों का वेतन काटे जाने के आदेश जारी

जन एक्सप्रेस। सीतापुर

जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने बेहटा विकास खण्ड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में लेबर रूम के निरीक्षण के दौरान अभिलेखों का गहतनापूर्वक अवलोकन किया। साथ ही फार्मासिस्ट के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने अनुपस्थित ए0एन0एम0 व आंगनबाड़ी कार्यकत्री की सेवा समाप्ति का नोटिस जारी करने, सी0एच0ओ0 द्वारा कार्यों में रूचि न लेने पर उनकी वार्षिक वृद्धि में 05 प्रतिशत की कटौती करने के निर्देश दिये एवं कार्यों में लापरवाही पर आशा को सेवा समाप्ति का नोटिस जारी के निर्देश दिये। लेबर रूम में निरीक्षण के दौरान समुचित उपकरण, दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता व फोकस लैम्प न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। बी0पी0एम0, बी0सी0पी0एम0 व बैम को कार्यों में रूचि न लेने पर 15 दिन का वेतन काटने एवं प्रभारी अधिकारी को कार्यों में लापरवाही बतरने पर एक माह का वेतन काटनें के निर्देश दिये। एम0ओ0आई0सी0 को एक दिन का वेतन एवं स्टाफ नर्स को भी कार्यों में लापरवाही पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि शासन की मंशा के अनुरूप क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाये, आवश्यक दवाओं एवं जांच किटों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य हेतु आवश्यक जानकारियां उपलब्ध करायी जायें तथा काउंसलिंग भी करायी जाये।निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुरेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

धान खरीद में तेजी लाएँ, किसानों को कतई न हो असुविधा: शशांक त्रिपाठी

जन एक्सप्रेस। बाराबंकी

जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में जनपद में संचालित धान खरीद की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में संपन्न हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी निरंकार सिंह, डिप्टी आरएमओ राजीव कुलश्रेष्ठ सहित राइस मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी और विभिन्न राइस मिलों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी धान खरीद केंद्रों पर की जा रही खरीद की विस्तार से समीक्षा की और स्पष्ट कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्रों पर खरीदे गए धान का उठान किसी भी स्थिति में विलंबित न हो तथा इसे अनुबंधित राइस मिलों को तत्काल भेजा जाए, ताकि धान खरीद की गति बनी रहे और किसानों को राहत मिले। डिप्टी आरएमओ द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद के लक्ष्य 175000 मीट्रिक टन के सापेक्ष अब तक कुल 6182 किसानों से 30750 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। समीक्षा के दौरान यह जानकारी सामने आई कि जनपद में कुल 379 अनुबंध किए जाने थे, किन्तु अब तक मात्र 163 अनुबंध ही अंतिम रूप ले सके हैं। इस पर जिलाधिकारी ने नाराज़गी व्यक्त करते हुए कहा कि संबंधित केंद्र प्रभारी मिल संचालकों के साथ समन्वय बनाकर सप्ताह के अंत तक सभी अनुबंध प्रत्येक दशा में सुनिश्चित कराए। बैठक में फोर्टिफाइड राइस कर्नेल तथा अन्य तकनीकी मुद्दों पर राइस मिलर्स द्वारा अवगत कराई गई।

मुसीबत में अगर हो ग्रामीण तो डॉयल करें 112: अमित सिंह भदौरिया

जन एक्सप्रेस। बाराबंकी

पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देश पर प्रत्येक बुधवार को गांवो में लगने वाली पुलिस चैपाल ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रही है। जनपद के सभी थानों के प्रभारी निरीक्षक एक गांव को चिन्हित करके किसी सार्वजनिक स्थान पर ग्राम चैपाल लगाते हैं उस चैपाल में पुलिस अधिकारियों के साथ साथ राजस्व विभाग के भी अधिकारी मौजूद रहते है। वहीं पर सभी विवादों का निस्तारण हो जाता है। बुधवार को भी कोठी थाना प्रभारी अमित सिंह भदौरिया ने ग्राम पंचायत टेण्डवा में चैपाल लगायी और एक सार्वजनिक रास्ते पर अवैध कब्जे के मामले को राजस्व अधिकारियों के साथ मिल करके निस्तारित किया। जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने जब जिले की कानून व्यवस्था की कमान सम्भाली थी इसके बाद से उन्होने गांव में उत्पन्न होने वाले छोटे मोटे विवादों और गांवो के अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस ग्राम चैपाल का आयोजन करने के निर्देश जनपद के सभी थाना प्रभारियों को दिए थे। उनके निर्देश के बाद से ही हर बुधवार को थाना प्रभारी किसी न किसी गांव को चिन्हित करके गांव में चैपाल लगा करके ग्रामीणों के माध्यम से अपराधियों और अपराधों के बारे में जानकारी देते थे। चैपाल में आयी हुई महिलाओं को जागरुक करते थे साथ ही में दिशा निर्देश भी देते थे। ग्राम पुलिस चैपाल लगने के बाद अधिकांश ग्रामीण जो पुलिस के नाम से भय खाते थे वहीं ग्रामीण पुलिस को गांव में होने वाली हर छोटी बड़ी घटनाओं को जानकारी भी देने में पीछे नही हैं। ग्राम पंचायत टेण्डवा में आयोजित ग्राम पुलिस चैपाल में बोलते हुए प्रभारी निरीक्षक कोठी अमित सिंह भदौरिया ने कहा कि पुलिस आप लोगों की मित्र है कोई भी परेशानी या कोई दिक्कत हो सीधे मुझको फोन करके सम्पर्क कर सकते हैं। आपकी सभी समस्याओं का समाधान किया जायेगा। उन्होने यह भी चेतावनी दी कि गांव में अपराध न बढ़े इसके लिए कोई भी व्यक्ति कानून अपने हाथ में न ले। ग्राम पुलिस चैपाल में एक जमीनी विवाद का मामला आया उक्त मामले को गम्भीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह भदौरिया ने राजस्व टीम को साथ में ले करके मौके पर जा करके उसका निस्तारण कराया।

गरीब परिवारों के लिए योजना बनी सहारा: सतीश शर्मा

जन एक्सप्रेस। बाराबंकी। रामसनेहीघाट तहसील मुख्यालय स्थित मिनी स्टेडियम परिसर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में कुल 171 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। इनमें ब्लॉक बनीकोडर के 51, दरियाबाद के 42, सिरौली के 48, पूरे डलई के 24, नगर पंचायत रामसनेहीघाट के 2, सिद्धौर के 1 तथा हरख के 3 जोड़े शामिल रहे। इनमें से 5 जोड़ों का निकाह काजी द्वारा, जबकि शेष का विवाह गायत्री परिवार के पंडितों द्वारा कराया गया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सामूहिक विवाह के लिए दी जाने वाली धनराशि 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दी है, जिससे नए दांपत्य जीवन के लिए मिलने वाली सामग्री और खाते में जाने वाली राशि में बढ़ोतरी हुई है। विशिष्ट अतिथि एवं प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने कहा कि सामूहिक विवाह योजना गरीब परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

पढ़ें पेज 12 पर...

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

विचारों का संघर्ष और आहत होती आत्मा

यही असमंजस आगे बढ़कर पहचान-संकट का रूप ले चुका है। इसी संकट को गहरा करने के लिए एक और हथियार सामने आया, जिसे पीड़ित-दावा राजनीति कहा जा सकता है। इस विचार में कहा गया कि जो स्वयं को अधिक पीड़ित घोषित करे वही नैतिक श्रेष्ठता का अधिकारी है। जिस समूह के दुख का इतिहास अधिक प्रखर दिखाया जाए, उसी को समाज में नैतिक ऊँचाई दी जाए। परिणामस्वरूप संघर्ष न्याय का नहीं रहा, बल्कि प्रतिस्पर्धी पीड़ाओं का युद्ध बन गया। अब मनुष्य मनुष्य से नहीं लड़ रहा, बल्कि एक पीड़ा दूसरी पीड़ा से लड़ रही है।

आज का समय सामान्य नहीं है। यह ऐसा काल है जब युद्ध धरती पर नहीं, बल्कि मानव-चेतना के भीतर चल रहा है। यह शस्त्रों का संघर्ष नहीं, विचारों का संघर्ष है। इसमें रक्त भले न बहे, पर समाज की आत्मा अवश्य आहत होती है। बाहर कोई शोर नहीं उठता, लेकिन भीतर की चुप्पी में विभाजन की प्रतिध्वनि लगातार गहराती जाती है। यह लड़ाई किसी बाहरी शत्रु के विरुद्ध नहीं, बल्कि मनुष्य को मनुष्य से, समाज को समाज से और व्यक्ति को स्वयं से अलग करने की सुविचारित प्रक्रिया है, जिसे वामपंथी मानसिकता और उसके सांस्कृतिक रूप के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। वामपंथी रणनीति का मूल सिद्धांत संघर्ष है। व्यक्ति को उसकी पहचान के आधार पर बांट दो और फिर उन खांचों में शत्रुता का बीज बो दो। जब मनुष्य अपने को अलग समझने लगता है, तब समुदाय की शक्ति टूटने लगती है। समुदाय के कमजोर पड़ते ही समाज की संरचना डगमगाने लगती है और जब समाज कमजोर होता है तब संस्कृति धीरे-धीरे ढहने लगती है। यही कारण है कि यह वैचारिक युद्ध सबसे पहले धर्म, संस्कृति, परिवार, उत्सव, आश्रम, गुरुकुल और परंपरागत सामाजिक संस्थाओं को निशाना बनाता है। पहले इनका उपहास किया जाता है, फिर उनकी उपयोगिता पर प्रश्न उठाए जाते हैं और अंत में इनके विपरीत मूल्यों का महिमामंडन किया जाता है। जब मनुष्य अपनी जड़ों पर संदेह करने लगता है, तभी उसकी पहचान सबसे अधिक कमजोर हो जाती है। इसी प्रक्रिया से एक अत्यंत खतरनाक वैचारिक औजार उभरा, जिसे द्विआधारी सिद्धांत कहा जाता है। इसका उद्देश्य हर स्थान पर दो विरोधी खेमे खड़े करना है। राम और रावण, दुर्गा और महिषासुर, ब्राह्मण और अब्राह्मण, संपन्न और विपन्न, पुरुष और स्त्री, मालिक और मज़दूर। जब समाज स्वयं को दो टकराते धड़ों में देखने लगता है, तब संवाद समाप्त होता है और संघर्ष प्रारम्भ होता है। यही संघर्ष सत्ता-चिंतन के लिए सबसे प्रभावी औजार बन जाता है। पहचान-राजनीति इसी मानसिकता का विस्तार है। पश्चिम में इसका रूप नस्ली आलोचनात्मक सिद्धांत के रूप में प्रकट हुआ, जिसने कहा कि श्वेत जन्म से शोषक और अश्वेत जन्म से शोषित। भारत में इसी विचार को जाति-नस्ल सिद्धांत के रूप में लागू करने का प्रयास हुआ। इसमें प्रचारित किया गया कि ब्राह्मण जन्म से अपराधी और दलित, पिछड़ा, आदिवासी जन्म से पीड़ित। जबकि भारत का इतिहास बताता है कि जाति-आधारित कठोरता कुछ सीमित उदाहरणों का परिणाम थी, न कि संपूर्ण समाज का स्वभाव। किंतु विचारधारा ने कुछ अपवादों को ही सम्पूर्ण समाज का स्थायी चेहरा घोषित कर दिया और संवाद के स्थान पर प्रतिशोध को महत्व देने लगा। दुख को मिटाने के बजाय दुख को पहचान और राजनीति का आधार बना देना अत्यंत घातक परिवर्तन था। जब जाति का आख्यान कमजोर पड़ने लगा, तब संघर्ष के लिए नया क्षेत्र तैयार किया गया, जिसे लिंग-युद्ध का नाम दिया गया। प्रकृति में तीन प्रकार के लिंग हैं पुरुष, स्त्री और उभयलिंगी। लेकिन विचारधारा ने घोषित किया कि लिंग कोई जैविक सत्य नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक निर्माण है। देखते-देखते विश्व में सैकड़ों नई लिंग-पहचानें गढ़ दी गईं, जिनसे युवा पीढ़ी अपनी ही प्रकृति को लेकर भ्रमग्रस्त होने लगी। पहचान, जो कभी शक्ति का स्रोत होती थी, अब असमंजस का कारण बन गई। युवा पीढ़ी स्वयं से पूछने लगी कि मैं कौन हूँ, लेकिन उत्तर धुंधला होता गया।

एक्सप्रेस आलेख

यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो, यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मर्यादा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए प्रेरणा बन सकता है, बशर्ते संसद स्वयं अपने भीतर अनुशासन, शांति और संवाद की संस्कृति को स्थापित करे। यह सत्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। देश आज यही उम्मीद कर रहा है कि जो सर्वदलीय बैठक शांति और सहमति से हुई, उसी भाव के साथ संसद का संचालन भी हो।

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है

ललित गर्ग

यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए, तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा, उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है।

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्यॉरिटी एंड नैशनल सिक्यॉरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है। निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए। सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की

निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे।

ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरुआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है। इस सत्र से सरकार 14 महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं, एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए-शालीनता की, संवैधानिक मर्यादाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, वह सुनने, समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है। देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, विदेश नीति, सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था, कृषि, शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। यदि संसद हंगामों का अखाड़ा बन जाए, तो इन मुद्दों का समाधान कैसे निकलेगा? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य कानून में नहीं बल्कि उसके निर्बाध संचालन में है; यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए, तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा, उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है। सदन की मर्यादा केवल स्पीकर या सभापति पर निर्भर नहीं, बल्कि सभी सांसदों के संयम एवं शालीनता पर निर्भर है।

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरुरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे है या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे है, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	चतुर्दशी 08:37 तक
नक्षत्रः	कृत्तिका 02:54 तक
पक्षः	शुक्ल
वारः	गुरुवार
योगः	शिव, 12:34
सूर्योदयः	06:59
सूर्यास्तः	17:54
चंद्रमाः	वृषभ राशि में
राहुकालः	01:29-14:48
विक्रमी संवत्ः	2082
शक सम्वतः	1947
मासः	मार्गशीर्ष
शुभ मुहूर्तः	11:55-12:38

जन एक्सप्रेस

है मचा बवाल !

लेकर के सुरक्षा को ।
है मचा बवाल ।।
मौसम है चुनावी ।
मचा है बवाल ।।
रस्साकस्सी चल रही ।
कौन जिम्मेदार ?
हर तरफ से हो रहे ।
शब्दों के प्रहार ।।
ना दो मुझे सुरक्षा ।
बात निकल कर आई ।।
हरकतों से ऐसी ।
होती जगहंसाई ।।
रहें सब महफ़ूज़ ।
हो काम इस प्रकार ।।
रहें सब सुरक्षित ।
जो सबका अधिकार ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

औषधीय गुणों से भरपूर है त्रिफला

आयुर्वेदक जड़ी-बूटियों से बने त्रिफला का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए कई तरीकों से फायदेमंद माना जाता है। इसमें बहुत से औषधीय गुण और कई पोषक तत्व होते हैं। बता दें, त्रिफला को आंवला, हरड़ और बहेड़ा से मिलाकर बनाया जाता है। इसमें अच्छी मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-माइक्रोबियल के गुण होते हैं। इसका सेवन करना स्वास्थ्य के लिए कई तरीकों से फायदेमंद होता है, लेकिन कई बार लोगों को इसका सेवन करने के कारण परेशानियां भी हो सकती हैं। बता दें, ओन्लीमायहेल्थ आरोग्य विद आयुर्वेद नाम से एक स्पेशल सीरीज चला रहा है। इस सीरीज में हम आपको आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के बारे में बताते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए कई तरह से फायदेमंद होती हैं। इसमें हम अपने पाठकों को आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के बारे में भी विस्तार से जानकारी देते हैं, ताकि लोग इन जड़ी-बूटियों और औषधीय गुणों से भरपूर इन जड़ी-बूटियों से मिलने वाले फायदे, नुकसान और सेवन या इस्तेमाल के तरीकों या इलाज के तरीकों के बारे में जान सकें।

त्रिफला का दूसरा नाम क्या है?: डॉक्टर श्रेय शर्मा के अनुसार, त्रिफला को हम तीनफला और त्रिदोषिक रसायन कहा जाता है। त्रिफला का अर्थ त्रि मतलब तीन और फला मतलब फ्रूट्स से बना चूर्ण। जिसमें आंवला, हरड़ और बहेड़ा तीनों फलों की का चूर्ण 3 फलों का मिश्रण होता है। इन तीनों से त्रिफला चूर्ण बनता है।

त्रिफला खाने से क्या फायदा होता है?: डॉक्टर श्रेय शर्मा के अनुसार, त्रिफला सीधे तौर पर किसी एक बीमारी पर काम नहीं करता है। इसका काम ब्लड को नेचुरल रूप से डिटॉक्स करने या साफ करने में मदद मिलती है, साथ ही, इससे टॉक्सिन्स यानी अमा को ट्रैवल करने से रोकता है। त्रिफला को बहुत अच्छा रसायन भी माना जाता है। इसके अलावा, ये शरीर की जरा यानी वृद्धावस्था को रोकने में मदद करता है, साथ ही, ये शरीर में रक्त शोधन भी करता है यानी अमा को दूर करने और शरीर में वात, पित्त और कफ जैसे तीनों दोषों को बैलेंस करने में सहायक हो सकता है। त्रिफला श्रेष्ठ रसायन माना जाएगा।

1 दिन में कितना त्रिफला चूर्ण खाना चाहिए?: डॉक्टर श्रेय शर्मा के अनुसार, 1 दिन में त्रिफला के चूर्ण को आधा ग्राम से डेढ़ या 2 ग्राम तक लिया जा सकता है, लेकिन ध्यान रहे, इसका सेवन 2 ग्राम से ज्यादा न करें। इसकी ज्यादा डोज को लेने से लोगों को परेशानियां हो सकती हैं और ऐसा त्रिफला को लंबे समय तक सेवन करने से कब्ज की समस्या को बढ़ावा मिल सकती है, जो परेशानी का कारण बन सकता है। ध्यान रहे, त्रिफला को सीमित मात्रा में लेना चाहिए, जिससे कब्ज की समस्या और खुशकी से बचा जा सकता है और इससे परेशानियों से भी राहत मिलती है।

त्रिफला के नुकसानः डॉक्टर श्रेय शर्मा के अनुसार, कब्ज में इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ये गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है, क्योंकि त्रिफला को आयुर्वेद में कषाय रस प्रधान औषध द्रव्य माना है।

एक्सप्रेस विशेष

विश्व को चौंकाती भारत की आर्थिक विकास दर

प्रहलाद सबनानी

दीपावली का पावन पर्व एवं दीपावली के आसपास के समय में कई त्यौहार श्रद्धापूर्वक मनाए जाते हैं एवं इन त्यौहारों पर समाज में परिवारों द्वारा लाखों करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.6 प्रतिशत रही थी। विशेष रूप से विनिर्माण एवं सेवा के क्षेत्र में वृद्धि दर अतुलनीय है। विनिर्माण के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर रही थी जो वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में बढ़कर 9.1 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार, सेवा क्षेत्र में भी वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत की रही है। वित्तीय, रियल एस्टेट एवं प्रोफेशनल सेवाओं में तो वृद्धि दर बढ़कर 10.2 प्रतिशत (पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.2 प्रतिशत) एवं जन प्रशासन, डिफेंस एवं अन्य सेवाओं में वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.9 प्रतिशत) की रही है। व्यापार, होटल, यातायात एवं कम्यूनिकेशन में भी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत (पिछले वर्ष 6.1 प्रतिशत)। केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं डिफेन्स के क्षेत्र में भी 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कृषि क्षेत्र में जरूर वृद्धि पिछले वर्ष 4.1 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 3.5 प्रतिशत हो गई है एवं कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र में भी वृद्धि दर पिछले वर्ष 8.4 प्रतिशत की

जम्मू में माता वैष्णो देवी मंदिर, दक्षिण में भगवान तिरुपति बालाजी मंदिर, ओड़िसा के पुरी में स्थित मंदिर, उत्तराखंड स्थित गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ मंदिर, बद्रीनाथ मंदिर आदि मंदिरों में लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने हेतु पहुंच रहे हैं। हाल ही में प्रयागराज में सम्पन्न हुए कुम्भ के मेले में तो 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु देश विदेश से पवित्र त्रिवेणी में स्नान करने हेतु पहुंचे थे।

तुलना में इस वर्ष घटकर 7.2 प्रतिशत रही है। जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुरन्त अपने आकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का प्रयास करने लगे कि भारत की आर्थिक विकास दर तो इतनी तेज गति से आगे बढ़ ही नहीं सकती। क्योंकि, वैश्विक स्तर पर इतनी विपरीत परिस्थितियों के बीच एवं विकसित देशों में विकास की धीमी दर एवं कुछ देशों में तो विकास दर के ऋणात्मक रहने के चलते ओईसीडी देशों की आर्थिक विकास दर 2 प्रतिशत के भी नीचे है। भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के ऊपर कैसे रह सकती है। साथ ही, विभिन्न वित्तीय संस्थानों यथा, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, विश्व व्यापार संगठन के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान जताया था। फिर, भारत की आर्थिक विकास इस अवधि में 8.2 प्रतिशत कैसे रह सकती है? हाल ही के समय में केंद्र सरकार ने भारत में आर्थिक क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। इन सुधार कार्यक्रमों का असर अब भारत की आर्थिक विकास दर में तेजी के रूप में दिखाई देने लगा है। आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है और इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 में लागू किया जा चुका है। भारत में 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों को (लगभग 10 प्रतिशत तक) कम कर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों (रेपो दर) में एक प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है एवं दिसम्बर 2025 माह में 25 आधार बिंदुओं की एक और कटौती की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भारत की मातृशक्ति के बैंक खातों, किसानों के बैंक खातों एवं गरीब वर्ग के बैंक खातों में सीधे ही सहायता की राशि जमा की जा रही है। साथ ही, भारत के लगभग 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त उपायों का स्पष्ट असर यह हो रहा है कि भारत के दूर दराज इलाकों में निवासरत गरीब वर्ग के हाथों में सीधे पैसा पहुंच रहा है, जिससे उनकी क्रय शक्ति बढ़ रही है एवं वे इस पैसे से कई प्रकार के उत्पादों का सेवन करने लगे हैं और जिससे अंततः देश में इन उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में निजी उपभोग भी वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही के 4.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में 8 प्रतिशत से बढ़ा है। साथ ही केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्चों में भी 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, जिससे रोजगार के नए अवसर निर्मित हुए हैं एवं उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। **संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबन्ध संपादक- मनोज तिवारी, सह-संपादकः इमरान खान, राज्य ब्यूरो प्रमुख- सन्तोष कुमार दीक्षित)** आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, **(नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)**

जिला महिला अस्पताल में नवजात की मौत

परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप, अस्पताल प्रशासन पर सख्त जांच की मांग

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

जिला महिला अस्पताल में सामान्य प्रसव के बाद एक नवजात शिशु की मौत ने पूरे अस्पताल परिसर में हड़कंप मचा दिया। मृतक नवजात के परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर ?5000 की रिश्वत मांगने, दुर्व्यवहार करने और जबरन कागजात पर हस्ताक्षर कराने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना की सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मृदुल सिन्हा अपनी पत्नी प्रिया को प्रसव पीड़ा होने पर मंगलवार रात करीब 10:30 बजे जिला महिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। बुधवार सुबह प्रिया सिंह का सामान्य प्रसव हुआ, लेकिन नवजात मृत अवस्था में जन्मा। इस दुखद घटना ने परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया। परिजनों ने बताया कि नवजात के शव के सिर के पास चोट के निशान दिखाई दिए, जिससे उनके संदेह और बढ़ गए। परिजन आरोप लगाते हैं कि प्रसव के दौरान अस्पताल स्टाफ ने 5000 की रिश्वत मांगी। विरोध करने पर डॉक्टरों और अन्य स्टाफ ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और कागजात पर जबरन हस्ताक्षर करवाने का प्रयास किया। नवजात के शव को घर ले जाने के बाद भी परिजनों का कहना है कि अस्पताल से निकलते समय भी स्टाफ ने अभद्रता जारी रखी और प्रिया सिंह पर दबाव डाला।

शहर कोतवाली पुलिस ने बताया कि परिजनों के आरोपों की सत्यता की जांच की जा रही है। मामले के सभी पहलुओं को खंगाला जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल प्रशासन की ओर से अभी तक इस मामले पर आधिकारिक बयान नहीं आया है। यह घटना न केवल पीड़ित परिवार के लिए दुखद है, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था और सरकारी अस्पतालों में चल रही लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार की ओर भी सवाल उठाती है। मरीजों और उनके परिजनों की सुरक्षा, उनका सम्मान और विश्वसनीयता सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। समाज की यह अपेक्षा है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। साथ ही अस्पताल प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी भी परिवार को ऐसे अपमानजनक और असंवेदनशील स्थिति का सामना न करना पड़े। नवजात की असमय मृत्यु ने समाज को यह याद दिलाया है कि स्वास्थ्य संस्थानों में मानवीय संवेदनाओं के साथ-साथ पारदर्शिता और जिम्मेदारी बेहद जरूरी है।

दिव्यांग दिवस पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की सौगात

मूक-बधिर विद्यालय को मिलीं नई बेंचें, खिल उठे नन्हे चेहरे

- भावों की भाषा में बच्चों संग जुड़ीं डीएम, मुस्कुराहटों से महका परिसर

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर आदर्श मूक-बधिर विद्यालय में बुधवार का दिन भावनाओं, संवेदनाओं और खुशियों का अनोखा संगम बन गया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल जब बच्चों के बीच पहुँचीं तो संवाद शब्दों से कम और भावों से अधिक हुआ। संकेतों के जरिये बच्चों से संवाद करते हुए डीएम भी भावुक हो उठीं। बच्चों ने हाथ हिलाकर और मुस्कुराकर डीएम का स्वागत किया, तो डीएम ने भी उसी गर्मजोशी से उनकी भावनाओं का प्रत्युत्तर दिया।

डीएम ने दिए 10 स्कूली बेंच सेट, सामग्री पाकर खिले नन्हे चेहरे

कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार तोलानी,प्रधानाचार्य रामदुलारे वर्मा के साथ दीप प्रज्वलित कर किया।इस दौरान डीएम ने विद्यालय को 10 स्कूली बेंच सेट भेंट किए।साथ ही छात्रों को थर्मस,कलर कॉम्बो पैक, चॉकलेट और अन्य अध्ययन सामग्री प्रदान की। उपहार पाते ही बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान ने पूरे वातावरण को खुशियों से भर दिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि दिव्यांग बच्चे हमारी प्रेरणा ही नहीं, बल्कि अदम्य साहस की जीवंत मिसाल हैं। इनमें किसी तरह की कमी नहीं, बल्कि असाधारण प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और हिम्मत की चमक है। बच्चों की प्रस्तुतियों और पेंटिंग्स की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इनकी मुस्कान, इनके रंग और इनका आत्मविश्वास यही संदेश देते हैं कि जब अवसर और मंच सही हों, तो कोई भी दिव्यांगता इनके कदमों की रफ्तार को रोक नहीं सकती।

चित्रकला प्रदर्शनी में दिव्यांग बच्चों का हुनर चमका, रंगों से भरी कल्पनाएँ

विद्यालय में आयोजित पेंटिंग प्रदर्शनी में मूक-बधिर बच्चों ने रंगों के माध्यम से अपनी कल्पनाओं और संवेदनाओं को अद्भुत रूप दिया। डीएम ने एक-एक पेंटिंग का अवलोकन कर बच्चों की भरपूर सराहना की। कहा कि जिनके हौसले बुलंद हों, उनके सपनों के आगे दिव्यांगता भी छोटी पड़ जाती है। बच्चों की पेंटिंग्स ने उनकी रचनात्मकता और दृष्टि की शक्ति को साफ प्रदर्शित किया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी आरेंद्र पाल सिंह ने किया।

दिव्यांग बच्चों ने अद्भुत प्रस्तुतियों से जीता सभी का मन

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर आदर्श मूक-बधिर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नन्हे दिव्यांग बच्चों ने सरस्वती वंदना, सुबह सवेरे, स्वागत गीत, गणेश वंदना सहित ए-वतन, जलवा-जलवा, आई लव माई इंडिया, फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी, चक धूम-धूम, इंडिया वाले जैसे गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। दिव्यांग बच्चों की लय, ताल और अभिव्यक्ति इतनी प्रभावशाली रही कि पूरा सभागार भावनाओं और उत्साह से भर उठा। कार्यक्रम ने साबित किया कि सही अवसर और मंच मिले तो दिव्यांग बच्चे भी अपनी प्रतिभा से किसी से कम नहीं हैं।

डीएम ने दिव्यांग बच्चों को दी सहायक सामग्री

कार्यक्रम के दौरान डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह के साथ 12 दिव्यांग बच्चों को कान की मशीन और 2 बच्चों को व्हीलचेयर प्रदान की। डीएम के निर्देश पर मौके पर ही मशीनों के उपयोग की ट्रेनिंग देकर बच्चों और अभिभावकों को आवश्यक जानकारी भी उपलब्ध कराई गई।

अक्रिय धाम आश्रम में आज होगा प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण शिविर, किसानों को मिलेगा विशेषज्ञ मार्ग दर्शन

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग और इसके दुष्प्रभावों को देखते हुए गुरुवार को अक्रिय धाम आश्रम, पुल खमरिया (ब्लॉक ललौरीखेड़ा) में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने हेतु एक दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9:30 बजे होगा। इस दौरान लोक भारती ब्रज प्रदेश के संरक्षक, महामंडलेश्वर एवं बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद महाराज मुख्य मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित रहेंगे।आयोजकों ने बताया कि प्राकृतिक खेती किसानों के लिए लागत घटाने के साथ-साथ स्वास्थ्य संरक्षण और पर्यावरण सुधार का भी माध्यम बनती जा रही है। रासायनिक खाद रहित खेती आज की बड़ी आवश्यकता है। इससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और समाज को विषमुक्त तथा पौष्टिक भोजन प्राप्त होता है।

शिविर में प्रतिभागियों को घरों में छोटी-छोटी क्यारियों और गमलों में जैविक तरीके से फल-सब्जियां उगाने की तकनीकें भी सिखाई जाएंगी। इसके अलावा जैविक खाद, जीवामृत, घनजीवामृत जैसे प्राकृतिक घोल तैयार करने की व्यावहारिक विधि का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्राकृतिक खेती के विशेषज्ञ श्री कृष्ण चौधरी, राष्ट्रीय संपर्क प्रमुख संजय उपाध्याय और पूर्व प्रांतीय संयोजक एडवोकेट बालमुनी कश्यप किसानों को प्रशिक्षण देंगे और उनके अनुभव साझा करेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में लोक भारती जिला संयोजक दुर्गा प्रसाद गंगवार, सहसंयोजक दीपक अग्रवाल, एडवोकेट नागेंद्र प्रताप सिंह, मीडिया संयोजक श्रवण सिंह जयसवार, कार्यक्रम संयोजक डॉ. बांकेलाल गंगवार और प्रेम शंकर प्रजापति सहित सभी कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

लोक भारती ने किसानों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में उपस्थित होकर प्राकृतिक खेती की विधियों को सीखें और स्वस्थ समाज व स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण में सहयोग दें। विशेषज्ञों का कहना है कि प्राकृतिक खेती अपनाने से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, उत्पादन लागत कम होती है और समाज को सुरक्षित, जैविक तथा स्वास्थ्यवर्धक भोजन उपलब्ध होता है। इस प्रशिक्षण शिविर से किसान प्राकृतिक खेती के व्यावहारिक तरीकों को अपने खेतों और घरों में लागू कर सकते हैं।

कस्बा न्यूरिया में रेस्क्यू अभियान

चार बाल श्रमिक मुक्त, एक बालक बाल सेवा योजना हेतु चिन्हित

जिलाधिकारी के निर्देश पर संयुक्त टीम की बड़ी कार्रवाई

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

बाल श्रम उन्मूलन अभियान के तहत बुधवार को कस्बा न्यूरिया में चलाये गये विशेष रेस्क्यू अभियान में चार बाल श्रमिकों को बचाकर बाल श्रम से मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई जिलाधिकारी के आदेश तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुराग श्याम रस्तोगी के निर्देशन में की गई। अभियान के दौरान टीम ने कस्बे के विभिन्न प्रतिष्ठानों मैकेनिक शॉप, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों, कपड़ा दुकानों, किराना स्टोर और स्टील वर्क्स पर छापेमारी की।

इसमें चार नाबालिग बच्चों को श्रम कार्य में संलग्न पाया गया, जिन्हें तत्काल रेस्क्यू कर वर्चुअल माध्यम से बाल कल्याण समिति पीलीभीत के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति ने सभी बच्चों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।अभियान के दौरान एक बालक को बाल सेवा योजना में शामिल करने हेतु भी चिन्हित किया गया।

टीम ने बाल श्रम निषेध कानून के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम 2016 के तहत खतरनाक कार्यों में बाल श्रम कराए जाने पर सेवायोजक को एक वर्ष तक की कैद, 50,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

इसके अलावा प्रति बाल श्रमिक 20,000 रुपये की वसूली चाइल्ड लेबर वेलफेयर फंड हेतु की जाएगी। यदि परिजन चेतावनी के बाद भी बच्चों को कार्य में लगाते पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ भी दंडात्मक कार्रवाई होगी।

संयुक्त कार्रवाई में शामिल अधिकारी एवं टीम श्रम प्रवर्तन अधिकारी शशिकला, चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक निर्वान सिंह, डीसीपीयू परामर्शदाता अभिषेक शुक्ला, थाना एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग प्रभारी निरीक्षक गोविंद सिंह, अमित कुमार सहित टीम ने पूरे अभियान के दौरान सक्रिय रहकर बाल श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की और बाल श्रम उन्मूलन के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई।

एक्सप्रेस खबरें...

अनुज अग्रवाल को 'पूरनपुर गौरव सम्मान'

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। नगर पालिका परिषद पूरनपुर द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में नगर के युवा अनुज अग्रवाल को एम.डी. (चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर) बनने पर फ़पूरनपुर गौरव सम्मानफ़ से सम्मानित किया गया। लक्ष्मी नारायण गर्ग के पौत्र एवं संजीव अग्रवाल 'हैप्पी' के सुपुत्र अनुज अग्रवाल ने अपनी उपलब्धि और कड़ी मेहनत के दम पर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।समारोह के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष और अग्रवाल समाज के प्रमुख सदस्यों ने अनुज अग्रवाल को शॉल व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। नगर में इस उपलब्धि को लेकर खुशी का माहौल रहा। अग्रवाल समाज की ओर से भी उन्हें विशेष सम्मान प्रदान किया गया।कार्यक्रम में अशोक गर्ग, नवीन अग्रवाल, संगीता सिंघल, दीपक अग्रवाल, अनुज खंडेलवाल, सत्या, अनीता, सोनम, प्रीति, सिम्मी, अनिल अग्रवाल, रिंकू अग्रवाल, नीरज गुप्ता, ब्रजेश गुप्ता, सुनील अग्रवाल, अंकित अग्रवाल सहित समाज के अनेक सम्मानित लोग उपस्थित रहे। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि अनुज अग्रवाल जैसे युवाओं की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और पूरनपुर का गौरव बढ़ाने वाली है।

ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली के विरोध में पंचायत सचिवों का प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। ब्लॉक परिसर में बुधवार को पंचायत सचिवों ने ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। सचिवों ने कहा कि शासन द्वारा लागू की गई यह व्यवस्था व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि कई सचिवों को एक से अधिक ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है, ऐसे में दिन में तीन बार पंचायत भवन पहुंचकर चेहरा स्कैन कर उपस्थिति दर्ज करना संभव नहीं है। सचिवों ने ब्लॉक कार्यालय के बाहर बैठक कर नारेबाजी की और अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने की बात कही। सचिवों ने बताया कि खराब मौसम, दूरस्थ पंचायतों तथा समय की कमी के कारण यह व्यवस्था और अधिक कठिनाइयां पैदा करेगी। प्रदर्शन में अवनीश कुमार वर्मा, विजय कुमार, मंजुल मिश्रा, सुबोध कुमार सहित बड़ी संख्या में पंचायत सचिव मौजूद रहे। सचिवों ने चेतावनी दी कि यदि आदेश वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा।

पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त कार्रवाई

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। अवैध कच्ची शराब पर रोक लगाने के लिए पुलिस और आबकारी विभाग ने मंगलवार को संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो गांवों में छापेमारी की। इस दौरान एक महिला को गिरफ्तार किया गया, जबकि कई आरोपी मौके से फरार हो गए। थाना घुंघचाई क्षेत्र में प्रभारी निरीक्षक जयशंकर सिंह व आबकारी निरीक्षक रोहित शर्मा, आशुतोष तिवारी की टीम ने गांव सिकरहना में छापा मारा। पुलिस पहुंचते ही आरोपी फरार हो गए, लेकिन उनके घर से 60 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई। इसके बाद टीम ने गांव उदरहा में दबिश दी, जहां से एक महिला सोनी को गिरफ्तार किया गया। उसके घर से पांच लीटर अवैध शराब बरामद की गई। पुलिस ने पकड़ी गई महिला सोनी और फरार आरोपियों विनोद, प्रमोद एवं वेदप्रकाश के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। आबकारी निरीक्षक रोहित शर्मा ने बताया कि महिला को जेल भेज दिया गया है और फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। कार्रवाई के बाद शराब माफिया में हड़कंप मचा है।

पुलिस और पशु तस्कर के बीच मुठभेड़

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। पूरनपुर शेरपुर मार्ग पर मंगलवार शाम पुलिस और एक कुख्यात पशु तस्कर के बीच मुठभेड़ हो गई। चेकिंग के दौरान जब पुलिस ने संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लग गई और वह गिर पड़ा। घायल आरोपी बिलाल पुत्र छोटे निवासी शेरपुर कलां को पुलिस ने मौके से पकड़कर सीएचसी में भर्ती कराया। पुलिस के मुताबिक बिलाल एक नामजद पशु तस्कर है, जिस पर गौवंश वध के छह गंभीर मुकदमे दर्ज हैं और दो बार गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी की जा चुकी है। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने एक 315 बोर तमंचा, दो कारतूस, दो खोखे और बिना नंबर की बाइक भी बरामद की। अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया ने बताया कि कुख्यात तस्कर की गिरफ्तारी से क्षेत्र में पशु तस्करी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा।

शमशान घाट की उपेक्षा से ग्रामीण परेशान, घास-फूस और झाड़ियां बनीं बाधा

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। द्क्षेत्र के ग्राम खांडेपुर स्थित शमशान घाट अव्यवस्था और उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। स्थल पर चारों ओर घास-फूस व झाड़ियां खड़ी होने के कारण ग्रामीणों को अंतिम संस्कार करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शवयात्रा को ले जाने वाली राह पूरी तरह अवरुद्ध हो चुकी है। ग्राम प्रधान निर्मल सिंह ने बताया कि कई बार इसकी शिकायत संबंधित विभाग से की गई, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। जिसके चलते लोगों को अंतिम संस्कार कराने के लिए घास-फूस, कंटीली झाड़ियों और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द शमशान घाट की साफ-सफाई और मार्ग को सुगम बनाने की मांग की है, ताकि अंतिम संस्कार जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लोगों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

बंद घर में मिला युवक का शव-तेज बदबू से मचा हड़कंप

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी। थाना तिकुनिया क्षेत्र के बागिया मोहल्ला स्थित एक बंद घर में नरेंदर पंथ का सड़ा हुआ शव बरामद हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटकर हत्या की पुष्टि हुई है। यह मामला तब सामने आया जब पड़ोसियों को घर से दुर्गंध आने लगी।घर का ताला बाहर से लगा हुआ था, जिससे संदेह हुआ। पड़ोसियों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर थाना तिकुनिया पुलिस मौके पर पहुंची और घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। नरेंदर पंथ का शव चारपाई के नीचे सड़ी-गली अवस्था में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हत्या की पुष्टि होने के बाद, थाना तिकुनिया पुलिस अब मामले की गहन जांच में जुट गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने और अन्य सभी पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है ताकि आरोपियों तक पहुंचा जा सके।

बरखेड़ा पुलिस ने अंतर्राज्यीय अफीम तस्करों को धर-दबोचा, 1104 ग्राम अफीम बरामद

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने और अपराध नियंत्रण को मजबूत बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान में थाना बरखेड़ा पुलिस को बुधवार को बड़ी सफलता मिली। पुलिस ने झारखंड के दो अंतर्राज्यीय तस्करों को 1104 ग्राम अवैध अफीम, दो मोबाइल फोन और 1770 रुपये नकद के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव और अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बीसलपुर प्रगति चौहान के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर से पुख्ता सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने भोपतपुर रेलवे स्टेशन के दूसरी तरफ नहर किनारे स्थित पुलिया के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में संजय दांगी पुत्र परमेश्वर दांगी, निवासी ग्राम दरियातु, पोस्ट कमता, थाना चतरा, जिला चतरा (झारखंड) और मनीषा कुमारी पुत्री रंजीत रजक, निवासी ग्राम उन्टा, पोस्ट उन्टा, थाना चतरा, जिला चतरा (झारखंड) शामिल हैं। पुलिस ने उनकी तलाशी लेने पर 1104 ग्राम अवैध अफीम, दो स्मार्टफोन, 1770 रुपये नगद, एक बैग और एक महिला हैंडबैग बरामद किया। बरामदगी के आधार पर थाना बरखेड़ा में मुकदमा संख्या 442/2025, धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपियों को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तारी में मुख्य भूमिका निभाने वाली पुलिस टीम में व.उ.नि. महेंद्र सिंह, उ.नि. अंकित यादव, कांस्टेबल अंकित यादव, महिला कांस्टेबल मेघा शर्मा और महिला कांस्टेबल सीमा शर्मा शामिल रही।

क्षेत्राधिकारी बीसलपुर प्रगति चौहान ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी पूरी कड़ाई से जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बरखेड़ा पुलिस की यह कार्रवाई न केवल तस्करों के लिए चेतावनी है बल्कि आम जनता के लिए सुरक्षा का भरोसा भी बढ़ाने वाली है। उन्होंने कहा कि इस तरह की सक्रिय कार्रवाई से जिले में नशे और मादक पदार्थों की तस्करी पर पूरी तरह लगाम लगाई जाएगी।

एसआईआर कार्य पूर्ण करने पर उत्कृष्ट बीएलओ सम्मानित

सदर एसडीएम ने बढ़ाया उत्साह, सार्वजनिक रूप से सराहना

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

एसआईआर कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने वाले उत्कृष्ट बीएलओ को बुधवार को सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह सदर तहसील सभागार में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता सदर एसडीएम अश्वनी कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर एसडीएम रचना ओझा, सदर तहसीलदार मुकेश पटेल और तहसील प्रशासन के अन्य अधिकारी भी विशेष रूप से मौजूद रहे। अधिकारियों ने बीएलओ के कठिन परिश्रम और जिम्मेदारी से किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बीएलओ लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मतदाता सूची संशोधन और सर्वेक्षण कार्य को सटीकता से पूरा करना चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन बीएलओ ने समय-सीमा में उत्कृष्ट कार्य कर प्रशासन का मान बढ़ाया है। सम्मान समारोह में बीएलओ को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सम्मानित होने वालों में दुर्गा देवी, सुरेश चंद्र मिश्रा (प्राथमिक विद्यालय कोटरा), गायत्री देवी (उच्च प्राथमिक विद्यालय लल्ता बेहड़), मीनू राठौर (प्राथमिक विद्यालय प्रतापपुर कक्ष संख्या-1), सर्वेश कुमारी (प्राथमिक विद्यालय बौठा कक्ष संख्या-1) और विकास गुप्ता (प्राथमिक विद्यालय धुमरा) जैसे कई बीएलओ शामिल थे। इन सभी ने अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

अधिकारियों ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम न केवल कर्मठ कर्मचारियों का सम्मान करते हैं, बल्कि दूसरों को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी इसी जिम्मेदारी की भावना के साथ कार्य करने की अपील की। तहसील प्रशासन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम बीएलओ के लिए एक यादगार पल बन गया, जहाँ उनके कर्तव्यनिष्ठ कार्य के लिए सार्वजनिक रूप से सराहना और सम्मान किया गया।

केंद्रीय विद्यालय में पौधरोपण कर मनाया जन्मदिन

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी। जनपद में पलिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बरेलीफ़ार्म एस एस बी कैम्प में स्थित केंद्रीय विद्यालय के छात्र दानियाल ख़ान ने अपना जन्मदिन स्कूल प्रांगड़ में लीची का पौधा रोपकर मनाया और उन्होंने बताया कि यदि पेड़ पौधे नहीं होंगे तो जीवन संभव नहीं है। बताते चलें संपूर्णानगर खीरी समाजसेवी एवं पर्यावरण प्रेमी डॉ आई ए ख़ान के पर्यावरण प्रेमी बच्चे मिस्बाह और दानियाल प्रत्येक वर्ष अपने जन्मदिन दिवस तथा पर्यावरण दिवस आदि मौकों पर ज़्यादा से ज़्यादा पौधे लगाते हैं और लोगों को उपहार स्वरूप भेंट करते हैं प्रत्येक वर्ष अपने गुल्लक के पैसे लोगों की सेवा में लगाते हैं पिछले साल बच्चों ने अपने गुल्लक के पैसे से सभी धार्मिक स्थलों और सरकारी संस्थानों में पौधे लगाए एवं बाटे थे बच्चे मतदाताओं को जागरूक करने का भी काम करते हैं कोरोना काल के दौरान समाजसेवी बच्चों ने क्षेत्र में कोरंटीन लोगों को थाना संपूर्णानगर के माध्यम से कई कुन्तल संतरे बाटे थे। केंद्रीय विद्यालय के शिक्षकों ने दानियाल के कार्य की प्रसंशा की तथा प्राचार्य श्री योगेन्द्र कुमार ने पेड़ पौधों के महत्व पर प्रकाश डाला और बच्चो को पेड़ पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया।

कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं व नगर, ब्लॉक अध्यक्षों की मासिक बैठक

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं व नगर, ब्लॉक अध्यक्षों की मासिक बैठक कांग्रेस भवन पर जिला अध्यक्ष प्रहलाद पटेल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रविप्रकाश वर्मा की गरिमामई उपस्थिति रही। उक्त बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद आज की मासिक बैठक का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस को मजबूत बनाना है। पार्टी की विचारधारा और निति को आमजन तक पहुंचाना भी लक्ष्य है। आगामी पंचायत चुनाव के मद्दे नजर संगठन को अभी से जिला पंचायत चुनाव के प्रत्याशी चिह्नित कर जिले की सभी सीटों पर तैयारी शुरू करनी होगी। साथ ही ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत सदस्य के अधिक से अधिक प्रत्याशी लड़ाए जाने चाहिए इससे आने वाले विधान सभा चुनाव में काफी आसानी होगी। साथ ही वर्मा ने वर्तमान में चल रही स्ढ्ढक्रप्रक्रिया में भी सभी को सजग रहना होगा। अपने अपने बूथों पर नजर बनाए रखें प्रयास यही होना चाहिए कि सभी लोगों के फार्म भर कर जमा कराए। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत अभी तक मंडल कमेटियों का गठन लगभग ब्लाकों में हो चुका है जो शेष है वो अतिशीघ्र बनाए इसमें किसी भी प्रकार की हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी साथ ही बूथ कमेटियों पर भी जोर देते हुए कहा कि जिन विधानसभाओ की बूथ कमेटियां अभी कंप्लीट नहीं है वो भी अति शीघ्र तैयार कर ले। पार्टी पंचायत चुनाव को लेकर गंभीर है हम सभी को अभी से जुटना होगा। बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष मोहन चंद्र उप्रेती ने किया। उक्त जानकारी कांग्रेस प्रवक्ता रवि तिवारी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी। उक्त बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित महिला कांग्रेस अध्यक्ष मंजू मिश्रा, मोहन चंद्र उप्रेती, रवि तिवारी, रईस अहमद उस्मानी, कोमल सिंह, सुशील शुक्ला, अन्नू मिश्रा, प्रेम वर्मा, गुड्डू अख्तर, तेज पाल गुप्ता, वरुण चौधरी, राजेंद्र गुप्ता, आफताब अहमद, राकेश मिश्रा मतीन शाह, रघुनंदन राजवंशी, नन्द किशोर, लतीफ आजम, सलीम, अंकित वर्मा किरण पटेल, सरोजनी अवस्थी आदि।

झंडी स्टेट के राजा राज राजेश्वर सिंह ने किया निघासन मेले का भूमि पूजन

जन एक्सप्रेस। निघासन खीरी। झंडी रोड स्थित नंदीश्वर बाबा के समीप आयोजित होने वाले रामलीला महोत्सव निघासन का भूमिपूजन परंपरानुसार झंडी स्टेट के राजा व भाजपा के प्रदेश संयोजक राज राजेश्वर सिंह द्वारा बुधवार को विधि-विधान के साथ सम्पन्न किया गया। साल 2016 से इस मेले की शुरुआत पंचकुंडीय गायत्री यज्ञ के साथ होती आई है तब से लेकर आज तक मेला हर वर्ष सकुशल एवं गरिमामय तरीके से आयोजित होता आ रहा है। भूमिपूजन उपरांत संबोधित करते हुए राजा राज राजेश्वर सिंह ने कहा कि निघासन में आयोजित होने वाला यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि सामाजिक सद्भाव का भी अद्भुत उदाहरण है। मेले में गरीब कन्याओं का विवाह कराया जाना एक महान एवं पुण्य कार्य है। शायद ही कहीं इस प्रकार का आयोजन देखने को मिलता हो। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री विनोद लोधी, व्यापार मंडल अध्यक्ष आनंद चतुर्वेदी, प्रदीप गुप्ता, मुन्नी देवी, मोनू दीक्षित, विनोद सिंह समेत गायत्री पत्रकार संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बाराहीं देवी मेला की विधि विधान से पूजन अर्चना के साथ तैयारियां शुरू

जन एक्सप्रेस। जालौन

हवन पूजन करते सदर विधायक व पालिकाध्यक्ष

उरई। हर वर्ष नगर की पहचान तथा गंगा जमुना तहजीब का प्रतीक श्री बाराही देवी मेला प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। नगर पालिका परिषद द्वारा आयोजित मेला एवं विकास प्रदर्शनी का आज विधि विधान से पूजन अर्चना की गयी। पूजन के साथ ही आयोजन की तैयारियां शुरू हो जायेगी। नगर में प्रतिवर्ष श्रीबाराहीं देवी मेला मैदान (फौजी पड़ाव की भूमि) पर श्रीबाराहीं देवी मेला का आयोजन किया जाता है। यह मेला इस मायने में और भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यह मेला गंगा जमुनी तहजीव की मिसाल बना हुआ है। मेला मैदान में श्रीबाराहीं देवी मंदिर के साथ ही उसी के बगल में मजार भी स्थित है। प्रतिवर्ष नगर पालिका द्वारा श्रीबराहीं देवी मंदिर पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन एवं मजार पर अकीदत के साथ चादर चढ़ाई जाती रही है। पूजन व चादर चढ़ाने के बाद मेले के आयोजन की गतिविधियां शुरू हो जाती हैं। बुधवार को पालिका अध्यक्ष नेहा मित्तल, ईओ सुशील कुमार दोहरे ने अपने साथी सभासदों व क्षेत्रीय विधायक गौरीशंकर वर्मा व उप जिलाधिकारी हेमंत पटेल के साथ मेला परिसर में बने श्री बाराही देवी पर पूजा अर्चना कर मेले के आयोजन की शुरुआत कर दी है। बाराही के मौके पर पूजन के बाद मेला एवं विकास प्रदर्शनी के आयोजन की तैयारियां शुरू हो जायेगी। मेला को आकर्षक बनाने के लिए नगर पालिका परिषद प्रयास कर रही है। इसके साथ मेले में दुकानें लगाने वाले दुकानदारों को कोई असुविधा न हो इसका प्रयास किया जाएगा। मेला की तैयारियों के पूर्ण होने के बाद मेला का उद्घाटन कराया जायेगा। इस मौके पर अध्यक्ष प्रतिनिधि पुनीत मित्तल, जेई प्रवीण कुमार, सभासद रवि कुशवाहा, अन्नू शर्मा, हर्षित श्रीवास्तव, सतीश सेंगर, जयकरन, ललित शुक्ला, विक्की श्रीवास्तव, लक्ष्मीकांत शाक्य, ईलू, मलखान दोहरे, मनुराज तिवारी, अनिल कुशवाहा, कमलेश त्रिपाठी समेत सभासद व नगर पालिका कर्मचारी सम्मलित रहे।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण दिवस पर हुआ उपकरण वितरण

- दिव्यांगजन हमारे समाज के सम्मानित सदस्य: जिलाधिकारी
- दिव्यांगता कमजोरी नहीं, दृढ़ इच्छाशक्ति की पहचान: एसपी

जन एक्सप्रेस। जालौन

दिव्यांग बच्चों को उपकरण देते डीएम व एसपी

उरई। बुधवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण दिवस पर जनसमूह के बीच दिव्यांग जनों को 100 मानसिक किट, 5 कान की मशीन, 5 व्हीलचेयर सहित विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए। जिलाधिकारी कहा कि दिव्यांगजन हमारे समाज के सम्मानित सदस्य हैं। उनमें असीम संभावनाएं हैं जिन्हें पहचानने और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना है। जनपद में नियमित रूप से शिविर लगाकर पात्र लाभार्थियों को उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शासन का प्रयास है कि कोई भी दिव्यांगजन बंचित न रहे। समाज में सभी को उनका हक और सम्मान मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगामी शिविरों का आयोजन और अधिक व्यापक स्तर पर किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। पुलिस अधीक्षक डा. दुर्गेश कुमार ने कहा कि दिव्यांगता कमजोरी नहीं, दृढ़ इच्छाशक्ति की पहचान है, दिव्यांगता किसी व्यक्ति की योग्यता को कम नहीं करती। अनेक दिव्यांगजन अपने अदम्य साहस से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में मिसाल कायम कर रहे हैं। समाज का दायित्व है कि वह उनके साथ संवेदनशीलता और सहयोग का व्यवहार करे। पुलिस विभाग सदैव आपकी सुरक्षा और सहायता के लिए तत्पर है।

कालपी कालेज कालपी के परीक्षाकक्ष में परीक्षा देते परीक्षार्थी

विश्व विद्यालयी परीक्षाओं में आंतरिक उड़ाका दल रहा सक्रिय

जन एक्सप्रेस। जालौन

कालपी। बुन्देलखण्ड विश्व विद्यालय की सत्र 2024-25 की वार्षिक परीक्षाओं को नकलविहीन तथा शांति पूर्वक निपटाने के उद्देश्य से कालपी कॉलेज कालपी में आंतरिक उड़ाका दल को सक्रिय किया गया है। कालपी कॉलेज कालपी परीक्षा केंद्र के केंद्र प्रभारी व प्राचार्य डॉक्टर मधु प्रभा त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए अवगत कराया है कि परीक्षा केंद्र में शांतिपूर्वक एवं नकल विहीन परीक्षाएं संपन्न कराने के लिये गठित आंतरिक उड़ाया दल की सघन जांच करने के बाद ही परीक्षार्थी को परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बुधवार को तृतीय पाली की परीक्षाएं 2.30 वजे से 4.30 बजे के बीच सम्पन्न हुई। जिन में बीए 5 सेमेस्टर अर्थशास्त्र की परीक्षा में 1 परीक्षार्थी की मौजूदगी रही। द्वितीय पाली बीए थर्ड सेमेस्टर परीक्षा में 43 परीक्षार्थी शामिल हुए। जबकि तृतीय पाली एमए थर्ड सेमेस्टर राजनीति शास्त्र परीक्षा में 13 परीक्षार्थी शामिल हुए। नकल विहीन परीक्षाएं संपन्न कराने के लिए सभी कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की गई है। डाक्टर सोम चौहान, कीर्ति पुरवार, डा. धर्मेंद्र पाल सिंह, डाक्टर विनीत चतुर्वेदी, डा. राजेंद्र सिंह आदि शिक्षक मौजूद रहे।

ओवरलोड स्लीपर बसों के खिलाफ व्यापक स्तर पर चला अभियान

- उप परिवहन आयुक्त झांसी के निर्देश पर 22 स्लीवर बसों पर गिरी गाज

जन एक्सप्रेस। जालौन

स्लीपर बसों की चेकिंग करते एआरटीओ

उरई। उप परिवहन आयुक्त झांसी परिक्षेत्र, झांसी केडी सिंह गौर के सख्त निर्देशों के बाद 2 दिसम्बर, 2025 की रात्रि से लम्बी दूरी की स्लीपर बसों में अनुमन्य क्षमता से अधिक सवारियां ढोने वाली बसों के विरुद्ध व्यापक प्रवर्तन अभियान शुरू हुआ। उप परिवहन आयुक्त द्वारा अवगत कराया गया कि झांसी परिक्षेत्र के जनपदों में उनके भ्रमण और पर्यवेक्षण के दौरान उन्हें लगातार यह शिकायतें मिल रही थीं कि झांसी, उरई, बांदा, हमीरपुर, और महोबा जनपदों से बड़ी संख्या में स्लीपर बसें कोटा, सूरत, अहमदाबाद, और दिल्ली जातीं हैं जिनमें बस की सीट क्षमता से दोगुनी सवारियां ले जाई जा रहीं हैं। उप परिवहन आयुक्त ने इस फीड बैक के आधार पर पूरे झाँसी परिक्षेत्र के पाँच जनपदों में बसों की ओवरलोडिंग के खिलाफ व्यापक और सघन प्रवर्तन अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं, जिसके फलस्वरूप बीती रात्रि में झांसी, उरई, बांदा, महोबा और अन्य जनपदों में कुल 22 बसों का चालान किया गया। उप परिवहन आयुक्त केडी सिंह गौर द्वारा यह भी निर्देश निर्गत किये गये हैं कि उक्त अभियान औचक रूप से चलेगा और इसका पर्यवेक्षण वह स्वयं सड़क पर उतर कर करेंगे।

दुखी परिजनों को सांत्वना देते जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत डीएम, एसपी की गहरी संवेदना

- शोक में डूबे परिजनों से मिल बंधाया ढांढस

जन एक्सप्रेस। जालौन

उरई । जनपद में मंगलवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे पर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए घटना का संज्ञान लिया। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सुबह राजकीय मेडिकल कॉलेज के पोस्टमार्टम हाउस पहुँचकर मृतक किशोरों के परिजनों से मुलाकात की और अपनी संवेदना व्यक्त कर परिजनों से मिल बंधाया ढांढस। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है और जिला प्रशासन शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करता है।मंगलवार रात थाना सिरसा कलार क्षेत्र के ग्राम गधेला में यह हादसा उस समय हुआ जब 11 कुंडीय यज्ञ-भागवत कथा के भंडारे से लौट रहे तीन किशोर तेज रफ्तार बाइक से अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे हो गए और तीनों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है तथा हादसे के कारणों की जांच जारी है।

रामनगर गांव में तालाब पर अवैध निर्माण का युवक ने लगाया आरोप

जन एक्सप्रेस। जालौन

माधौगढ़ । माधौगढ़ तहसील क्षेत्र के रामनगर गांव में तालाब पर किए जा रहे कथित अवैध निर्माण को लेकर स्थानीय निवासी एक युवक ने गंभीर आरोप लगाते हुए प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। युवक ने तहसील पहुंचकर उप जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा और इसके साथ ही मामला सीएम पोर्टल पर भी दर्ज कराया है। शिकायतकर्ता ने अपने पत्र में बताया कि गांव के प्रमुख तालाब के किनारे कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा है। आरोप है कि निर्माण के कारण न केवल तालाब की प्राकृतिक संरचना को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि गांव के आम रास्ते तक अवरुद्ध हो गए हैं, जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। युवक का कहना है कि तालाब सार्वजनिक संपत्ति है, जिस पर कब्जा या निर्माण कराना पूरी तरह अवैध है। इस मामले में कई बार ग्रामीणों ने रोकने का प्रयास भी किया, लेकिन निर्माण कार्य जारी है। परेशान होकर युवक ने इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों तक पहुंचाई।

ओटीएस योजना में संपूर्ण ब्याज माफ के साथ मूलधन में 25 प्रतिशत की छूट

ओटीएस योजना की उपभोक्ताओं को जानकारी देते विभागीय अधिकारी

- जोल्हूपुर, सिकन्ना, पिपरौंधा में शिविर लगा वसूला राजस्व

जन एक्सप्रेस। जालौन

कालपी। शासन के द्वारा प्रारंभ की गई बिजली राहत योजना 2025 को आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से उपखंड अधिकारी धर्मेंद्र सिंह सचान के निर्देश में जोल्हुपुर, सिकन्ना तथा पिपरौंधा में शिविर लगाकर जानकारियां देकर राजस्व वसूली की गई। बुधवार को ग्राम जोल्हूपुर में अवर अभियंता सत्य प्रकाश के नेतृत्व में आयोजित ओटीएस शिविर में उपभोक्ताओं को जानकारियां देकर योजना के फायदे बतलाए तथा डेढ़ लाख रुपये राजस्व वसूला गया। इस दौरान लालू लाइनमैन समेत लाइनमैन तथा कर्मचारी मौजूद रहे। इसी क्रम में तहसील क्षेत्र के ग्राम पिपरौंधा में न्यामतपुर सबस्टेशन के अवर अभियंता नवीन सचान के नेतृत्व में राहत शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने उपभोक्ताओं को अवगत कराया है कि शासन द्वारा शुरू की गई ओटीएस योजना के अंतर्गत पहली बार संपूर्ण ब्याज माफ की व्यवस्था की गई है। तथा मूलधन में 25 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इसी तारतम्य में दुर्गम स्थान में बसे सीकन्ना ग्राम में इंजीनियर भूपेंद्र सिंह की अगवाई में शिविर का आयोजन किया गया। वहां पर विभागीय कर्मचारियों ने उपभोक्ताओं से रूबरू होकर योजना का लाभ उठाने का आवाहन किया। उपखंड कार्यालय में एसडीओ धर्मेंद्र सिंह ने ओटीएस के फायदे बताए शिविरों के माध्यम से राजस्व की वसूली हुई। उन्होंने बताया कि ओटीएस योजना को लेकर बकायदार उपभोक्ताओं में जागरूकता हो।

बम्बा रोड से छठी माता मंदिर जाने वाले मार्ग पर अवैध अतिक्रमण

- लोकतंत्र सेनानी ने डीएम से अतिक्रमण हटाने की मांग

जन एक्सप्रेस। जालौन

उरई। बम्बा रोड से छठी माता मंदिर तक जाने वाले लगभग 20 फीट चौड़े मार्ग पर हो रहे अतिक्रमण और निर्माण को लेकर नगर के एक सेवानिवृत्त अध्यापक एवं लोकतंत्र सेनानी ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की है। नगर के मोहल्ला घुआताल निवासी सेवानिवृत्त अध्यापक एवं लोकतंत्र सेनानी रामेश्वर दयाल निगम ने डीएम राजेश पांडेय को शिकायती पत्र भेजकर लिखा कि बम्बा से छठी माता मंदिर की ओर यह मार्ग पिछले लगभग 18दृ20 वर्षों से आम रास्ते के रूप में उपयोग होता चला आ रहा है। मार्ग पर इंटरलॉकिंग भी पड़ी हुई है और यह छठी माता मंदिर से होते हुए जालौनदृहरदोई गुर्जर मार्ग से जुड़ता है। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए यह मार्ग प्रमुख है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस रास्ते से मंदिर तक पहुँचते हैं और ग्रामीण इसे मुख्य संपर्क मार्ग के रूप में उपयोग करते हैं। आरोप लगाया गया है कि नगर पालिका द्वारा इस आम रास्ते पर अवैध निर्माण कराया जा रहा है, जिससे मार्ग अवरुद्ध होने की स्थिति बन रही है। यदि यह मार्ग बंद होता है तो श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। मंदिर तक जाने का अन्य मार्ग काफी दूर होने के कारण अधिकांश लोग इसी रास्ते का उपयोग करते हैं। उन्होंने मांग मांग करते हुए कहा कि इस मार्ग पर चल रहे निर्माण कार्य का तत्काल संज्ञान लिया जाए और किसी सक्षम अधिकारी से स्थलीय निरीक्षण कराकर अवैध निर्माण को रोका जाए, ताकि आम रास्ता अवरुद्ध न हो और जनहित सुरक्षित रहे।

एक्सप्रेस खबरें...

अरवल पुलिस ने हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

जनएक्सप्रेस। हरदोई। अरवल थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव में पारिवारिक विवाद के कारण अपने चचेरे भाई पर तबल/गड़ासे से प्रहार कर मरणासन्न करने बाले आरोपी युवक के खिलाफ हत्या के प्रयास में मुकदमा दर्ज करते हुए पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्राप्त विवरण के अनुसार बीते मंगलवार को अरवल थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव में पारिवारिक विवाद के चलते गांव निवासी रामजी पुत्र सोनपाल ने अपने चचेरे भाई अनन्तराम पुत्र धर्मपाल पर तबल/गड़ासे से प्रहार कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया गया था।घायल अनन्तराम को इलाज के लिए लखनऊ में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है।घायल की मां ऊषा पत्नी धर्मपाल की तहरीर पर पुलिस ने हत्या के प्रयास में मुकदमा दर्ज करते हुए घटना में प्रयुक्त तबल/गड़ासे सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।गिरफ्तारी टीम में थाना प्रभारी अमित सिंह,उपनिरीक्षक संतोष कुमार,हेड कांस्टेबिल आजाद प्रताप, कांस्टेबिल अंकुर कुमार,अवधेश कुमार,विवेक कुमार शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने जन सुनवाई में सुनी 48 जन शिकायतें

जनएक्सप्रेस। हरदोई। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा जन सुनवाई मे आज कुल 48 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। आज जन सुनवाई में 01 महिला को पारिवारिक लाभ योजना से तथा 03 को बाल सेवा योजना से जोड़ा गया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणावत्तापूर्ण ढंग से हो। राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिवेदी व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

चौथे दिन नगर पालिका परिषद ने निहालगंज में 92 बंदर पकड़कर जंगल में छुड़वाया

जनएक्सप्रेस/शाहाबाद। शाहाबाद नगर पालिका परिषद द्वारा बंदरों को पकड़ने का सिलसिला जारी है । बुधवार को सुबह 8ः00 बजे से दोपहर 12ः00 बजे तक 92 बंदरों को पकड़ा गया। इन सभी बंदरो को गोला के जंगल में छुड़वा दिया गया। नगर पालिका परिषद द्वारा नागरिकों की मांग पर बंदर पकड़वाने का कार्य किया जा रहा है। मथुरा से बंदर पकड़ने की एक टीम बुलाई गई है जो पिछले चार दिनों से बंदरों को पकड़ कर जाल में बंद कर रही है और शाम को पकड़े गए बंदरों को गोला के जंगलों में छुड़वाया जा रहा है। बड़ी संख्या में बंदर पकड़े जाने से क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली है।

संत रामभद्राचार्य और ब्राह्मण समाज पर अभद्र टिप्पणी का आरोपी गिरफ्तार

जनएक्सप्रेस। हरदोई। सोशल मीडिया पर संत रामभद्राचार्य तथा ब्राह्मण समाज के प्रति अभद्र व आपत्तिजनक टिप्पणियां करने वाले दिव्यांशु कुशवाहा को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उक्त मामले में भारतीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बुधवार की सुबह एसडीएम सवायजपुर को ज्ञापन देकर आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। ज्ञापन में बताया गया था कि दिव्यांशु कुशवाहा ने सोशल मीडिया पर स्टोरी लगाकर संत रामभद्राचार्य तथा ब्राह्मण समाज के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया, जिससे समाज में आक्रोश व्याप्त है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में लिया।पुलिस पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

विधायक रानू ने अपने बूथ पर पहुंचकर बीएलओ को किया सम्मानित

जन एक्सप्रेस। हरदोई

सवायजपुर के विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने मतदाता पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के अन्तर्गत भारी कार्यदबाव में अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे बूथ लेवल अधिकारी से मिलकर उनको प्रोत्साहित किया। विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने अपने पैतृक गांव स्थित बूथ संख्या 181 से 184 तक पहुँ?चकर राष्ट्रहित में निरंतर कार्यरत बीएलओ के कार्य की सराहना की और उनको सम्मानित किया।विधायक रानू ने बूथ लेवल अधिकारी बी.एल.ओ. आशीष श्रीवास्तव, श्यामू सिंह,अंजनी यादव और अनिल कुमार को उनकी कर्मठता और सेवाभाव के लिए सम्मानित किया।एसआईआर अभियान के दौरान कार्यदबाव से परेशान बीएलओ को कई बार दंडात्मक कार्यवाही का सामना करना पड़ा है और कुछ ने मानसिक तनाव में अनुचित कदम तक उठा लिए है। विधायक श्री रानू ने सभी बीएलओ को बिना दबाव के कार्य करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि उनकी हर समस्या के समाधान के लिए वो हर पल तैयार है। साथ ही उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में सभी कर्मियों का सहयोग करें। उनकी यह पहल प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए ऊर्जा का संचार करने वाली मानी जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि विधायक का यह प्रोत्साहन और अपनापन निश्चित ही उन्हें और अधिक प्रभावी ढंग से दायित्व निभाने की प्रेरणा देगा।

शाबाश पिहानी पुलिस: आभूषण व रुपये सहित गुम पर्स बरामद कर महिला को सौंपा

जन एक्सप्रेस। हरदोई

पिहानी पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए आभूषण व रुपये सहित एक महिला के गुम ह्यूए पर्स को बरामद कर सौंप दिया।महिला व उसके परिजनों ने पिहानी पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए काफी सराहना की बताते चलें कि बीती 02 दिसंबर को एक महिला ने पिहानी थाने पर सूचना दी कि कोडरा गांव से वापस घर जाते समय उसका पर्स कहीं गुम हो गया।जिसमें उसके आभूषण और रुपए थे।सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल ने पिहानी पुलिस टीम के साथ त्वरित कार्यवाही करते हुए महिला के पर्स को बरामद कर सकुशल सुपुर्द कर दिया।थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक लावारिस वैग ऑटो से मिला सामान को कुछ लोग आपस में बांटने की फिराक में हैं।सूचना को संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ऑटो से पर्स को अपने कब्जे में लिया। पुलिस को पर्स से कुछ जेवरात और नकदी (900 रुपए) बरामद हुए हैं, जो महिला का गुम हुआ पर्स था, जिसमें लगभग 3-4 लाख रुपये के आभूषण थे, जिसमें सोने के जेवरात भी शामिल हैं।

'ताजमहल की खूबसूरती आगरा के लिए श्राप'

जन एक्सप्रेस। आगरा

फतेहपुर सीकरी के सांसद राजकुमार चाहर ने आगरा में लागू टीटीजेड की पाबंदियों को लेकर संसद के शीतकालीन सत्र में मुद्दा उठाते हुए सरकार से आईटी हब बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे न सिर्फ युवाओं को रोजगार मिलेगा, बल्कि ताज की खूबसूरती भी बनी रहेगी। सांसद राजकुमार चाहर ने कहा कि आगरा में विश्व प्रसिद्ध ताजमहल है। उसकी खूबसूरती पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित करती है, लेकिन यही खूबसूरती आगरा की जनता के लिए एक तरह से श्राप बन गई है। ताज ट्रेपेजियम जोन (टीटीजेड) और एनजीटी के कड़े नियमों के कारण आगरा में उद्योग व फैक्ट्रियों की स्थापना लगभग असंभव हो गई है, जिसका सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह है कि आगरा का नौजवान बेरोजगारी का सामना कर रहा है। सांसद ने आगरा की भौगोलिक और सड़क कनेक्टिविटी को रेखांकित करते हुए कहा कि दिल्ली-आगरा एक्सप्रेसवे, लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे, आगरा-ग्वालियर नया एक्सप्रेसवे और आगरा-जयपुर मार्ग के कारण आगरा की देश के प्रमुख महानगरों तक पहुंच है।

अपराधियो पर नजर रखने के लिए ग्राम सुरक्षा समितियां सक्रिय: सीओ

जन एक्सप्रेस। हरदोई

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में मंगलवार को सीओ ने अलाव के साथ ग्राम चौपाल लगाकर अपराध पर काबू पाने व संदिग्ध लोगों के बारे में पुलिस को सूचना देने के लिए जागरूक किया गया।उन्होंने पुलिस व जनता के बीच मधुर संबंध बनाने पर जोर देते हुए ग्राम सुरक्षा समितियों को सक्रिय रहकर अपराधियो पर नजर बनाए रखने की अपील की। मंगलवार की रात सीओ सत्येंद्र सिंह ने हरपालपुर थाना क्षेत्र के पलिया व ककरा गांव में अलाव जलाकर ग्रामीणों के साथ ग्राम चौपाल लगाकर ग्राम प्रहरियों व ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यो से बातचीत की।उन्होंने कहा कि दिसंबर माह में सर्दी बढ़ने के साथ चोरी की घटनाओं में वृद्धि की संभावना ज्यादा रहती है।चौपाल में उन्होंने अपराध नियंत्रण के लिए मिशन शक्ति,साइबर अपराध और गांवों में सुरक्षा व्यवस्था,सीसीटीवी, प्रकाश व्यवस्था के महत्व पर जोर दिया हैं।सीओ ने ग्राम प्रहरियों को सीटी, डोरी और टॉर्च अपने पास रखने तथा रात 11 बजे से सुबह 4 बजे तक नियमित रूप से गांव में गश्त और चौकसी करने के निर्देश देते हुए संदिग्ध गतिविधियों और अनैतिक तत्वों पर सतर्क रहकर तत्काल पुलिस को सूचना देने को कहा गया हैं। साथ ही, ग्रामवासियों के बीच सुरक्षा जागरूकता फैलाने और गांव में किसी भी प्रकार की असामाजिक या आपराधिक सूचना पर तुरंत कार्रवाई के लिए पुलिस से संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया हैं।चौपाल के दौरान प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज और वरिष्ठ निरीक्षक अनिल सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

डीएम ने परतावल मंडी के धान क्रय केन्द्र का किया निरीक्षण

खरीद की गति तेज करने व लक्ष्य समय पर पूरा करने के दिए निर्देश

जन एक्सप्रेस। महराजगंज

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने आज परतावल मंडी के धान क्रय केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर खरीद की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने धान क्रय अभिलेख, निर्धारित चेकलिस्ट तथा केन्द्रों की तैयारियों को विस्तार से परखा। डिप्टी आरएमओ विवेक सिंह ने जिला अधिकारी को अवगत कराया कि परतावल मंडी तृतीय केन्द्र पर 43 किसानों से 167.24 मीट्रिक टन तथा चौथे केन्द्र पर 45 किसानों से 131.76 मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। उन्होंने बताया कि खाद्य विभाग की विपणन शाखा के दो, मंडी समिति के दो तथा भारतीय खाद्य निगम के एक सहित कुल सात धान क्रय केन्द्र संचालित हैं।

निरीक्षण के दौरान तृतीय केन्द्र पर किसान गंगा उपाध्याय (रामपुर) की लगभग 80 कुन्तल, तथा चतुर्थ केन्द्र पर किसान राजेन्द्र मिश्रा और उन्नय मिश्रा (मधवापुर) की लगभग 35-35 कुन्तल धान की तौल जारी थी। किसानों ने बताया कि पंजीकरण व बिक्री प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा। जिलाधिकारी ने केन्द्र प्रभारियों से भी जानकारी ली। बताया गया कि परतावल मंडी प्रथम पर राजकुमार पटेल की लगभग 175 कुन्तल, द्वितीय पर अलीरजा की लगभग 60 कुन्तल, कृषि उत्पादन मंडी समिति के प्रथम केन्द्र पर बलराम सिंह की लगभग 25 कुन्तल तथा द्वितीय पर शैलेष मिश्रा की लगभग 37 कुन्तल धान की तौल की जा रही थी।

किसानों से संवाद के दौरान कुछ किसानों ने अंश निर्धारण से संबंधित समस्या रखी, जिस पर जिलाधिकारी ने बताया कि इस समस्या से शासन को अवगत करा दिया गया है और इसका समाधान शीघ्र ही कराया जाएगा।

खरीद प्रक्रिया पर संतोष जताते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खरीद की गति को तेज किया जाए और किसानों से समयबद्ध व नीति अनुरूप खरीद सुनिश्चित की जाए। उन्होंने समस्याओं के त्वरित निस्तारण तथा किसानों से संपर्क कर उन्हें धान विक्रय हेतु प्रेरित करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान डिप्टी आरएमओ विवेक सिंह, एआर कोऑपरेटिव सुनील गुप्ता, एसडीएम प्रेम शंकर पांडेय, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी, केन्द्र प्रभारी अजीत कुमार पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

एएसपी ने की बैठक- थाने के पैरोकारों को बताया बेहतर पैरवी का गुण

जन एक्सप्रेस। प्रतापगढ़

जिले के पुलिस लाइन के सई काम्प्लेक्स में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी शैलेन्द्र लाल ने बुधवार को थानों के पैरोकारों संग बैठक की। इस दौरान उन्होंने उनके कार्यों की समीक्षा करते हुए बेहतर पैरवी के गुण बताए। समय से साक्षी व साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया।

थानों में लंबित एफआर की सूची तत्काल न्यायालय में दाखिल करने के लिए कहा। बैठक के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई तथा न्यायालयीय पैरवी, अभियोजन कार्य की गुणवत्ता,

समयबद्ध प्रस्तुतिकरण एवं लंबित प्रकरणों के प्रभावी निस्तारण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी पैरोकारों को दायित्वों के प्रति संवेदनशील, सतर्क एवं परिणामोन्मुखी कार्यशैली अपनाने हेतु निर्देशित किया गया, ताकि न्यायालयीय कार्यवाही में और अधिक पारदर्शिता तथा दक्षता सुनिश्चित की जा सके।

दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल, बैसाखी व स्मार्ट केन का वितरण

जन एक्सप्रेस। प्रतापगढ़

जिले में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर राजकीय अक्षम विद्यालय बढ़नी मोहनगंज में जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 25 ट्राई साइकिल, 10 बैसाखी व 15 स्मार्ट केन आदि का वितरण किया गया। उपकरण पाकर दिव्यांगों के चेहरे खिल उठे और उनकी खुशी देखने लायक थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी डा. दिव्या मिश्रा ने कहा कि दिव्यांगता अभिशाप नही बल्कि कुछ कर गुजरने की कुंजी है। स्टीफन हॉकिंस, हेलेन केलेन, सूरदास, अष्टावक्र, जगतगुरु रामभद्राचार्य, सुधा चंद्रा आदि दिव्यांग महान विभूतियों का जिक्र करते हुए कहा कि अपने ऐतिहासिक खोज और कार्यों के कारण आज पूरी दुनिया इनका लोहा मानती है और पूरी दुनिया में ये लोग प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि समाज में लगभग हर व्यक्ति किसी न किसी चीज से कमजोर है इसीलिए सब में दिव्यांगता पाई जाती है। इससे हौसला बना कर पार पाने की जरूरत है। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी आशीष द्विवेदी ने कहा कि किसी भी दिव्यांग को उपकरण या पेंशन, के लिए भटकना नही पड़ेगा क्योंकि कि उत्तर प्रदेश एवं केंद्र सरकार ने दिव्यांगों के लिए पर्याप्त मात्रा में संसाधन उपलब्ध कराया है। शासन के साथ-सथ समाज की भी जिम्मेदारी है कि दिव्यांगों तक उपकरण एवं पेंशन, शादी अनुदान, दुकान निर्माण आदि योजनाएं पहुंचाएं। कार्य वाहक प्रधानाचार्य श्रीनारायण यादव ने कहा कि सरकार दिव्यांग बच्चों के लिए समेकित से लेकर स्पेशल विद्यालयों का संचालन कर रही है जिसके कारण आज दिव्यांग अच्छे पदों पर विराजमान हैं। कार्यक्रम में अमित कुशवाहा, अनिरुद्ध नारायण तिवारी, हर्ष सिंह राकेश, संजय, शंकर लाल आदि उपस्थित रहे।

हादसे को दावत दे रही जर्जर पानी की टंकी, सम्बन्धित विभाग अनजान

फाइल फांक रही धूल, विभाग कार्रवाई करना गया भूल

जन एक्सप्रेस। प्रतापगढ़

जिले के नगर पंचायत कोहड़ौर स्थित श्री जगतपाल रंगनाथ द्विवेदी इंटरमीडिएट कॉलेज से सटी वर्षों पुरानी एक जर्जर पानी की टंकी छात्रों और शिक्षकों के लिए एक गंभीर खतरा बनी हुई है। टंकी के चारो पिलर जर्जर हो चुके हैं जगह जगह दरारें पड़ गई हैं जीर्ण शीर्ण अवस्था में पानी की जर्जर टंकी कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। किसी अनहोनी की आशंका से परेशान विद्यालय प्रबंधक ने सूबे में निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक जर्जर पानी की टंकी को लेकर उसके ध्वस्तीकरण का प्रार्थनापत्र दिया लेकिन कार्रवाई के नाम पर अभी तक महज खानापूर्ति ही हुई है। हां लेकिन जब उच्च अधिकारियों तक बात जाती है तो ताबड़तोड़ कार्यवाही जरूर शुरू हो जाती है बाकी अंत में नतीजा वही निकलता है ढाक के तीन पात। सबसे बड़ी बात ये है कि सम्बन्धित विभाग ये मान भी चुका है कि पानी की टंकी निष्प्रयोज्य और जर्जर हो चुकी है। टंकी की दीवारों में दरारें पड़ चुकी हैं, चारों पिलर जीर्ण शीर्ण हो चुके हैं साथ ही विद्यालय के शिक्षकों व बच्चों के लिए खतरा है उसके बाद भी कोई कार्रवाई न होना बड़ी चिंता का विषय है। विद्यालय के शिक्षकों और बच्चों के लिए जर्जर पानी की टंकी खतरे की घण्टी बनी हुई है और शायद सम्बन्धित विभाग घण्टी बजने का इंतजार कर रहा है। जर्जर टंकी को देखने मात्र से ही आपको लग जायेगा कि ये कभी भी ढह सकती है लेकिन शायद सम्बन्धित विभाग को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। फिलहाल कागजी कार्रवाई के फेर में फ़ाइल एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर तक धूल फांक रही है लेकिन जर्जर टंकी के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सम्भव नहीं हो पाई। यहां तक कि चिकित्सा महानिदेशक के यहां से जर्जर पानी की टंकी के ध्वस्तीकरण हेतु पैसा भी मंजूर हो चुका है लेकिन बावजूद इसके अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। विद्यालय के प्रधानाचार्य धवल द्विवेदी ने बताया कि जर्जर टंकी के ध्वस्तीकरण को लेकर वो कई सालों से परेशान हैं लेकिन उनकी समस्या का समाधान धरातल पर आज तक सम्भव नहीं हो पाया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में रिहायशी छप्पर में लगी आग, गृहस्थी जलकर राख

जन एक्सप्रेस। प्रतापगढ़

जिले के कोहड़ौर थाना इलाके के अतरसंड गांव निवासी रघुबर सरोज के रिहायशी छप्पर में बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। जिसमें उसका गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार थाना इलाके के अतरसण्ड गांव निवासी रघुबर सरोज व उसका परिवार मंगलवार रात अपने रिहायशी छप्पर में सो रहे थे कि तभी उनके छप्पर में आग लग गई। जिसे उन्होंने बुझाने का प्रयास किया। आग पर काबू न पाने पर हल्ला गुहार मचाया जिसके बाद मौके पर ग्रामीण इकट्ठा हो गए और आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना पर डायल- 112 भी मौके पर पहुंची। साथ ही चौकी प्रभारी मदाफरपुर विजय त्रिवेदी भी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुँचे। उन्होंने आग का विकराल रूप देख फायर ब्रिगेड को सूचित किया। जिसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक रिहायशी छप्पर के साथ ही उसमें रखा गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया था। पीड़ित का कहना है कि अनाज, कपड़े, बिस्तर समेत गृहस्थी के लगभग लाखों का सामान उसका सब आग में जलकर राख हो गया। आग बुधवार को लेखपाल अजय कुमार व स्थानीय थाने की पुलिस रघुबर के घर जाकर मामले के बाबत जानकारी ली।

मिशन शक्ति फेज- 5.0 के तहत छात्र छात्राओं को किया जागरूक

जन एक्सप्रेस। प्रतापगढ़। जिले में बुधवार को एसपी दीपक भूकर के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत हथिगवां थाने की मिशन शक्ति, एंटी रोमियो टीम व साइबर टीम द्वारा थाना इलाके के जवाहर नेहरू इंटरमीडिट कॉलेज में छात्र व छात्राओं को सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उपस्थित बच्चियों को साइबर अपराध से बचाव, महिला सुरक्षा से संबंधित कानूनी प्रावधानों तथा शासन द्वारा संचालित वुमेन पावर लाइन, स्वास्थ्य सेवा, चाइल्ड हेल्पलाइन, साइबर अपराध हेल्पलाइन व महिला हेल्पलाइन समेत विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी विस्तृत रूप से प्रदान की गई। साथ ही मिशन शक्ति टीम द्वारा उपस्थित जनसमूह को नवीन आपराधिक कानूनों (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम) के बारे में भी जागरूक किया गया, व एसआईआर फॉर्म भरने के संबंध में जागरूक किया गया व वोटर हेल्पलाइन नंबर के संबंध में व अपने विधिक अधिकारों को समझकर आत्मनिर्भर बनने हेतु

जर्जर सड़कों को लेकर सदर विधायक ने राज्यमंत्री से की मुलाकात

जन एक्सप्रेस। महराजगंज

सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने बुधवार को गोरखपुर स्थित सर्किट हाउस में प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन व कृषि विदेश व्यापार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश सिंह से शिष्टाचार भेंट की। मंत्री उद्यान विभाग के स्वर्णिम 50 वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित मंडलीय औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी में शामिल होने पहुंचे थे।

बैठक के दौरान विधायक ने जनपद की विकास आवश्यकताओं, विशेषकर जर्जर सड़कों की खराब स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि कई महत्वपूर्ण मार्गों की दयनीय हालत के कारण आमजन, किसानों और आपातकालीन सेवाओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी क्रम में विधायक ने एक विस्तृत मांग पत्र मंत्री को सौंपा, जिसमें सदर क्षेत्र की प्रमुख सड़कों के जीर्णोद्धार, चौड़ीकरण व नए निर्माण कार्यों की मांग शामिल थी।

राज्यमंत्री दिनेश सिंह ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित करना है तथा आवश्यक वित्तीय व तकनीकी स्वीकृतियाँ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएंगी।

बैठक में क्षेत्र की अन्य विकास योजनाओं पर भी चर्चा हुई। विधायक कन्नौजिया ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और सदर क्षेत्र भी इस रफ्तार से पीछे नहीं रहेगा। बातचीत के दौरान मीडिया प्रभारी संजीव शुक्ला उपस्थित रहे।

बेकाबू ट्रैक्टर ने बाइक में मारी टक्कर, दो युवकों की मौत

जन एक्सप्रेस। प्रतापगढ़

शिवम : फ़ाइल फोटो   करन : फ़ाइल फोटो

जिले के मानिकपुर थाना इलाके में एक ट्रैक्टर और बाइक की आमने सामने हुई भिड़ंत में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार बभनपुर गांव निवासी शिवम सोनकर 22 वर्ष और उनका पड़ोसी करन सोनकर 21 वर्ष कौशांबी जिले के कसेरिया गांव में अपनी नानी के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए थे। मंगलवार देर रात दोनों बाइक से अपने घर वापस लौट रहे थे। दोनों जैसे ही मानिकपुर थाना इलाके के मऊदारा गांव के पास पहुंचे ही थे कि सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक बाइक समेत दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। किसी ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी।

सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पूरे गांव में मातम का माहौल है। युवकों की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सीओ कुण्डा अमरनाथ गुप्ता ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही स्थानीय पुलिस द्वारा अन्य कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैक्टर को कब्जे में लेने के साथ ही चालक को भी हिरासत में लिया गया गई। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जायेगी।

एसआईआर फॉर्म भरना हुआ आसान, प्रशासन ने चलाया जागरूकता अभियान

जन एक्सप्रेस। महराजगंज

मतदाता सूची में सुधार एवं अद्यतन प्रक्रिया को मजबूत बनाने के उद्देश्य से महराजगंज जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन की टीम ने मंगलवार को मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के तहत नागरिकों को एसआईआर फॉर्म भरने की अनिवार्यता और इसके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का नेतृत्व नायब तहसीलदार देश दीपक तिवारी ने किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि नए मतदाताओं का पंजीकरण, पुराने मतदाताओं के विवरण में संशोधन तथा स्थानांतरण जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाएँ एसआईआर फॉर्म के माध्यम से आसानी से पूरी की जा सकती हैं। तिवारी ने कहा कि फॉर्म भरना न सिर्फ मतदाताओं का अधिकार है, बल्कि यह अपने विवरण को अद्यतन रखने की जिम्मेदारी भी है, जिससे मतदान के समय किसी प्रकार की परेशानी न हो।

अभियान के दौरान पिपरदेउरा के सभासद ने भी लोगों को संबोधित किया और ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों माध्यमों से फॉर्म भरने की विधि समझाई। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा दी गई यह सुविधा मतदाताओं को अपने रिकॉर्ड सही रखने में सहायक सिद्ध होती है। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे अभियान आमजन को अपने मताधिकार एवं उससे जुड़ी प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान करते हैं। अभियान का संदेश स्पष्ट रहा अपना फॉर्म भरें, अपना अधिकार सुरक्षित करें।

नहर सफाई में लापरवाही से किसानों में रोष

जन एक्सप्रेस। महराजगंज

ठूठीबारी। निचलौल तहसील क्षेत्र के झुलनीपुर गंडक नदी से पश्चिम इटहियां तक जाने वाली नहर शाखा की सफाई में लापरवाही सामने आने से किसानों में भारी नाराज़गी है। यह नहर शाखा हजारों एकड़ में लगी गेहूं की फसल की सिंचाई का प्रमुख स्रोत है, लेकिन विभागीय उदासीनता किसानों के लिए परेशानी का सबब बन गई है।

किसानों का कहना है कि विभाग द्वारा पोकलैंड मशीन से नहर में उगे झाड़-झंखाड़ और मिट्टी की सफाई सिर्फ औपचारिकता के रूप में की जा रही है। जहां नहर सकरी है और जेसीबी मशीन नहीं पहुंच पा रही है, वहां सफाई कार्य अधूरा छोड़ दिया जा रहा है। किसान राजेन्द्र भारती, प्रेमलाल पासवान, रामेश्वर यादव, दीपक चौरसिया, सोनू निगम, रामराज साहनी, सुरेन्द्र विश्वकर्मा, पूजन गुप्ता, रामदेव गौतम सहित कई लोगों ने आरोप लगाया कि नहर की गहराई व चौड़ाई दुरुस्त करने के बजाय सिर्फ ऊपर-ऊपर से झाड़-झंखाड़ हटाकर मिट्टी निकालने की खानापूर्ति की जा रही है। किसानों ने यह भी बताया कि नहर पटरी पर बनी पक्की सड़क पोकलैंड की आवाजाही से क्षतिग्रस्त हो रही है, लेकिन शिकायत करने पर भी संबंधित कर्मचारियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है। इस संबंध में जेई रंजीत का कहना है कि झुलनीपुर से बोदना गांव तक लगभग 15 किमी लंबी नहर शाखा की सफाई मानकों के अनुरूप कराई जा रही है और मिट्टी व झाड़-झंखाड़ पूरी तरह हटाने का कार्य जारी है। जबकि किसानों का कहना है कि यदि नहर की सफाई समय पर और सही तरीके से नहीं हुई तो गेहूं की सिंचाई प्रभावित होगी और फसल को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पांच चोर गिरफ्तार, चोरी की विद्युत मोटर बरामद

जन एक्सप्रेस। प्रतापगढ़

जिले की कंधई थाने की पुलिस ने विद्युत मोटर चोरी के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बीते दिनों ट्यूबेल पर लगी मोटर चोरी हो गई थी जिस मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश कर रही थी।

मिली जानकारी के अनुसार कंधई थाना इलाके के मंगरौरा निवासी अखिलेश सिंह ने तहरीर देते हुए बताया कि उनके घर के बगल स्थित खेत में लगे टयूबेल पर लगी किर्लोस्कर की तीन हार्स पावर की बिजली की मोटर शनिवार रात अज्ञात चोर खोल ले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश कर रही थी उसी क्रम में कंधई पुलिस ने बुधवार को चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर मोटर चोरी के पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त थाना इलाके के मंगरौरा व भदौना गांव के ही हैं। पुलिस द्वारा उनके कब्जे से विद्युत मोटर भी बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में धीरज गौतम, ग्रेटी सरोज, साहिल, आयुष्मान गौतम व पंकज गौतम का नाम शामिल है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि जरूरतों को पूरी करने के लिए उन लोगों ने मोटर चोरी करने की योजना बनाई। इसके बाद मंगरौरा में खेत में लगे ट्यूबवेल की मोटर को पांचों ने शनिवार रात ट्यूबवेल की छत पर रखे कटरैन को हटाकर ट्यूबवेल में घुसकर मोटर चोरी कर लिये। बताया कि चोरी करने के बाद हम लोगो ने मोटर को महुआ की बाग में छुपाकर रख दिया कि मामला शान्त होने पर बेच देंगे। आरोपियों ने बताया कि

पांचों चोरी के मोटर को बेचने की योजना बना ही रहे थे कि पकड़ लिये गये। पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया।

बिहार में हुई लूट के आरोपी रोहित की गिरफ्तारी बनी चुनौती

जन एक्सप्रेस। देवरिया

बरहज। गड़ेर क्षेत्र के बनुआडीह गांव में तीन दिन पूर्व भलुअनी पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त रूप से छापेमारी की थी। इसके बाद से ही रोहित पासवान सुर्खियों में है। वह बिहार के हसनपुरा-उसरी बाजार में सिमी ज्वेलर्स की दुकान से हुई करीब 60 लाख के लूट मामले का संदिग्ध आरोपी है। जिसका दुकान के सामने खड़ा होकर हथियार लहराने का वीडियो भी वायरल हुआ था। इस लूटकांड में मदनपुर थाना क्षेत्र निवासी सूरज नामक युवक भी शामिल था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार जेल भेज दिया था। इन दिनों वह जमानत पर बाहर है। वहीं रोहित पर सीवान के अलावा, गोरखपुर व अन्य जगहों पर करीब आधा दर्जन घटनाओं में शामिल होने की बात सामने आ रही है। इस संबंध में भलुअनी पुलिस को कोई जानकारी नहीं है। पुलिस का जवाब सिर्फ ना में है। दूसरी ओर छापेमारी के संबंध में भी पुलिस इंकार कर रही है। भलुअनी थाना क्षेत्र के बनुआडीह गांव निवासी रोहित पासवान दो बार पुलिसिया दबिश के दौरान महिलाओं के आगे आ जाने के कारण उसके बचकर भाग निकल जाना बताया जा रहा है। इसके गिरफ्तारी के लिए स्थानीय पुलिस के अलावा एसओजी भी लगाई गई है। लोगों के अनुसार कुछ दिन पूर्व थाना क्षेत्र में गोरखपुर की एसओजी भी उसकी तलाश में आई थी। बताया जा रहा है कि सीवान के एमएचनगर के हसनपुरा-उसरी बाजार में सिमी ज्वैलर्स की दुकान है। अगस्त 2023 में बदमाशों ने उस दुकान से लूट की घटना को अंजाम दिया था। जिसमें लोग 60 लाख के करीब लूट होना बताया जा रहा है। लूट की घटना में रोहित के साथ मदनपुर क्षेत्र का रहने वाला सूरज नामक युवक भी शामिल था। जिसे पुलिस ने पकड़ कर जेल भेज दिया था। वहीं रोहित अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है। लोगों का कहना है कि उसका एक सगा रिश्तेदार थाने में बतौर चौकीदार के पद पर तैनात है। जिसके जरिये रोहित को बाहरी पुलिस के आने या पुलिसिया कार्रवाई की भनक पहले ही लग जाती है।

पूर्व सीएम के घर ईडी की छापेमारी की निंदा

जन एक्सप्रेस। देवरिया

टाउन हाल परिसर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की बैठक सोमवार को हुई। इसमें पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घर ईडी के छापेमारी की कार्रवाई की निंदा की गई। निवर्तमान जिलाध्यक्ष रामजी गिरि ने कहा कि भाजपा सरकार विपक्ष की लोकतांत्रिक आवाज को दबाने के लिए ईडी का दुरुपयोग कर रही है। विपक्ष के जो नेता भाजपा के खिलाफ पूरे देश में लोकतंत्र की रक्षा के लिए मजबूती से अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं, उन्हें इस तरह की संस्थाओं के माध्यम से प्रताड़ित किया जा रहा है। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष सुयश मणि त्रिपाठी, बिस्मिल्लाह ऊर्फ मुन्ना लारी, राघवेंद्र सिंह राकेश, धर्मेंद्र सिंह, आनंददेव गिरि, सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी, डॉ. धर्मेंद्र पांडेय, आलोक त्रिपाठी राजन, दीनदयाल यादव, नीलेश त्रिपाठी, समीर पांडेय, नागेंद्र शुक्ल आदि मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर खेल, कूद व संस्कृति कार्यक्रम में अव्वल आने वाले बच्चों को किया गया सम्मानित

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जिले में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस शिया इण्टर कॉलेज के मैदान में दिव्यांग बच्चों का शैक्षिक, सांस्कृतिक, खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी डॉ दिनेश सिंह व विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक डॉ कौतुभ तथा मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया व विनीत सेठ रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल ने किया।मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन करते हुए माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल व जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शशिधर उपाध्याय ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा मसाल दौड़ कराकर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। दृष्टि बाधित बच्चों ने सरस्वती वंदना के साथ स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने प्रथम,द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मेडल, प्रमाण पत्र, ट्रैक शूट, प्लेट, टाफी देकर सम्मानित किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सरकार से मिल रही सुविधाओं के विषय में दिव्यांग बच्चों के अभिभावक व दिव्यांग बच्चों को अवगत कराया। उन्होंने कहा इन सुविधाओं का लाभ लेकर ये दिव्यांग बच्चे भी सामान्य बच्चों की तरह अपना कार्य कर सकते हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ कौस्तुभ ने कहा कि ये दिव्यांग बच्चे अपने आप को दिव्यांग ना समझे ये सामान्य बच्चों से कम नहीं है। उनके माता-पिता भी इनको दिव्यांग ना समझे पहले का दौर कुछ और था अब का दौर कुछ और है। दिव्यांग बच्चे भी सामान्य बच्चों जैसा प्रदर्शन कर सकते हैं तथा अपना जीवन जी सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान आलोक कुमार गुप्ता, रेखा त्रिपाठी, रेखा सिंह, अश्वनी सिंह, सुभाष गुप्ता, अरुण मौर्य, डा पीडी तिवारी, सीमा सिंह, ज्योति सिंह, अरुण सिंह, प्रमोद कुमार माली, त्रिभुवन सिंह पटेल, विनोद यादव, बदरून निशा, रेनू पटेल, अमर पटेल, संदीप आदि विशेष शिक्षक दिव्यांग बच्चे उनके अभिभावक उपस्थित रहे

छात्रों के लिये ज्ञान विज्ञान के नये द्वार खोलेगी निशुल्क लाइब्रेरी: मनीष मिश्रा

जन एक्सप्रेस। बस्ती

बुधवार को समाजसेवी मनीष मिश्रा ने पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में वीर सावरकर के नाम से निःशुल्क लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। कहा कि यह डिजिटल पुस्तकालय जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए बड़ा अवसर साबित होगी। उन्होने वीर सावरकर के संघर्षपूर्ण जीवन और आदर्शों को बच्चों के सामने रखा उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह चाबी है जो हर बंद दरवाजे को खोल सकती है। कहा कि रौता चौराहा स्थित प्रज्ञा पूजन भंडार के तृतीय तल पर लाइब्रेरी पूरी तरह से निःशुल्क है और इससे छात्रों को ज्ञानार्जन में बड़ी सुविधा होगी। वे देश दुनियां के ज्ञान, विज्ञान से जुड़ सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने फूल-मालाओं से मनीष मिश्रा का ' बस्ती का लाल कहकर सम्मानित करते हुये कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी के स्थापना करके मनीष मिश्रा ने पुनीत कार्य किया है।

वक्ताओं ने कहा कि निःशुल्क लाइब्रेरी शुरू होने से इलाके के सैकड़ों बच्चों को पढ़ने की नई सुविधा मिली हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह कदम सराहनीय है।

वीर सावरकर पुस्तकालय के उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से घनश्याम मिश्र, पं. सरोज मिश्र, अमित चौबे, जी.डी. मिश्र, अवनीश सिंह, आलोक पाण्डेय, हिमांशु शुक्ल, लवली सिंह, संजय मिश्र, शशांक शुक्ल, सुनील कुमार, हिमांशु शुक्ल, सुदीप शुक्ल, सत्येन्द्र सिंह भोलू, आकाश सोनी, देवस्य मिश्र, जीशान हैदर रिजवी, राजू मिश्र के साथ ही बड़ी संख्या में छात्र और एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे।

संचालन अभिषेक ने किया। सामूहिक रूप से 'वंदेमातरम' गान के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

विवाहिता की संदिग्ध मौत: पुलिस ने 6 ससुरालीजनों पर किया मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

बरसठी थाना क्षेत्र के जुब्बापुर बारीगांव में मंगलवार दोपहर एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले ने हड़कंप मचा दिया। मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत 6 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है।

मिली जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय प्रीति मिश्रा ने मंगलवार दोपहर अपने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। वहीं मृतका के भाई नंदन कुमार मिश्रा, निवासी मानिकपट्टी (भदोही), का आरोप है कि प्रीति की शादी 7 मई 2021 को राहुल मिश्रा से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजन ?50,000 नगद और एक अपाचे मोटरसाइकिल की मांग कर रहे थे।

परिजनों का आरोप है कि मांग पूरी न होने पर प्रीति को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। आरोप है कि ससुर शीतला प्रसाद मिश्र, देवर अतुल मिश्रा तथा अन्य आरोपी प्रीति के पति को मारपीट के लिए उकसाते थे। भाई ने तहरीर में आरोप लगाया कि मंगलवार दोपहर सभी ने मिलकर प्रीति की गला दबाकर हत्या कर दी और बाद में उसे फांसी के सहारे लटका दिया ताकि इसे आत्महत्या का रूप दिया जा सके।

तहरीर के आधार पर पुलिस ने निम्न आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है–

पति राहुल मिश्रा, देवर अतुल मिश्रा, सास सुधा देवी, ननद नेहा मिश्रा, ननद छाया मिश्रा और अजिया ससुर शीतला प्रसाद मिश्र। धाराएँ - ब्न्हस 85, 80(2) व डीपी एक्ट 3/4।

प्रभारी निरीक्षक देवानंद रजक ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सेवा संकल्प के साथ प्रथम पुण्यतिथि पर याद किये गए स्व. माता प्रसाद यादव

जन एक्सप्रेस। बस्ती

विकास क्षेत्र बहादुरपुर के गौरा कलवारी स्थित आर.एम. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के संस्थापक अध्यक्ष स्व. माता प्रसाद यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर बुधवार को राजपती माता प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय परिसर भावुक स्मृतियों से भर उठा। महाविद्यालय की अध्यक्ष शकुन्तला यादव की अध्यक्षता में आयोजित श्रद्धांजलि सभा के भावपूर्ण माहौल में सभी ने स्व. माता प्रसाद यादव के योगदान को नमन करते हुए समाज सेवा के उनके रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर प्रबंधक डॉ. फौजदार यादव ने सामाजिक सरोकार को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्र के निर्धन एवं असहायजनों को कम्बल वितरण किया। साथ ही घोषणा किया कि महाविद्यालय की निर्धन छात्राओं को स्व. माता प्रसाद यादव छात्रवृत्ति एवं शुल्क मुक्ति प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से समाज में प्रकाश फैलाना ही स्व. माता प्रसाद यादव जी का सपना था। जिसे संस्थान आगे भी पूरा करता रहेगा। इसी कड़ी में महाविद्यालय द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर कला तथा विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने की भी घोषणा की गई।

कार्यक्रम में ग्राम प्रधान किशोर यादव, कार्यवाहक प्राचार्य राम सागर वर्मा, उपप्राचार्या पूनम यादव सहित अनिल कुमार, कुशमिना, राजेश्वरी यादव, किरनबाला, रंजीत रावत और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नीलगाय आतंक से लेकर सड़क संकट तक

राष्ट्रवादी पार्टी ने डीएम को सौंपा महा-ज्ञापन

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जौनपुर क्षेत्र की समस्याओं को लेकर राष्ट्रवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष जितेन्द्र चौहान के नेतृत्व में बुधवार को जिलाधिकारी से मिला और किसानों व ग्रामीणों से जुड़े पाँच प्रमुख मुद्दों पर विस्तृत महा-ज्ञापन सौंपा। पार्टी नेताओं ने कहा कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण जनता लगातार परेशान है और समय रहते समाधान न हुआ तो स्थितियाँ और बिगड़ सकती हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने सबसे पहले नीलगाय समस्या को गंभीर बताते हुए कहा कि जिले में किसानों की फसलें प्रतिवर्ष नीलगायों द्वारा नष्ट की जा रही हैं। कई क्षेत्रों में किसान रात्रि जागरण कर अपनी फसल बचाने को मजबूर हैं। पार्टी ने सुरक्षा व्यवस्था, फेंसिंग या वैकल्पिक नियंत्रण उपाय तत्काल लागू करने की मांग उठाई।

दूसरा बड़ा मुद्दा मड़ियाहूँ-वारीगाँव-नेवोंदा मार्ग का रहा, जो पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुका है। नेताओं ने कहा कि यह सड़क ग्रामीणों के लिए मुख्य संपर्क मार्ग है, और इसकी खराब स्थिति दुर्घटनाओं को न्योता दे रही है। उन्होंने तत्काल मरम्मत और पुनर्निर्माण की मांग की।

तीसरे मुद्दे में देवकली से मिश्राइनपट्टी तक 200 मीटर का अधूरा रास्ता उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि भोलेनाथ मंदिर से पाल बस्ती तक यह मार्ग वर्षों से अधर में लटका है, जिससे ग्रामीणों को बारिश और ठंड में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

चौथे मुद्दे में किसानों के लिए दिन में बिजली आपूर्ति बढ़ाने की मांग रखी गई।

पार्टी ने कहा कि सिंचाई के लिए दिन के समय पर्याप्त बिजली न मिलने से फसल चक्र प्रभावित हो रहा है।

पाँचवें और अंतिम मुद्दे में सुजानगंज बाजार-तिलहुआ नाले की अधूरी पुलिया का मामला सामने रखा गया, जिसकी वजह से आवागमन बाधित है और व्यापार भी प्रभावित हो रहा है।

प्रतिनिधिमंडल में सुभद्रा सिंह, सन्तोष पाल, अजय कुमार, शकुन्तला देवी, मंगल, शिवशंकर, जगदीश, वृजेश, सुनीत और शिवम पाल सहित अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

ग्राम मरहट में चकबंदी प्रक्रिया शुरू करने को लेकर 5 दिसंबर को होगी महत्वपूर्ण बैठक

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। खुटहन तहसील शाहगंज अन्तर्गत ग्राम मरहट में चकबंदी प्रक्रिया प्रारम्भ कराने के संबंध में 05 दिसंबर को एक महत्वपूर्ण बैठक पंचायत भवन पर आयोजित की जाएगी। सुबह 10 बजे होने वाली इस बैठक में सहायक चकबंदी अधिकारी, चकबंदीकर्ता, संबंधित राजस्व स्टाफ के साथ थाना खुटहन पुलिस की टीम भी मौजूद रहेगी। बैठक की कार्यवाही में कोई भी व्यक्ति बाधा पहुंचाने, विवाद उत्पन्न करने या शांति भंग करने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ग्राम मरहट के सभी ग्रामवासियों एवं खतौनी खाता धारकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित होकर चकबंदी प्रक्रिया की सुचारु, निष्पक्ष और पारदर्शी शुरुआत सुनिश्चित करने में सहयोग करें।

जनपद स्तरीय न्यायालयों में राजस्व मामलों के निस्तारण में जौनपुर प्रथम स्थान

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के नेतृत्व में राजस्व विभाग द्वारा राजस्व सम्बन्धी वादों का त्वरित गति से निस्तारण किया जा रहा है जिसके फलस्वरुप राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) द्वारा नवंबर माह की जारी रिपोर्ट में जनपद स्तरीय न्यायालय में राजस्व के मामले के निस्तारण में एक बार फिर जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जनपद स्तरीय न्यायालयों में राजस्व वादों के निस्तारण में पिछले 14 माह से जनपद टॉप फाइव जिलों में बना हुआ है।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुसार राजस्व मामलों को निस्तारित किया जा रहा है। बोर्ड ऑफ रेवन्यू की नवंबर माह की राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) की रिपोर्ट के अनुसार जनपद की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के निर्धारित मानक के निस्तारण से अधिक मामलों का निस्तारण किया है।

जनपद जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के प्रति माह निस्तारण के मानक 250 के सापेक्ष 367 मामलों का निस्तारण किया है। इसका अनुपात 146.80 प्रतिशत है। इसी के साथ जनपदीय न्यायायल में राजस्व मामलों के निस्तारण में प्रदेश में जनपद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

इसी तरह नवंबर में जनपद जौनपुर के जिलाधिकारी न्यायालय ने निर्धारित 30 मामलों के मानक के मुकाबले 68 मामलों का निस्तारण कर 226.67 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की, जो की प्रदेश भर में सबसे अधिक है और जौनपुर प्रदेश भर में पहले स्थान पर है।

डॉ. दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जौनपुर बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ और सुपरवाइजर से गणना प्रपत्र वितरण और संग्रहण के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की और कम प्रगति वाले बीएलओ को निर्देशित किया कि अवशेष गणना प्रपत्रो का शत-प्रतिशत वितरण और संग्रहण कर डिजीटाइजेशन कराना सुनिश्चित करें, जिससे ससमय विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जा सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईआरओ, एईआरओ को निर्देशित किया कि अतिरिक्त कार्मिकों की ड्यूटी लगाकर गणना प्रपत्र वितरण, संग्रहण और डिजीटाइजेशन कराना सुनिश्चित करें। जिन बूथो पर अपेक्षाकृत कम प्रगति है, वहां पर जिला स्तरीय अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिये।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि बीएलओ का सहयोग करते हुए इस कार्य को पूर्ण कराये। उन्होने इस कार्य में लगे सभी कार्मिकों से प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सभी लोग पूरे मनोयोग से कार्य करें।

उन्होने बताया कि जनपद में लगभग 100 बीएलओं ने शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है जिन्हे प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है और भविष्य में भी इसी प्रकार सम्मानित कर उनके कार्यो की सराहना की जाएगी।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय अम्बष्ट, जिला कार्यक्रम अधिकारी नरेन्द्र सिंह, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, तहसीलदार सदर, सुपरवाइजर, बीएलओ सहित अन्य उपस्थित रहे।

नौकरी के नाम पर 4.86 लाख रुपए की धोखाधड़ी

एसपी के आदेश पर 5 के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदे

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जौनपुर जिले के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के लखनपुर तिराहे पर अर्थ एसोसिएट नाम से एक फर्जी मल्टी लेवल मार्केटिंग कंपनी बनाकर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ एवं ठगी की जा रही है।

आपको बता दें युवाओं को लाखों रुपए महीने कमाने का भरोसा दिला कर उनसे ट्रेनिंग और रहने खाने के नाम पर 27000 रुपए लिए जाते हैं और उनको सिर्फ दो लोगों को जोड़ने का काम बताया जाता है और उनको इतना प्रताड़ित कर दिया जाता है कि वह अपना 27000 भी भूल जाते हैं और किसी तरीके से सोचते हैं कि दो लोगों को जोड़ो और जल्दी यहां से छुटकारा पाओ यानी जो ठगा गया है उसको यही सिखाया जाता है कि दो लोगों को ठगिये आए दिन इस जगह पर पैसे वापसी को लेकर कोई ना कोई विवाद होता है लेकिन अनजान शहर में वह कर भी क्या सकता है। फिलहाल शासन प्रशासन का ध्यान उसे ओर आकर्षित करना चाहता हूं जहां बेरोजगारी से जूझ रहे युवक युवतियां किसी तरीके से नौकरी की तलाश में इन ठगो के जाल में फंसे हुए हैं। जिसका यह ठगी का कारोबार अन्य जनपदों में भी है। जो गरीबों को ठग कर उनके खून पसीने की कमाई से ऐश कर रहे हैं।

देखना यह है की प्रशासन इन काले कारोबारीयो पर क्या कार्रवाई करता है।

विवाद में भतीजों ने लाठी से पीटकर किया घायल

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर

भावां। मड़िहान के खचहां गांव में मंगलवार की सुबह सात बजे के चारपाई ले जाने के लिए महिला का जेठानी के पुत्रों से विवाद हो गया। इसके बाद जेठ के साथ मिलकर उनके तीन बेटों ने लाठी-डंडे से पिटाई कर दी।। बीच-बचाव करने पहुंचे पति भी घायल हो गए। खचहा गांव निवासिनी रेखा देवी (35) ने बताया कि सोमवार की सुबह सात बजे घर से 500 मीटर दूर बोरिंग पर पहुंची थी। जहां पहले से रखी हुई अपनी चारपाई को उठा रही थी। तभी उसके जेठानी के तीनों बेटे वीरु सोनकर, धीरज सोनकर, भोला सोनकर, पिता मेवालाल सोनकर के साथ पहुंचकर विवाद करने लगे। विवाद बढ़ने पर चारों ने मिलकर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। शोर सुनकर पति रामलखन मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव करने लगे तो उनको भी मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट होता देख दूसरे नंबर के जेठ हीरालाल सोनकर भी पहुंच कर झगड़ा शांत कराने का प्रयास करने लगे। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस जांच करके वापस लौट गई। दोनों घायलों ने सीएचसी मड़िहान में उपचार कराया। थानाध्यक्ष बाल मुकुंद मिश्रा ने बताया कि तहरीर मिली है।

हार्ट अटैक से छात्र की मौत

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर

जिले में बीएचयू के बरकछा स्थित राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में एक छात्र की हार्ट

बीएचयू के बरकछा स्थित राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में बीएससी के छात्र की हार्ट अटैक से मौत को लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन रात भर जारी रहा। छात्र रात भर सड़क पर बैठकर धरना देते रहे। प्रशासन ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया लेकिन कोई हल नहीं निकला। बुधवार की सुबह एक घंटे के लिए छात्र हटे, लेकिन फिर से जाम लगा दिया। छात्रों के प्रदर्शन के चलते बड़े वाहनों को दोनों तरफ पहले ही रोक दिया गया था। इसके चलते 8 से 10 किलोमीटर लंबा जाम सोनभद्र रूट पर लगा रहा। छात्र कुलपति को बुलाने, एक करोड़ मुआवजा व परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग पर अड़े हैं।

राजस्थान के कोटा जिले के वियलदा थाना क्षेत्र के कमलदा गांव निवासी अनिल मीणा (23) पुत्र महावीर मीणा बीएचयू के बरकछा स्थित राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में बीएससी एजी के तृतीय वर्ष का छात्र था। उसे मंगलवार की सुबह सीने में दर्द उठा। उसे उपचार के लिए दक्षिण परिसर के हेल्थ सेंटर पर ले जाया गया। जहां दवा देने के बाद आराम नहीं हुआ। उसे सांस लेने में समस्या होने लगी। जिसके बाद उसे मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां उपचार के दौरान छात्र अनिल की मौत हो गई।

छात्र की मौत से साथ आए छात्रों में मातम छा गया। सूचना मिलते ही दक्षिणी परिसर के छात्र आक्रोशित हो गए। छात्र दक्षिण परिसर में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर हंगामा करने लगे। शाम को पांच बजे दक्षिणी परिसर के पास से होकर जा रहे हाईवे पर छात्रों ने जाम लगा दिया। सैकड़ों की संख्या में छात्र हंगामा करते हुए कार्रवाई और व्यवस्था में सुधार की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए।

सीओ सदर अमर बाहदुर ने बताया कि सुबह समझाने पर एक घंटे के लिए छात्र धरना समाप्त किए। लेकिन बाद में फिर से धरने पर बैठ गए। कुलपति को बुलाने, एक करोड़ रुपये मुआवजा और नौकरी की मांग कर रहे है।

सामूहिक प्रयास से बढ़ेगी बच्चों की शैक्षिक गुणवत्ता: रवीश

जन एक्सप्रेस। बस्ती

हर्रैया ब्लॉक के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पुरैना खास विद्यालय में मेरा गांव मेरा विद्यालय कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान मोहम्मद सलीम ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया।

इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रैली निकाली। रैली को ब्लॉक के एआरपी रवीश कुमार मिश्र और पूर्व एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह ने एसएमएसी सदस्यों की मौजूदगी में झंडी दिखाकर रवाना किया।

एआरपी रवीश कुमार मिश्र ने कार्यक्रम में आए अभिभावकों और बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में विद्यालय, माता-पिता और समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए सभी का मिलकर सहयोग करना आवश्यक है।

कहा कि शैक्षिक गुणवत्ता अच्छी करने के लिए हम सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे। पूर्व एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल और समुदाय के बीच सामंजस्य को मजबूत करना है। कहा कि अभिभावकों की सक्रियता से बच्चों के शैक्षिक स्तर में सकारात्मक बदलाव अवश्य होगा।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक शोभाराम वर्मा, विजय वर्मा, राम नरेन्द्र वर्मा, महेश वर्मा, जितेंद्र कुमार, चंद्रभान, ब्रजेन्द्र पाण्डेय, उपेन्द्र तिवारी, राम सहाय, आदर्श श्रीवास्तव, मिंटु यादव, निर्मला, मुकुल, हलीमा, विकास कुमार आदि उपस्थित रहे।

रीवा से वाराणसी जा रहे ट्रक में लगी आग, जिंदा जला चालक, खलासी बाल-बाल बचा

जन एक्सप्रेस। मिर्जापुर

मिर्जापुर जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र के समोगरा बाईपास के पास मंगलवार की देर रात रीवा से वाराणसी जा रहे ट्रक में आग लगने से चालक की जलकर मौत हो गई। जबकि खलासी को बचा लिया गया। चोकर लेकर ट्रक चालक रीवा से वाराणसी जा रहा था। वह देहात कोतवाली क्षेत्र के समोगरा बाईपास के पास पहुंचा ही था कि ट्रक में आग लग गई। राहगीरों के बताने पर चालक जब तक कुछ समझ पाता, आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। चालक ने जैसे ही गाड़ी रोकी, ट्रक धू- धूकर जलने लगा।

सूचना पर करनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। किसी तरह खलासी को बाहर निकाला, वेकिन चालक को नहीं निकाला जा सका। इस दौरान किसी तरह आग पर काबू पाया गया। तब तक चालक की जलकर मौत हो गई थी। पुलिस चालक की शिनाख्त में जुटी है।

'जी-जान से प्यार करो..' टूटने वाला था

रुबीना दिलैक का घर! धर्मेंद्र ने दी थी ये खास सलाह

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान भी दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन से बुरी तरह टूट गए थे. धर्मेंद्र को अपने पिता की तरह मानने वाले सलमान उनसे मिलने अस्पताल गए थे और फिर उनके अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए थे. वहीं हाल ही में अपने शो 'बिग बॉस 19' पर भी धर्मेंद्र को याद करके सलमान बेहद इमोशनल हो गए थे. धर्मेंद्र को सलमान 'बिग बॉस' में भी कई बार बुला चुके थे.धर्मेंद्र भी सलमान खान पर खूब प्यार लुटाते थे. जब भी सलमान उन्हें अपने शो पर इनवाइट करते थे तब धर्मेंद्र खुशी-खुशी जाते थे. 'बिग बॉस' 14 में भी धर्मेंद्र ने शिरकत की थी. तब धर्मेंद्र ने रुबीना दिलैक और उनके पति अभिनव शुक्ला को शादी को लेकर खास सलाह दी थी. उस वक्त दोनों

अपनी पर्सनल लाइफ में उतार चढ़ाव से गुजर रहे थे.

'बिग बॉस' में आने से बच गई थी रुबीना-अभिनव की शादी

'बिग बॉस 14' में आने से पहले रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला की शादी टूटने की कगार पर आ गई थी. हालांकि दोनों ने एक दूसरे को एक मौका देते हुए 'बिग बॉस' में एंट्री ली थी. इस रियलिटी शो में दोनों की लाइफ में वो हुआ, जो दोनों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं था. दोनों का रिश्ता यहां आकर संवर गया था.

जब धर्मेंद्र 'बिग बॉस 14' में पहुंचे थे तब सलमान ने रुबीना को लेकर कहा था, इनकी शादी टूटने वाली थी, पर बिग बॉस में आकर दूसरी बार एक दूसरे से प्यार हो गया और इनकी शादी वापस से संवर गई है. तो इनको मैरिज पर ऐसी सलाह दीजिए कि इनके माइंड में दोबारा ऐसा ख्याल आए ही न. इस पर धर्मेंद्र ने कहा था, नहीं आएगा. ये इतनी प्यारी है. इसके आगे धर्मेंद्र ने अभिनव से कहा था, जी-जान से प्यार करो. मेरी दुआएं हैं आपके साथ, मिल-जुल कर रहो. जितना वो चाहती है, उससे ज्यादा चाहो. खुश रहो.

रुबीना ने जीता था बिग बॉस 14

रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला ने साल 2018 में शादी रचाई थी. अब दोनों दो जुड़वां बेटियों के पैरेंट्स हैं. दोनों की बेटियां 2 साल की हो चुकी हैं. अब ये कपल एक हैप्पी लाइफ जी रहा है. बता दें कि रुबीना ने राहुल वैद्य को हराकर 'बिग बॉस 14' का खिताब जीता था.

रुपाली गांगुली को पसंद है अमाल, लेकिन इन्हें बताया बिग बॉस 19 का विनर, की बड़ी भविष्यवाणी

छोटे पर्दे का बड़ा शो यानी 'बिग बॉस' लगातार सुर्खियों में रहता है. इसके अब तक 18 सीजन हो चुके हैं और फिलहाल 19वां सीजन चल रहा है. ये अपने अंतिम पड़ाव में पहुंच चुका है. जल्द ही शो का ग्रैंड फिनाले होने वाला है और शो को अपने 6 फाइनलिस्ट मिल चुके हैं. इसी बीच छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस रुपाली गांगुली ने बड़ी भविष्यवाणी की है और बताया कि आखिर बिग बॉस 19 की ट्रॉफी कौन उठाएगा ?रुपाली गांगुली भी बिग बॉस को पसंद करती हैं और उन्होंने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान बिग बॉस 19 के अपने फेवरेट कंटेस्टेंट के नाम का खुलासा करते हुए अमाल के नाम पर मुहर लगाई. हालांकि उन्हें वो विनर के रूप में नहीं देखती हैं. बल्कि उन्होंने अपने को-एक्टर गौरव खन्ना को बिग बॉस 19 जीतने का हकदार बताया है.

जीतेंगे तो आप ही कपाड़िया जी..

अनुपमा शो की एक्ट्रेस रुपाली गांगुली ने अमाल मलिक, गौरव खन्ना, फरहाना भट्ट और तान्या मित्तल की तारीफ की. एक कार्यक्रम के दौरान एक्ट्रेस ने अपने दिल की बात जाहिर करते हुए कहा, मुझे अमाल बहुत पसंद हैं. मुझे फरहाना, तान्या और सभी ने जो कंटेंट दिया है, वो बहुत पसंद है और गौरव जीतने के हकदार हैं. जीतेंगे तो आप ही कपाड़िया जी.

साथ में काम कर चुके हैं गौरव-रुपाली

गौरव खन्ना और रुपाली गांगुली के बीच बहुत ही अच्छी बॉन्डिंग है. रुपाली गांगुली जहां 'अनुपमा' सीरियल में काम कर रही हैं तो वहीं पहले इसका हिस्सा गौरव भी रह चुके हैं. दोनों इसमें एक दूसरे के अपोजिट नजर आए थे. रुपाली इसमें अनुपमा नाम का किरदार निभाती हैं, जबकि गौरव के किरदार का नाम अनुज कपाड़िया था.

कब होगा बिग बॉस 19 का ग्रैंड फिनाले ?

बिग बॉस 19 के जो फाइनलिस्ट हैं उनमें गौरव खन्ना, तान्या मित्तल, प्रणित मोरे, अमाल मलिक और मालती चाहर शामिल हैं. बताया जा रहा है कि बिग बॉस 19 का आखिरी मिड वीक एविक्शन होगा, जिसमें एक कंटेस्टेंट और बेघर हो जाएगा. फिर पांच कंटेस्टेंट में से कोई एक खिताब जीतेगा. शो के होस्ट और अभिनेता सलमान खान ने हाल ही में खुलासा किया था कि बिग बॉस 19 का ग्रैंड फिनाले रविवार, 7 दिसंबर को होगा.

'मैसेज है हमारे पास...' रणबीर की टीम से भिड़े पैपाराजी, खुल गई करीना कपूर के दावे की पोल!

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों अपनी दो अपकमिंग फिल्मों को लकर सुर्खियों में बने हुए हैं. एक है 'रामायण' तो दूसरी 'लव एंड वॉर'. रामायण 2026 में दिवाली पर आएगी. जबकि इससे पहले लव एंड वॉर रिलीज होगी. इस पिक्चर का डायरेक्शन दिग्गज डायरेक्टर संजय लीला भंसाली कर रहे हैं. रणबीर ने अपना बॉलीवुड डेब्यू भी भंसाली की पिक्चर से ही किया था. हाल ही में रणबीर अपनी फिल्म के सिलसिले में संजय लीला भंसाली से मिलने के लिए उनके ऑफिस पहुंचे थे. हालांकि तब रणबीर की पीआर टीम और पैपाराजी के बीच बहस हो गई थी.

रणबीर कपूर की टीम ने पैप्स को एक्टर की फोटो लेने से मना कर दिया था. इस पर पैपाराजी ने दावा किया था कि उन्हें रणबीर की टीम ने ही बुलाया था. इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है और ये बहस ऐसे समय में हुई है जब हाल ही में करीना कपूर खान ने ये स्वीकार किया था कि कपूर फैमिली के मेंबर्स पैपाराजी को नहीं बुलाते हैं.

रणबीर की टीम और पैपाराजी के बीच हुई बहस

रणबीर सोमवार को संजय लीला भंसाली के ऑफिस पहुंचे थे. जैसे ही एक्टर अपनी गाड़ी से उतरे तो रणबीर की टीम ने पैपाराजी को एक्टर को अपने कैमरे में कैप्चर करने से रोक दिया था. एक्टर के बॉडीगार्ड उन्हें दूर करने लगे. हालांकि, इससे पैप्स निराश हो गए और उन्होंने गुस्से में कहा, अरे भाई बुलाया हैज क्या कर रहे हो ? अरे मैसेज है हम सबके पास इसी बारे में क्या कर रहे हो. इसके बाद रणबीर ने पैपाराजी को पोज दिए और फिर वो भंसाली के ऑफिस में चले गए.

करीना कपूर ने क्या कहा था ?

इस घटना से पहले नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुए शो 'डाइनिंग विद द कपूर्स' में करीना और करिश्मा से सवाल किया गया था, कौन सा कपूर पैपाराजी को टिप देता है ? इस पर करिश्मा कपूर ने कहा था, सभी कपूर पैपाराजी को पसंद करते हैं. लेकिन, करीना की राय इससे अलग थी. उन्होंने कहा था, मुझे नहीं लगता कि हमें पैपाराजी को टिप देने की जरूरत है. दरअसल, हम उन्हें टिप देते हैं कि वे हमारी तस्वीर न लें. हम नहीं चाहते कि हमारी तस्वीर ली जाए. लेकिन रणबीर की टीम और पैपाराजी के बीच हुई बहस ने करीना के बयान को गलत साबित कर दिया है.

सोनू सूद-उर्वशी रौतेला के बाद

नेहा शर्मा से ED की पूछताछ, बेटिंग ऐप मामले में मिमी चक्रवर्ती को भी भेजा था समन

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा शर्मा भी अब जांच एजेंसी ईडी के रडार पर हैं. केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (Directorate of Enforcement/ED) ने एक्ट्रेस को पिछले हफ्ते समन भेजा था. 2 दिसंबर को उन्हें दिल्ली वाले ईडी ऑफिस में पूछताछ के लिए बुलाया गया है. बेटिंग ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच एजेंसी एकदम सख्त है. उनसे पहले एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला और सोनू सूद से भी इस मामले में पूछताछ हो चुकी है. यहां तक कि क्रिकेटर शिखर धवन, सुरेश रैना समेत कई नामी हस्तियों को ईडी ने समन भेजा था.हाल ही में जानकारी मिली कि एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन मिमी चक्रवर्ती को इस मामले में 15 सितंबर को ईडी ने पेशी के लिए समन भेजा था. जिसके बाद बेटिंग ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ भी की गई थी. जानकारी के मुताबिक, v&Bet मनी लॉन्ड्रिंग केस में उर्वशी रौतेला को भी समन भेजा गया था. जिनसे 16 सितंबर को पूछताछ की जानी थी.

नेहा शर्मा से ED की पूछताछ

मॉडल और एक्ट्रेस नेहा शर्मा से 2 दिसंबर यानी मंगलवार को ईडी मुख्यालय में बुलाया गया है. जहां वो पेश हो गई हैं, साथ ही ऑनलाइन बेटिंग एप केस में ईडी उनसे कुछ सवाल करेगी. ऐसा कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस कुछ एन्डोर्समेंट के जरिए ही बेटिंग ऐप से जुड़ी हुई है. जिसके चलते ईडी के रडार पर आ गई हैं. प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के नियमों के तहत ही उनके बयान रिकॉर्ड किए गए हैं.

दरअसल इस बेटिंग ऐप की इंडिया की एम्बेसेडर उर्वशी रौतेला थीं. जिन्होंने इसका एंडोर्समेंट किया था. वहीं, युवराज सिंह, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और शिखर धवन जैसे क्रिकेटरों को भी समन भेजा गया था. हालांकि, पूछताछ के बाद उनकी 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर दी गई थी. इस मामले में कुछ इन्फ्लुएंसर्स से भी पूछताछ की जा चुकी है.इसी मामले में ईडी का कहना है कि, ऐप भारत में बिना परमिशन के ऑपरेट किया जा रहा था. जो कि ऑनलाइन वीडियो और सोशल मीडिया के जरिए लोगों को टारगेट करता था.

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला जाति जनगणना को बताया 'विश्वासघात'

- लोकसभा में उठाया सवाल, केंद्र सरकार की नीतियों पर जताई नाराजगी
- नेता प्रतिपक्ष ने संसद में कहा, जनता का विश्वास खो रही है सरकार

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने अपने द्वारा पूछे गए जाति जनगणना से जुड़े सवाल के जवाब को आधार बनाकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। राहुल ने इसे सीधे तौर पर 'विश्वासघात' करार दिया। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना के नतीजों को लेकर जनता में भ्रम और असंतोष फैल रहा है, और केंद्र सरकार की नीतियों से आम जनता का विश्वास कमजोर हो रहा है। उनके बयान ने संसद में चर्चा का प्रमुख विषय बना लिया।

क्या बोले राहुल गांधी?

राहुल ने एक्स पर अपने पोस्ट में संसद से मिले जवाब की प्रति साझा करते हुए लिखा, संसद में मैंने सरकार से जाति जनगणना पर सवाल पूछा – उनका जवाब चौंकाने वाला है। न ठोस रूपरेखा, न समयबद्ध योजना, न संसद में चर्चा, और न ही जनता से संवाद। दूसरे राज्यों की सफल जाति जनगणनाओं की रणनीति से सीखने की कोई इच्छा भी नहीं। मोदी सरकार की यह जाति जनगणना देश के बहुजनों के साथ खुला विश्वासघात है।

देश में कैसे होगी जनगणना?

जनगणना का पहला चरण अगले साल अप्रैल से शुरू होगा। इसमें मकानों व उसमें रहने वालो के रहन सहन के स्तर का ब्यौरा एकत्र होगा। वर्तमान में लद्दाख व पश्चिम बंगाल को छोड़कर पूरे देश में पहले चरण के मकान सूचीकरण के काम का पूर्वाभ्यास चल रहा है। प्रगणकों को इसमें प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। यह प्रगणक ऑनलाइन व घर घर जाकर दोनों तरह से आंकड़ों को एकत्र करेंगे। पहली बार डिजिटल माध्यम का भी उपयोग होने से जनगणना के आंकड़े भी जल्द सामने आ सकेंगे। पहले की जनगणनाओं में मुख्य आंकड़े तो आ जाते थे लेकिन विस्तृत आंकड़े आने में कई साल लगते थे। दूसरे चरण के तहत 2027 में पूरे देश की जनगणना कराई जाएगी। इसमें जातिगत जनगणना भी शामिल है। आजादी के बाद पहली बार जातिगत जनगणना होनी है इसलिए इस काम को बहुत ही चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। जनगणना में पहली बार मोबाइल ऐप व पोर्टल का उपयोग होगा। उसके लिए सवाल अलग से तैयार होंगे। भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना कार्यालय ने सभी राज्यों को विस्तृत निर्देश भेजें हैं।

राहुल ने सरकार से क्या सवाल किए थे?

राहुल गांधी ने जो पत्र अपने पोस्ट में साझा किया है, उसमें उन्होंने गृह मंत्री से तीन सवाल पूछे। इनमें पूछा गया-

(क). दशकीय जनगणना की तैयारी के लिए प्रमुख प्रक्रमात्मक कदमों का ब्यौरा और संभावित समयसीमा क्या है, जिसमें प्रश्नों की तैयारी, कार्यक्रम निर्धारण करना शामिल है;

(ख). क्या सरकार का जनगणना के सवालों का प्रारूप प्रकाशित करने और इन सवालों पर जनता या जनप्रतिनिधियों से इनपुट लेने का कोई प्रस्ताव है; और

(ग). क्या सरकार अलग-अलग राज्यों में किए गए जाति सर्वेक्षण समेत पिछले अनुभवों पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तदंसत्बधी ब्यौरा क्या है?

सरकार की ओर से क्या जवाब दिए गए?

राहुल के इन सवालों का जवाब लिखित तौर पर गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री नित्यानंद राय की तरफ से दिया गया। इनमें कहा गया...

(क). जनगणना 2027 दो चरणों में की जाएगी, अर्थात चरण ढ्ढ- मकान सूचीकरण तथा मकानों की गणना, जो अप्रैल से सितंबर 2026 में 30 दिनों की अवधि में राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों की सुविधानुसार की जाएगी। इसके बाद चरण ॥- जनसंख्या गणना होगी। जनसंख्या गणना, फरवरी 2027 के दौरान होगी, जिसकी संदर्भ तिथि 1 मार्च, 2027 को 00ः00 मानी जाएगी, सिवाय संघ राज्यक्षेत्र लद्दाख और संघ राज्यक्षेत्र जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्यों के हिमाच्छादित असमाकालिक क्षेत्रों में, जहां जनसंख्या गणना, सितंबर 2026 के दौरान होगी जिसकी संदर्भ तिथि अक्तूबर, 2026 के पहले दिन के 00ः00 बजे होगी।

ख). जनगणना प्रश्नावली को प्रत्येक जनगणना से पहले विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, संगठनों और जनगणना डाटा उपयोगकर्ताओं आदि से प्राप्त सुझावों/इनपुट के आधार पर अंतिम रूप दिया जाता है। प्रारूपित जनगणना प्रश्नावली को अंतिम रूप देने से पहले उनकी व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए क्षेत्र में पूर्व-परीक्षण किया जाता है। जनगणना नियम, 1990 के नियम 6 के अनुसार, जनगणना प्रश्नावली केंद्र सरकार की तरफ से अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के तहत अधिकृत राजपत्र के माध्यम से अधिसूचित की जाती है।

(ग). जनगणना का 150 वर्षों से अधिक का इतिहास है। अगली जनगणना के लिए पिछली जनगणनाओं से प्राप्त अनुभवों को ध्यान में रखा जाता है। प्रत्येक जनगणना से पहले संबंधित हितधारकों से भी सुझाव लिए जाते हैं।

छत्तीसगढ़: नक्सलियों के साथ जवानों की मुठभेड़

दंतेवाड़ा-बीजापुर की सीमा पर जवानों ने 12 नक्सलियों को किया ढेर, 3 जवान बलिदान

- जंगल में सर्च ऑपरेशन जारी, घायल जवान को अस्पताल में कराया गया भर्ती
- 'लगातार नक्सली की टीम बिखरती जा रही है और उनके बीच जागरूकता बढ़ रही है'

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। जगदलपुर

दंतेवाड़ा और बीजापुर सीमा से लगे भैरमगढ़ क्षेत्र के केशकुतुल के जंगलों में सुबह से नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो रही है। एनकाउंटर में 12 माओवादियों को जवानों ने ढेर कर दिया है। मुठभेड़ में डीआरजी के तीन जवान बलिदान हो गए हैं, जबकि दो जवान घायल है जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। जंगल में बड़ा सर्च ऑपरेशन जारी है, मारे गए नक्सलियों की संख्या और बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि आज सुबह दंतेवाड़ा से टीम निकली थी जहां बीजापुर की सीमा भैरमगढ़ के केशकुतुल में जवानों और नक्सलियों के बीच में मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि मुठभेड़ स्थल से एएलआर राइफलें, .303 राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किया गया है। मारे गए माओवादियों की पहचान की जा रही है। इस ऑपरेशन में बीजापुर डीआरजी के दो जवान बलिदान हो गए हैं। बलिदान हुए जवानों के नाम प्रधान आरक्षक मोनू वडाड़ी, डीआरजी, आरक्षक दुकारू गोंडे, डीआरजी, जवान रमेश सोड़ी, डीआरजी हैं। इससे पहले डीकेएसजेडसी सदस्य ने अपने 9 साथियों के साथ लाल गलियारे को त्याग करते हुए पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था।

> मुठभेड़ स्थल से एएलआर राइफलें, 303 राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किया गया है। मारे गए माओवादियों की पहचान की जा रही है। इस ऑपरेशन में बीजापुर डीआरजी के दो जवान बलिदान हो गए हैं। बलिदान हुए जवानों के नाम प्रधान आरक्षक मोनू वडाड़ी और आरक्षक दुकारू गोंडे हैं।
> –सुंदरराज पट्टलिंगम, बस्तर आईजी

कॉलेज के समय नक्सलियों के संपर्क में आया था चैतू

नक्सलियों के दरभा डिवीजन में कई वर्षों तक उनके साथ काम करने के साथ ही उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले चैतू उर्फ श्याम दादा ने आत्मसमर्पण कर दिया था। चैतू दादा उर्फ श्याम ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि कॉलेज के दिनों में ही वे नक्सलियों के मेडिकल टीम के संपर्क में आया और वर्ष 1985 में भूमिगत हो गया था। बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई के बीच बटालियन के बारसे देवा, पापाराव, केसा समेत तमाम नक्सलियों के आत्मसमर्पण के लिए बनाए गए अनुकूल माहौल के बाद एक बार फिर से सुकमा बीजापुर दंतेवाड़ा जैसे जिलों में जॉइंट ऑपरेशन को तेज कर दिया गया है।

चुनाव से पहले ममता बनर्जी का 'वक्फ' वाला दांव, कहा, किसी की जमीन छूने नहीं दूंगी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वक्फ संशोधन कानून 2025 को लेकर भाजपा पर सीधा हमला बोलते हुए कहा है कि यह कानून केंद्र लाया है और उनकी सरकार किसी भी हाल में लोगों की संपत्ति को छूने नहीं देगी। मालदा में सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए ममता ने इसे धर्म के नाम पर राजनीति कराने की कोशिश बताया और साफ कहा कि वह धर्म आधारित राजनीति नहीं करतीं। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि कुछ सांप्रदायिक ताकतें धर्म के नाम पर समाज में दरार डालने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन कानून भाजपा लेकर आई है और उनकी सरकार ने न केवल विधानसभा में इसका विरोध कर प्रस्ताव पारित किया, बल्कि सुप्रीम कोर्ट भी गई। ममता ने जनता को आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी की जमीन या संपत्ति पर कोई हाथ नहीं डाल सकता और राज्य सरकार किसी भी तरह के धार्मिक टकराव को बढ़ावा नहीं देगी।

कैसे शुरू हुआ विवाद?

यह बयान ऐसे समय आया है जब राज्य की स्थिति वक्फ कानून को लेकर एक बार फिर विवाद में आ गई है। हाल ही में राज्य सरकार ने जिलाधिकारियों को केंद्र की यूएमआईडी पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों का डेटा अपलोड करने को कहा, जिससे नए सिरे से असहज स्थिति पैदा हो गई है। इस कदम को कई लोगों ने कानून की व्यवहारिक स्वीकृति बताया है। केंद्र ने 82 हजार से अधिक वक्फ संपत्तियों का पूरा विवरण 6 दिसंबर तक ऑनलाइन अपलोड करने की समय-सीमा तय की है।

अल्पसंख्यकों की नाराजगी

राज्य के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री और जमीअत उलेमा-ए-हिंद बंगाल अध्यक्ष सिद्दीकुल्लाह चौधरी ने कहा कि अगर वक्फ संपत्तियों पर कब्जे की कोशिश हुई तो मुस्लिम समुदाय चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार दोनों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि गांवों में जाकर कौन लोगों को बताएगा कि उनकी जमीन अब उनकी नहीं रही। चौधरी ने कहा कि समुदाय लंबे संघर्ष के लिए तैयार है और हालात को गंभीरता से देख रहा है। टीएमसी के भीतर यह असहजता अगले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए चुनौती बन गई है। स्थिति को और जटिल बनाते हुए एआईएमआईएम कोलकाता में राज्य सरकार के इस यू-टर्न के खिलाफ प्रदर्शन करने की तैयारी में है। महीनों तक विरोध करने के बाद अब केंद्र की शर्तें मान लेने से अल्पसंख्यक राजनीति में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, टीएमसी जहां खुद को अल्पसंख्यक अधिकारों का रक्षक बताती है, वहीं भाजपा इसे तुष्टिकरण कहती है और एआईएमआईएम इस असंतोष को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रही है।

ममता का माइक्रो-मैनेज्ड संदेश

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र ममता बनर्जी का यह संदेश अल्पसंख्यक बहुल मालदा जिले में दिया गया, जो राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ममता ने कहा कि उनकी सरकार सभी धर्मों के साथ खड़ी रही है और किसी की संपत्ति नहीं छीनी जाएगी। केंद्रीय नियमों, राजनीतिक दबाव और अल्पसंख्यक नाराजगी के बीच उनका यह बयान स्पष्ट संकेत देता है कि वक्फ कानून अब बंगाल की चुनावी राजनीति का बड़ा मुद्दा बन चुका है।

'संचार साथी एप' पर उद्धव बोले, सरकार लोगों की जासूसी करने की तैयारी कर रही

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। मुंबई

संचार साथी एप को लेकर लगातार केंद्र सरकार को घेरा जा रहा है। पूरा विपक्ष इस पर सवाल उठा रहा है। सरकार ने भी मामले को गंभीरता को समझते हुए तुरंत प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया था कि इस एप को लोग अपने फोन से डिलीट कर सकते हैं। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि संचार साथी एप असल में पेगासस का ही नया रूप है और भाजपा नेतृत्व वाली सरकार लोगों की जासूसी करने की तैयारी कर रही है। ठाकरे ने दावा किया कि यह एप नागरिकों के फोन में जबरन डालकर उनकी गतिविधियों की निगरानी करने का तरीका है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। आगे कहा कि सरकार लोगों पर अविश्वास दिखाने के बजाय उन सुरक्षा चूकों की जांच करे, जिनके कारण अप्रैल में पहलगाम में बड़ा आतंकी हमला हुआ था जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जब सरकार को यह देखना चाहिए कि आतंकीभारत में कैसे घुस रहे हैं, तब वह नागरिकों के फोन पर नजर रखने में व्यस्त है। इस बीच संचार मंत्रालय के 28 नवंबर के आदेश ने विवाद बढ़ा दिया है, जिसमें सभी मोबाइल कंपनियों को यह एप प्री-इंस्टॉल करने और मौजूदा फोन में भी अपडेट के जरिए शामिल करने का निर्देश दिया गया है।

संचार साथी की अनिवार्यता पर विवाद

एप को अनिवार्य रूप से शामिल करने के आदेश के बाद गोपनीयता को लेकर आशंकाएं बढ़ गईं हैं। आरोप है कि यह एप मैसेज पढ़ सकता है और फोन डेटा तक पहुंच सकता है। ठाकरे ने कहा कि पेगासस की तरह यह भी फोन में मैलवेयर की तरह घुसकर निगरानी कर सकता है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि सरकार ने बस नाम बदल दिया है, तरीका वही है। जासूसी और नागरिकों पर शक। उन्होंने कहा कि जो लोग आपको सत्ता में लाए, उन्हीं पर शक करना शासन की नाकामी दिखाता है।

रुपये में गिरावट से महंगाई या निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ रहा: नागेश्वरन

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट के बीच मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने बयान दिया है। गिरावट का सिलसिला जारी रखते हुए रुपया बुधवार को पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर गया, शुरुआती कारोबार में छह पैसे गिरकर 90.02 पर आ गया। नागेश्वरन ने सीआईआई कार्यक्रम के दौरान कहा कि सरकार रुपये में गिरावट को लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा कि रुपये में गिरावट से महंगाई या निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। हालांकि, उन्होंने आशा व्यक्त की कि अगले वर्ष इसमें सुधार होगा। बता दें कि वर्ष 2025 में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगभग 5 प्रतिशत की गिरावट आई। विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी और बैंकों द्वारा डॉलर की निरंतर खरीद के बीच बुधवार को कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपया 34 पैसे गिरकर 90.30 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया।

मुंबई में यूपी के कलाकारों को प्रोत्साहन

- डॉ दिलीप अग्निहोत्री ने स्टूडियो तैयारियों का किया निरीक्षण

जन एक्सप्रेस। मुंबई

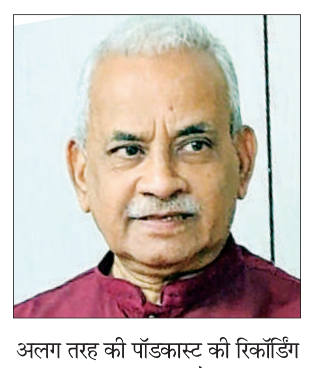

उत्तर प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त डॉ दिलीप अग्निहोत्री ने मुंबई में निर्मित हो रहे स्टूडियो की तैयारियों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इसके निर्माण से महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश के कलाकारों को भी सुविधा और प्रोत्साहन मिलेगा।
विश्व की सर्वाधिक शॉर्ट फिल्म बनाने वाले फिल्मकार, लोकप्रिय टीवी वक्ता, गीतकार अविनाश त्रिपाठी और प्रसिद्ध समाजसेवी सत्यनारायण बंसल के संयुक्त उपक्रम में यह स्टूडियो शुरू किए गया है। अविनाश त्रिपाठी ने बताया कि मुंबई अवसरो का शहर है। इसी शहर के अंधेरी पश्चिम में रुद्राक्ष स्टूडियो का पूजा पाठ और भारतीय सनातन परंपरा के अनुसार भव्य शुभारंभ किया गया। पूर्व में नेक्सस स्टूडियो के नाम से जाने जाने वाले इस स्टूडियो में, विभिन्न प्रकार की डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म और बहुत अलग तरह की पॉडकास्ट की रिकॉर्डिंग की विश्व स्तरीय सुविधा है। इस रुद्राक्ष स्टूडियो में सभी रिकॉर्डिंग के आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। शूटिंग के लिए चार विभिन्न प्रकार के सेट बनाए गए हैं। इस स्टूडियो में भारत के प्रमुख फिल्म कलाकार राजनेता,ब्यूरोक्रेट समाजसेवी और इंडस्ट्रियलिस्ट पर बेहद रोचक पॉडकास्ट की तैयारी है। उत्तर प्रदेश के सूचना आयुक्त डॉक्टर दिलीप अग्निहोत्री ने 28 नवंबर को इस स्टूडियो की तैयारी का गहन अवलोकन किया। डॉक्टर अग्निहोत्री ने उत्तर प्रदेश की विभिन्न प्रतिभाओं को स्टूडियो में अधिक से अधिक अवसर देने के लिए अविनाश त्रिपाठी से अनुरोध भी किया। । डॉ दिलीप अग्निहोत्री स्टूडियो की सुविधाओं से बेहद प्रसन्न नजर आए और उसकी सफल होने की कामना की। गौरतलब है कि अविनाश त्रिपाठी ने 750 से भी अधिक शॉर्ट फिल्म बनाकर विश्व में बिगेस्ट शॉर्ट फिल्म मेकर का ओहदा भी अर्जित किया है। अपनी विशेष लेखन की वजह से उन्हें 2025 के कांस फिल्म फेस्टिवल में भी आमंत्रित किया गया था।

स्टूडियो में विश्व स्तरीय सुविधाएं

पूर्व में नेक्सस स्टूडियो के नाम से जाने जाने वाले इस स्टूडियो में डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म और विभिन्न प्रकार के पॉडकास्ट की रिकॉर्डिंग की सुविधा उपलब्ध है। स्टूडियो में चार अलग-अलग प्रकार के शूटिंग सेट बनाए गए हैं और सभी आधुनिक उपकरण मौजूद हैं। यहां प्रमुख फिल्म कलाकार, राजनेता, ब्यूरोक्रेट, समाजसेवी और इंडस्ट्रियलिस्ट पर रोचक पॉडकास्ट की रिकॉर्डिंग की जाएगी।

सिद्धार्थ विहार में प्राचीन मंदिर ध्वस्तीकरण का विरोध

जन एक्सप्रेस । गाजियाबाद

गाज़ियाबाद के सिद्धार्थ विहार स्थित विशाल सहकारी आवास समिति लि. सेक्टर-7 में आज सुबह 9 बजे से भोलेनाथ के प्राचीन बताए जा रहे मंदिर के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू किए जाने पर हंगामा खड़ा हो गया। आवास विकास परिषद के अधिकारियों व भारी पुलिस फोर्स की तैनाती के बीच स्थानीय लोगों ने मंदिर तोड़ने का कड़ा विरोध किया।
विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कई पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और प्रशासनिक कार्रवाई पर आपत्ति जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में मंदिर को क्षति पहुँचाने की कोशिश की गई तो तीव्र आंदोलन किया जाएगा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सोसाइटी में 99 प्रतिशत लोग हिंदू धर्म से जुड़े हैं और यह मंदिर उनकी आस्था का केंद्र है। विरोध कर रहे लोगों ने मांग की कि यदि प्रशासन इस स्थान पर मंदिर नहीं रखना चाहता, तो समिति परिसर में ही किसी अन्य उपयुक्त स्थान को चिन्हित कर मंदिर के लिए स्थाई जगह उपलब्ध कराई जाए, ताकि धार्मिक आस्था को सुरक्षित रखा जा सके।

बिहार में अतिक्रमण अभियान का विरोध, भाकपा माले ने कहा, बुलडोजर राज किसी कीमत पर स्वीकार नहीं

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। पटना

बिहार में नई सरकार के गठन के बाद राजधानी पटना सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में अतिक्रमण के नाम पर दलित-गरीबों, छोटे व्यवसायियों और फुटपाथ दुकानदारों पर चल रहे बुलडोजर अभियान के खिलाफ आज भाकपा माले और व्यवसायी महासंघ के संयुक्त बैनर तले पूरे राज्य में धरना प्रदर्शन दिया गया। विरोध प्रदर्शन करने वाले में नीतीश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इन लोगों ने ÷बुलडोजर नहीं, पर्चा दो; रोज़ी-रोटी की सुरक्षा दो!÷ का नारा लगाकर सरकार का विरोध जताया। राजधानी पटना में विधानसभा के समक्ष गर्दनीबाग धरनास्थल पर विशाल धरना हुआ। आरा, बक्सर, गया, दरभंगा, बेगूसराय, नवादा, जहानाबाद, सीवान, अरवल, मोतिहारी समेत कई जिलों में प्रतिवाद मार्च निकाले गए और सरकार को चेतावनी दी गई कि वह तत्काल बुलडोजर अभियान पर रोक लगाए।

पटना के इन इलाकों के दुकानदार आए

पटना के धरना कार्यक्रम में माले के पूर्व विधायक महबूब आलम, पालीगंज विधायक संदीप सौरभ, एमएलसी शशि यादव, काराकाट विधायक अरुण सिंह, दीघा से उम्मीदवार दिव्या गौतम, नगर सचिव जितेंद्र कुमार, फुटपाथ दुकानदारों के नेता शहजादे आलम और मुर्तज़ा अली सहित कई नेता उपस्थित थे। पटना शहर के न्यू मार्केट, महावीर मंदिर, वीणा सिनेमा, दक्षिण बुद्धा पार्क, दीघा हाट, जगदेव पथ, कारगिल चौक, चितकोहरा बाजार, मंगलेश रोड से सचिवालय और गोरिया टोली क्षेत्रों से भारी संख्या में वे गरीब और दुकानदार शामिल हुए जो हाल के दिनों में बुलडोजर अभियान से प्रभावित हुए हैं।

महबूब आलम बोले, भ्रम में न रहे भाजपा

धरने को संबोधित करते हुए महबूब आलम ने कहा कि बिहार की नई सरकार में भाजपा का वर्चस्व है और गृह विभाग संभालते ही सम्राट चौधरी आम लोगों पर बुलडोजर चलवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा भ्रम में न रहे-चुनाव भले ही बेईमानी से जीता हो, लेकिन बिहार का गरीब अपने अधिकारों को लेकर सजग है। जब तक माले है, गरीबों की लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने सरकार से अविलंब बुलडोजर अभियान रोकने और सभी जरूरतमंदों के लिए आवास की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

दिव्या गौतम ने कहा- गरीबों के घर उजाड़े का रहे

गोपाल रविदास ने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जिला नालंदा के शिवनंदन नगर में दशकों से बसे गरीबों के घरों पर बुलडोजर चला दिया गया। यह कैसा न्याय है? दिव्या गौतम ने कहा कि पटना में अतिक्रमण के नाम पर हर जगह शहरी गरीबों के घर उजाड़ा जा रहा है। चुनाव खत्म होते ही भाजपा-जदयू का असली चेहरा सामने आ गया है। हम भले चुनाव हार गए हों, लेकिन जनता के मुद्दों पर संघर्ष जारी रहेगा। एमएलसी शशि यादव ने कहा कि भाजपा-जदयू चुनाव जीतने के अहंकार में न रहे। पूरा बिहार इनका विरोध करेगा। आप गरीबों की आवाज दबा नहीं सकते हैं।

फुटकर दुकानदारों ने पूछा यह बड़ा सवाल

फुटपाथ दुकानदारों के नेता शहजादे आलम ने कहा कि जब पटना नगर निगम ने वेंडिंग पहचान पत्र जारी किए हैं और उसी आधार पर प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत 10 हजार से 50 हजार तक का लोन दिया गया है, तो फिर अतिक्रमण के नाम पर जुर्माना लेकर ठेले क्यों जब्त किए जा रहे हैं? उन्होंने कहा कि पटना सहित राज्य के अन्य हिस्सों में जिन दलित-गरीबों और दुकानदारों पर बुलडोजर चला है, उनकी पुरानी स्थिति बहाल की जाए या उपयुक्त वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।

संदीप बोले, 10 हजार की घूस ली गई

विधायक संदीप सौरभ ने कहा कि चुनाव से पहले 10 हजार की घूस ली गई और अब गरीबों पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं। यह किसी कीमत पर स्वीकार नहीं होगा। बिहार के गरीब अपने अधिकारों को लेकर लंबी लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। एनडीए सरकार कॉरपोरेट और भूमाफियाओं की संरक्षक बन चुकी है, उन्हीं के हित में गरीबों को उजाड़ा जा रहा है।